जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, सोमवार 24 नवम्बर, 2025

विचार बिन्दु

सारा जगत स्वतंत्रता के लिए लालायित रहता है फिर भी प्रत्येक जीव अपने बंधनो को प्यार करता है। –श्री अरविंद

चुनना आपको है!

भारत में ख़रीद–फरोख़्त की दुनिया बहुत तेज़ी से बदल रही है। वैसे बदलाव तो सारी ही दुनिया में आ रहे हैं लेकिन क्योंकि हम अपने देश में आ रहे बदलावों से ज़्यादा प्रभावित होते हैं, यहां हम उसी की चर्चा कर रहे हैं। बहुत पुरानी बात नहीं है जब हमारे पास खरीद के ठिकाने बहुत कम थे। गांव के मोदी जी की दुकान, गली के नुक्कड़ का दुकानदार, और ज़्यादा से ज़्यादा हुआ तो हर शहर का एक मुख्य बाज़ार। मिलने वाला सामान भी सीमित हुआ करता था। ग्राहक के पास बहुत कम विकल्प होते थे। किसी को कभी देश से बाहर जाने का मौका मिलता था तो वह वहां के लकदक बाज़ारों और मिलने वाले वैविध्यपूर्ण सामानों को देखकर चौंधिया जाता था। लेकिन पिछले कुछ समय में ये स्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। अब भारत में करीब–करीब वे सारी वस्तुएं मिलती हैं जो दुनिया के अन्य विकसित देशों के नागरिकों को सुलभ हैं। बाज़ारों के रंग रूप भी बहुत बदल चुके हैं। दुकानों की स्पर्धा अब डिपार्टमेण्टल स्टोर्स, मेगा स्टोर्स, और मॉल्स से हो रही है। इन सबका फैलाव महानगरों से नगरों, नगरों से कस्बों और अब तो कस्बों से गांव तक हो गया है।

आज खरीददार के पास विकल्पों की बहुतायत है। और विकल्पों की यह बहुलता केवल उत्पादों और ब्राण्ड्स के मामले में ही नहीं है। अब उसके पास यह विकल्प बाहुल्य भी है कि वह खरीददारी कहां से और कैसे करे। पहले जहां उसके पास केवल अपने मुहल्ले की दुकान से खरीददारी का विकल्प था, अब अगर वह चाहे तो दुकान को छोड़कर मॉल में जा सकता है और अगर कहीं न जाना चाहे तो किसी ई कॉमर्स साइट से घर बैठे भी अपनी इच्छित वस्तु पा सकता है। मॉल में जाने का अतिरिक्त लाभ यह होता है कि उसे चकाचक माहौल मिलता है, चुस्त सेल्समैन/वुमन की परिष्कृत सेवाएं मिलती हैं, बहुत सारे उत्पादों को देखकर उनमें से चुनने का अवसर मिलता है, एक ही छत के नीचे सारी ख़रीददारी करने की सुविधा मिलती है, और खरीददारी के साथ–साथ मनोरंजन और आमोद–प्रमोद के अवसर भी मिलते हैं। आम तौर पर मॉल्स में फूड कोर्ट भी होते हैं, बहुत बार सिनेमा हॉल भी होते हैं तो खरीददादारी के साथ–साथ आउटिंग का आनंद भी मिल जाता है।

अब इन दोनों को बहुत कड़ी टक्कर मिल रही है ई कॉमर्स साइट्स से। आजकल हमारे शहरों में वाहनों की भीड़–भाड़ और बहुत तेज़ी से बढ़ते जा रहे ट्रैफिक जामों की वजह से लोगों का घर से निकलना सुखद नहीं रह गया है। निकल गए और गंतव्य तक पहुंच भी गए तो पार्किंग की समस्या। और अगर वह भी हल हो गई तो दुकानदार का रूखा बर्ताव, खरीददारी के लिए सीमित विकल्प, मॉल में चले गए तो तुलनात्मक रूप से महंगा सामान खरीदने की चुभन। आखिर मॉल में जिसने दुकान लगाई है वह सारे खर्चे तो अपने ग्राहक से ही वसूलेगा। ऐसे में ठंडी हवा के झोंके की तरह आई ई कॉमर्स साइट्स। कहीं जाने की ज़रूरत नहीं। घर बैठे ऑर्डर दें और जल्दी से जल्दी मनचाहा सामान प्राप्त करें। अगर पसंद न आए तो एक निश्चित अवधि में वापस कर दें या बदलवा लें। अगर एक साथ बड़ी राशि खर्च न करना चाहें तो इंस्टॉलमेंट की सुविधा ले लें और सबसे बड़ी बात, बाज़ार की दरों से कम दरों पर सामान खरीद लें। भारतीय ग्राहक तुलनात्मक रूप से कम दरों को बहुत ज़्यादा महत्व देता है। अब तो हालत यह हो गई है कि बहुत सारे दुकानदार अपने यहां इस आशय की इबारत टांगने लगे हैं कि कृपया हमारी रेट्स की तुलना ई कॉमर्स साइट्स की रेट्स से न करें! वे तो लिख कर टांग देते हैं लेकिन मैं फिर भी पूछना चाहता हूं कि क्यों न करें? हम आपसे महंगा सामान क्यों खरीदें? आपके पास कोई शिकायत लेकर आएंगे तो आप तोता चश्म बन जाएंगे। रूखा जवाब देंगे। अगर लौटाना चाहेंगे तो खा जाने वाली नज़रों से देखेंगे, और बहुत मज़बूर हुए तो सुबह ग्यारह बजे आए ग्राहक से कहेंगे कि सामान वापसी का समय शाम पांच बजे है। तब आएं। आपका प्रयास यही होता है कि जो भी भुगतना है ग्राहक ही भुगते। आपको कोई कष्ट न हो।

आज खरीददार के पास विकल्पों की बहुतायत है। और विकल्पों की यह बहुलता केवल उत्पादों और ब्राण्ड्स के मामले में ही नहीं है। अब उसके पास यह विकल्प बाहुल्य भी है कि वह खरीददारी कहां से और कैसे करे। पहले जहां उसके पास केवल अपने मुहल्ले की दुकान से खरीददारी का विकल्प था, अब अगर वह चाहे तो दुकान को छोड़कर मॉल में जा सकता है और अगर कहीं न जाना चाहे तो किसी ई कॉमर्स साइट से घर बैठे भी अपनी इच्छित वस्तु पा सकता है।

इस बात पर भी विचार किया जाना चाहिए कि ई कॉमर्स साइट्स अन्यों की तुलना में सस्ता सामान कैसे दे पाती हैं! सबसे पहली बात तो यह कि इनके व्यवसाय का आकार बहुत बड़ा होता है। अपने बड़े आकार की वजह से ये निर्माता या सप्लायर से मोलभाव कर भारी डिस्काउण्ट प्राप्त कर लेतेहैं। दूसरी बात यह कि व्यापार के बड़े आकार की वजह से गोदाम, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट पर प्रति यूनिट खर्चा कम आता है और तीसरी बात यह कि अपने बड़े आकार की वजह से इनमें से बहुतों ने अपना डिलीवरी नेटवर्क बना लिया है जो कम खर्च में इनके माल को ग्राहक तक पहुंचा पाता है। अब इनकी चालाकी या अक्लमंदी को भी समझिये। ये कंपनियां बहुत सारे उत्पादों पर जानबूझकर घाटा उठाती हैं। ऐसा ये ग्राहक को अपनी साइट पर आकर्षित करने और अपनी साइट को उसकी आदत में शामिल करने के लिए करती हैं। ऐसा करके ये छोटे प्रतिस्पर्धियों को स्पर्धा से बाहर भी करती रहती हैं। और भी जानिए। जो उत्पाद ज़्यादा बिकते हैं ये उनका उत्पादन ही ख़ुद करने लग जाती हैं, जो अन्य प्रचलित ब्राण्ड्स की तुलना में सस्ते होते हैं। ग्राहक चार चीज़ें इनकी बनाई खरीदता है तो तीन चीज़ें और भी खरीद लेता है। क्योंकि इनके व्यापार का आकार बड़ा होता है, ये ग्राहक को अपनी तरफ खींचने के लिए डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भी भरपूर प्रयोग करने की सामर्थ्य रखते हैं। आपने किसी साइट पर कुछ खोजा तो वे बार–बार उस तरह की चीज़ें आपको दिखा कर अंततः उसे खरीदने के लिए तैयार कर लेते हैं।

ईकॉमर्स साइट्स के सस्ता माल बेचने के पीछे बहुत बड़ी भूमिका वेंचर कैपिटलिस्ट्स (VC) की भी होती है। उनसे प्राप्त वित्तीय समर्थन के बल पर इस तरह की कंपनियां आठ दस साल तक भी घाटा उठाकर बिज़नेस करने की सामर्थ्य अर्जित कर लेती हैं। अब यही देखें कि फ्लिपकार्ट ने 2022–23 तक कभी प्रॉफिट दिखाया ही नहीं, फिर भी उसका वैल्यूएशन बीस मिलियन डॉलर से अधिक था। अमेज़ॉन इण्डिया (2024 के आंकड़ों के अनुसार) प्रॉफिट में नहीं है फिर भी 5–6 हज़ार करोड़ का निवेश कर रही है। ये मात्र दो उदाहरण हैं। ये बड़े व्यापारी वेंचर कैपिटल से मार्केट पर कब्ज़ा करने की जुगत में रहते हैं। प्रतिस्पर्धी ख़त्म हो जाए, फिर तो ये जैसे चाहे वैसे व्यवसाय करेंगे। हमने अपने देश में हाल के बरसों में अनेक ब्राण्ड्स को लुप्त होते देखा है। इसके पीछे यही खेल चलता है। यह देखिये कि जैसे–जैसे प्रतिस्पर्धी कमज़ोर या विलुप्त होता है ये अपनी कीमतें बढ़ाने लग जाते हैं। अमेज़ॉन प्राइम इसका एक उदाहरण है। अब उसने प्राइम की सदस्यता महंगी कर दी है, लौटाने या बदलवाने की सुविधाएं कम कर दी हैं, उत्पादों की कीमतें भी पहले जितनी आकर्षक नहीं रह गई हैं। एक और उदाहरण देखें। पहले जब उबर और ओला बाज़ार में आए थे तो उन्होंने ड्राइवरों को इन्सेण्टिव दिये, हम उपभोक्ताओं को भी तरह–तरह के लालच दिए। अब जब बाज़ार से इनके प्रतिस्पर्धी कम या लुप्त हुए तो ये सारी चीज़ें भी ख़त्म हो गईं। टेलीकॉम के बाज़ार में हमारे देखते–देखते कितनी कम्पनियां विलुप्त हो चुकी हैं और जो बची हैं वे अत्यधिक निर्ममता से अपने ग्राहकों का दोहन कर रही हैं।

यह सब लिखने का एकमात्र आशय यह है कि हमारे पारंपरिक दुकानदार इस खेल और इसके पीछे छिपे ख़तरों को समझें। यह समझें कि बड़ी ताकतें उनका सर्वनाश करने पर उतारू हैं। अगर वे अपने अस्तित्व को बचाए रखना चाहते हैं तो उन्हें ग्राहक को बेहतर सेवाएं देनी होंगी। ग्राहक की परवाह करनी होंगी। ग्राहक को अपनी तरफ खींचने और अपना बनाए रखने का हर मुमकिन प्रयास करना होगा। तभी उनके बचे रहने की कोई सम्भावना बनेगी। भारत का खरीददार और बाज़ार दोनों ही विविधता पूर्ण हैं। हमारा सोच अभी भी पारंपरिक है। एक ग्राहक के रूप में हमें दुकानदार की आत्मीयता और व्यक्तिगत स्पर्श अभी भी आकर्षित करते हैं। अगर वह दो बोल मीठे बोल ले और हमारा हाल चाल पूछ ले, अगर वह अपने साफ सुथरे और ईमानदार व्यापार के बारे में हमारे मन में अपना विश्वास स्थापित कर ले तो हम किसीमॉल या ई कॉमर्स साइट की बजाय उसी के पास जाना पसंद करेंगे। लेकिन अगर वह यह सोचे कि उसे नहीं ग्राहक को ही उसकी ज़रूरत है तो फिर उसे नष्ट होने से कोई नहीं बचा सकता है। दीवार पर जो साफ–साफ लिखा है उसे पढ़ना और उसके अनुरूप आचरण करना अथवा अपना विदा गीत लिखना – चयन उसका है!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

आयुर्वेद व हर्बल उत्पाद को मिल रहे नए आयाम पेटेंट दिशा–निर्देश

आयुर्वेद आहार व मानक से इनोवेशन व मार्केटिंग का ग्राफ बढ़ेगा

विकास आसावत

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः यानि सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त रहें। भारत पारंपरिक औषधीय जैव–संसाधनों से समृद्ध देश है और सदियों पुराने पारंपरिक ज्ञान का जनक व निर्वाहक है। भारतवर्ष विशेषकर हिमालय श्रृंखला औषधीय गुण युक्त हर्बल पौधों का खजाना है जिसे ग्रीन गोल्ड भी कहते है। आयुष स्वास्थ्य सेवा और उपचार की सुस्थापित प्रणालियो में आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, होम्योपैथी, योग, प्राकृतिक चिकित्सा आदि शामिल हैं। देश–विदेश में आधुनिक व नवीनतम शोध के चलते नित नए आयुष उत्पाद/प्रक्रियाओं/फ़ॉर्मूलेशन का विकास हो रहा। हाल ही में 23 सितम्बर को दसवे राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस पर पेटेंट ऑफिस ने आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयुष संबंधी आविष्कारों के परीक्षण के दिशानिर्देश जारी किए है। इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य भारतीय चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली के लिए पेटेंट के आवेदन, परीक्षण व स्वीकृति को स्पष्ट कर अधिक सुलभ व सुव्यवस्तिथ बनाना है।

दिशानिर्देश में आयुष उत्पाद के साथ साथ उपकरण, डिवाइस, व आयुष प्रणाली पर आधारित पौष्टिक–औषध (न्यूट्रास्युटिकल)/ फ़ूड रेसिपीज़ के मूल्य संवर्धित उत्पाद को आयुष सम्बंधित अविष्कार माना गया है। हर्बल इन्सेंस, हर्बल साबुन, हर्बल सेनेटरी पैड्स से लेकर प्रकृति व विकृति के आकलन के लिए स्मार्ट वेअरबल डिवाइस, एंटीमाइक्रोबियल पोलीहर्बल कम्पोजीशन आदि स्वीकृत पेटेंट के वास्तविक उदाहरणों को आवेदक के रिफरेन्स के लिए गाइडलाइन्स में सम्मिलित किया है।

पदार्थ के यील्ड व शुद्धता उल्लेखनीय ढंग से ज्यादा प्राप्त होने पर, सिनर्जिस्टिक इफ़ेक्ट प्रदर्शित करने पर, आयुष डिवाइस व उपकरण के सन्दर्भ में नवीनता व तकनीकी प्रभाव स्थापित करने पर पेटेंट स्वीकृत हो जायेगा।

गाइडलाइन्स में ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) में नवीनता सम्बन्धी जांच को महत्वपूर्ण माना गया है। टीकेडीएल 4.54 लाख भारतीय पारंपरिक औषधीय ज्ञान सम्बंधित फ़ॉर्मूलेशन्स व पद्दतिया का डिजिटल डेटाबेस है जो हमारे इस ज्ञान को सरंक्षित कर अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट कार्यालयों में इसके दुरुपयोग को रोकता है। संस्कृत, हिंदी, तमिल, मलयालम, अरबी, फ़ारसी, उर्दू, भोटी आदि स्थानीय भाषाओं में मौजूद प्राचीन ग्रंथों की जानकारी को पाँच अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं, अर्थात् अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी में लिपिबद्ध किया गया है। वर्ष 1995 में हल्दी के घाव भरने के गुणों को अमेरिकी पेटेंट मिलने पर और बाद में यूएस पेटेंट कार्यालय में उसी पेटेंट को रद्द करने में लगे समय, प्रयास और धनराशि के कारण पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण के टीकेडीएल की नीव रखी गयी। डेटाबेस वर्तमान में विश्वभर में भारत, यूरोप, अमेरिका, जापान सहित 17 पेटेंट कार्यालयों को उपलब्ध है व इनके लिपिबद्ध होने से अन्य देशो के पेटेंट एग्जामिनर भी पेटेंट जारी करने से पहले ये सुनिश्चित कर सकते है कि क्लेम किया गया प्रोसेस या फार्मूलेशन पहले से ही भारतीय ज्ञान के रूप सूचित है या नया अविष्कार है।

सामानांतर प्रगति में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई) ने आयुष मंत्रालय के परामर्श से 'आयुर्वेद आहार' श्रेणी के अंतर्गत प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों, अवयवों और प्रक्रियाओं पर आधारित व्यंजनों/ खाद्य पदार्थों की एक निश्चित सूची जारी की है जो भारत के पुरातन खाद्य ज्ञान को मुख्यधारा में लाता है। आयुर्वेद आहार को मौसम, शरीर की पाचन क्षमता और प्रतिरोधक क्षमता के मद्देनजर तैयार किया जाता है। इसी वर्ष जुलाई में एफ.एस.एस.ए.आई द्वारा जारी सूची में तिल मोदक, क्षीरपाक, गुलकंद, खिचड़ी समेत कुल 91 आयुर्वेद आहार शामिल किये गए है। 'आयुर्वेद आहार' का कांसेप्ट खाद्य व्यवसाय संचालकों स्पष्टता प्रदान कर एक नया विश्वसनीय उपभोक्ता मार्किट तैयार करता है।

मानक की बात करे तो आयुष मंत्रालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सहयोग से आयुर्वेद और योग के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) तकनीकी समिति की स्थापना की है जिसके फलस्वरूप आईएसओ/टीसी 249/एससी 2 का गठन हुआ है। वही नई उपसमिति (एससी 2) का सचिवालय बीआईएस (इंडिया) को सौंपा गया है। लोकसभा में दी गयी जानकारी के अनुसार अबीआईएस ने आयुष के विभिन्न पहलुओं पर 169 मानक विकसित किए हैं।

भारत देश आयुर्वेद का जनक के साथ साथ इसका सबसे बड़ा बाजार भी है। परंपरागत औषधिया व संबंधित फ़ॉर्मूलेशन्स पर बढ़ते भरोसे, अनुसन्धान को बढ़ावा देना, पेटेंट सिस्टम को अधिक सुगम बनाना, मानकीकरण, 'आयुर्वेद आहार' जैसी पहल निश्चित ही आयुष क्षेत्र की वृद्धि के कारक हैं। वही अपने गठन के ग्यारह वर्ष पूर्ण करने के नजदीक आयुष मंत्रालय यह भी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आयुष प्रणालियां वैश्विक स्वास्थ्य सेवा समाधानों के एक अभिन्न अंग के रूप में विकसित होती रहें। टीकेडीएल और वैज्ञानिक साक्ष्यों का सहेजकर रखा गया ज्ञान भारतीय चिकित्सा पद्धित सरक्षित कर विदेशो में अनधिकृत पेटेंट स्वीकृतियों को रोकने में सहायक होगा।

–विकास आसावत,
पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट

भगत सिंह का...भगत सिंह होने का मतलब!

राम निवास बैरवा

08 सितम्बर, 2025 को अपेक्षाकृत शांत देश नेपाल में युवाओं और छात्रों का आंदोलन होकर संसद, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री आवासों को आग के हवाले कर दिया। प्रधानमंत्री त्यागपत्र देकर नेपाल से बाहर चले गये। यह राजनेताओं की पद लोलुपता भ्रष्टाचार, महंगाई के विरूद्ध मिली जुली स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया थी, जो 'सोशल मीडिया' पर "जेन–जेड" (जनरेशन जेड) के नाम से व्यापक रूप से सक्रिय हुआ। सरकार ने एक को छोड़कर सभी सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया जिससे उनका संचार माध्यम अवरूद्ध हो गया और वे सरकार के खिलाफ उबल पड़े। भारतीय उपमहाद्वीप में पहले श्रीलंका और बाद में बांग्लादेश में युवाओं ने तथा कथित चुनी हुई सरकारों को बेदखल होने के लिए बाध्य किया।

राजनीतिक रूप से इन सभी देशों में युवाओं और छात्रों के आंदोलन स्वतः स्फुर्त रूप से ही हुए हैं। लोकतन्त्रों में ऐसे आंदोलन साबित करते हैं कि तथाकथित लोकतंत्र वास्तव में लोकतंत्र नहीं हैं बल्कि बारी–बारी से सत्ता पर अधिकार के लिए वर्ग विशेष चुनावों का सहारा लेते हैं जिनका परिणाम पहले से ही तय होता है। युवाओं के आंदोलनों में विचारधारा और सिद्धांतों का भटकाव देखा गया है। भारत में 1974 के कथित आंदोलन को 'सम्पूर्ण क्रांति' का ठप्पा लगा कर उसी पुरानी पूंजीवादी विचारधारा के दलदल में डाल दिया गया।

फिर भी, आज तक युवाओं और छात्रों के प्रेरणास्त्रोत भगत सिंह ही रहे हैं, बेशक उन्हें भगत सिंह का भगत सिंह होने के आधारों का ज्ञान नहीं हो। दरअसल भगत सिंह केवल शहीद ही नहीं है बल्कि 'क्रान्ति' के प्रतीक है। यह बात स्वयं भगत सिंह ने 22 मार्च, 1931 –फांसी दिये जाने के एक दिन पहले अपने मित्रों के नाम लिखे पत्र लिखी थी कि – "मेरा नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है और क्रान्तिकारी दल के आदर्शों और कुर्बानियों ने मुझे बहुत ऊंचा उठा दिया है – इतना ऊंचा कि जीवित रहने की स्थिति में इससे ऊंचा मैं जीवित हर्गिज नहीं हो सकता।" भगत सिंह का क्रान्ति का प्रतीक होना ही वह तथ्य है जो भगत सिंह को भगत सिंह बना चुका है, युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बना चुका है– जिसके पीछे कथित राजनीतिक पार्टियां और उनके पीढ़ियों से जमें बैठे राजनेता घिसटते जाते हैं, क्योंकि उनका सिर्फ वोट लेकर चुनाव जीतना ही एक मात्र स्रिद्धांत है, एक मात्र विचारधारा जो है।

भगत सिंह, ... भगत सिंह क्यों है?

8 जून, 1929 को केंद्रीय असेंबली में भगतसिंह और उनके साथियों ने बंब फेंका था और जो पर्चे फेंके गये थे उनमें अन्य बातों के यह भी लिखा था "हम मनुष्य के जीवन को पवित्र समझते हैं। हम ऐसे उज्जवल भविष्य में विश्वास रखते हैं जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को पूर्ण शान्ति और स्वतंत्रता के अवसर मिल सके। हम इंसान का खून बहाने की अपनी विवशता पर दुखी हैं परन्तु क्रान्ति द्वारा सबको समान स्वतंत्रता देने और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण को समाप्त कर देने के लिए क्रान्ति में कुछ–न–कुछ रक्त पात अनिवार्य हैं।"

इसी कड़ी में भगतसिंह द्वारा सिद्धांत पोषित "हिन्दुस्तान समाजवादी प्रजातांत्रिक संघ (सेना)" का स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य था कि समाजवादी व्यवस्था लागू करके मजदूर वर्ग की तानाशाही तंत्र स्थापित करना था। समाजवाद और कम्युनिस्म ब्रिटिश सरकार को कभी भी स्वीकार्य नहीं हो रहा था, वह कांग्रेस को भी कभी स्वीकार्य नहीं हो रहा था, लेकिन अधिकांश जनता को मजदूर किसानों को अपनी मुक्ति का मार्ग इन्हीं क्रान्तिकारियों में दिखाई दिया था, अतः हिन्दुस्तान की जनता ने भगतसिंह के सिद्धांतों को समर्थन देने के लिए 30 जून, 1929 को 'भगतसिंह दिवस' मनाया गया। वे राजनीतिक व्यक्ति थे, वे राजनैतिक कैदी थे, वे क्रोन्तिकारी थे। वे अपराधी नहीं थे। 30 जून, 1929 के 'भगतसिंह दिवस' ने यह साबित कर दिया था– भारत की राजनीतिक और राजनैतिक इतिहास में, जीवित रहते जिस व्यक्ति के सम्मान में जो भावनायें जनता ने अभिव्यक्त की वह सौभाग्य तो खुद गांधीजी को नहीं मिला।

उसके बाद, जब दण्ड प्रक्रिया संहिता 1898 में धारा 540 बी जोड़ने के बिलों को, जिसके अनुसार भगतसिंह आदि पर दिये जाने वाले फैसले की कहीं भी अपील नहीं की जा सकती थी, केंद्रीय असेंबली ने पारित नहीं किया, तब वायसराय ने अध्यादेश जारी करके विशेष ट्रिब्यूनल गठित की। उक्त ट्रिब्यूनल को छः महिनों में ही फैसला देना था, क्योंकि छः महिने बाद असेंबली उसे कानून नहीं बनने देती और भगतसिंह आदि पर मुकदमा चला कर फांसी देना मुश्किल हो जाता।

उस ट्रिब्यूनल के एक जज जी.सी. हिल्टन ने भगतसिंह आदि को हथकड़ियों के साथ अदालत में पेश करने को कहा था, तब भगतसिंह ने ट्रिब्यूनल का बहिष्कार कर दिया, तब उन्हें लाठियों से पिटवाया गया और भारतीयों को गालियां दी गई तब भगतसिंह ने एक भारतीय जज जस्टिस आगा हैदर को संबोधित करते हुए कहा था, "ऐसी मानसिक स्थिति वाले जज कैसे न्याय करेंगे।" इस पर आगा हैदर ने उस दिन की अदालती कार्यवाही पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। उस बात की चर्चा पूरी दुनिया में हुई और उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप एक बार फिर से 'भगतसिंह दिवस' मनाया गया था।

भगतसिंह का भगतसिंह होने का मतलब यही है।

07 अक्टूबर, 1930 तक अदालती ट्रिब्यूनल ने 300 पृष्ठों का अपना फैसला दे दिया और 07 अक्टूबर, 1930 को ही भगतसिंह, राजगुरू और सुखदेव को 17 अक्टूबर, 1930 को फांसी देने का वारंट भी निकाल दिया था। लेकिन उस दिन फांसी नहीं दी जा सकी।

तब, भगतसिंह को फांसी नहीं दिये जाने के प्रयास शुरू किये गये। इन प्रयासों का सबसे अधिक हृदय विदारक वह प्रयास था जो उनके कमांडर और मुखिया चंद्रशेखर आजाद ने किया था– वही चंद्रशेखर जो आजाद था, आजाद रहा..... और... 27 फरवरी, 1931 को इलाहबाद के अल्फ्रेड पार्क में अपनी घेराबंदी को देख स्वयं की पिस्तौल से अपनी कनपटी पर गोली मारकर हमेशा के लिए आजाद हो गया था।

उसी 27 फरवरी, 1931 के एक दिन पहले 26 फरवरी, 1931 की रात ग्यारह बजे के करीब गाजियाबाद के एक कांग्रेसी नेता रघुनंदन शरण के साथ दुर्गा भाभी और सुशीला जी, चंद्रशेखर का एक खास संदेश लेकर दरियागंज में अवस्थित डॉ. एम.ए. अंसारी के मकान पर गांधीजी से मिलने पहुंचे। चंद्रशेखर आजाद का संदेश था कि अगर गांधीजी भगतसिंह, राजगुरू और सुखदेव की फांसी की सजा को बदलवा सकें तो चंद्रशेखर जी अपने सभी साथियों के साथ गांधीजी के सामने आत्मसमर्पण कर देंगे। लेकिन गांधीजी ने कहा कि "वे व्यक्तिगत रूप से भगतसिंह को चाहते हैं परन्तु वे उनके तरीके से सहमत नहीं हैं।" दुर्गा भाभी को वह जवाब अच्छा नहीं लगा और वे नमस्कार करके वापस आ गयी।

सच, भगतसिंह का भगतसिंह होने का मतलब यही है कि उनके लिए हमेशा आजाद रहने वाला चंद्रशेखर भी आत्मसमर्पण करने को तैयार हो गये थे। वह भी उस व्यक्ति के सामने जो तब तक आत्म–विभोर राजनीति का प्रतीक बन चुके थे।

भगतसिंह का भगतसिंह होने का मतलब सिर्फ व्यक्ति ही नहीं बल्कि एक विचारधारा है, एक सिद्धांत है जिसकी भारत ही के नहीं, पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के युवाओं को ऐसे राज्य व्यवस्था की तरफ ले जाना था जो 'वसुद्यैव कुटुम्बकम' की महत्ता के अनुरूप 'विश्व बंधुत्व' की ओर पूरी मानवता को ले जाये, जिसका अर्थ समस्त संसार में समानता (साम्यवाद Worldwide Equality in the true sense1/2) के अतिरिक्त और कुछ नहीं समझता। (भगतसिंह के पंजाबी भाषा और लिपि की समस्या नामक लेख से जैसे लिखा है।)

– राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया

कैडेट्स ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता की भावना प्रदर्शित हुई

ब्यावर, (निसं)। सनातन धर्म राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, देलवाड़ा रोड में एनसीसी दिवस मनाया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गुरुशरण गोयल तथा एनसीसी प्रभारी (फर्स्ट ऑफिसर) ओमप्रकाश कुमावत ने केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने तालियों और देशभक्ति के नारों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद एनसीसी कैडेट्स ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और स्वच्छता का संदेश दिया। इसके पश्चात सभी कैडेट्स ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता की भावना प्रदर्शित हुई। इस कार्यक्रम में विद्यालय के 46 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। एनसीसी गतिविधियों में प्रिंस, अतुल और निशा, रोशनी ने नेतृत्व करते हुए सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन अतुल शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य गुरुशरण गोयल ने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी केवल परेड या यूनिफॉर्म नहीं, बल्कि यह अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति की मजबूत नींव है। उन्होंने एनसीसी दिवस के इतिहास और इसका छात्र जीवन व भविष्य में महत्व विस्तारपूर्वक समझाया। इसी क्रम में एनसीसी प्रभारी एवं फर्स्ट ऑफिसर ओमप्रकाश कुमावत ने भी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी वह शक्ति है जो छात्रों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सक्षम बनाती है। यह संस्था युवाओं में कर्तव्य, नेतृत्व और समाज सेवा की भावना को विकसित करती है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रविंद्र मेड़तवाल ने एनसीसी कैडेट्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण जीवनभर काम आने वाला अनुभव है। यह युवा पीढ़ी को राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तैयार रहने की प्रेरणा देता है।

राशिफल

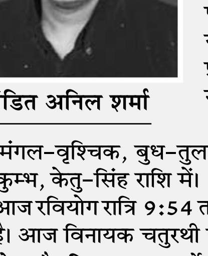

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 24 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 9:54 तक, शूल योग दिन 12:37 तक, वणिज करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:27 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–धनु, मंगल–वृश्चिक, बुध–तुला, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 9:54 तक है। भद्रा प्रातः 8:24 से रात्रि 9:53 तक है। आज विनायक चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 8:16 तक, शुभ 9:35 से 10:54 तक, शुभ 1:32 से 2:51 तक, लाभ–अमृत 2:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 5:30 तक

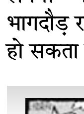

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से आपसी अनबन हो सकती है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी।

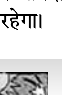

कर्क
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों पर खर्च होगा।

कन्या
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

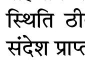

तुला
व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

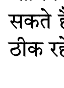

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

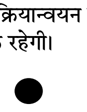

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

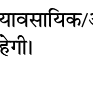

कुंभ
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

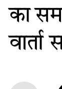

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 113 प्रभात जयपुर, सोमवार, 24 नवम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Beauty Full Of Beans The Heady Kind ...But Friedrich Mandl, one of Austria's wealthiest arms dealers, saw something else. He married Hedy Kiesler, and then imprisoned her

Meditation Works

Our First Miss India A Jew The Jewish Trailblazer Who Became India's First Miss India

क्रीमी लेयर पर अगला कदम सरकार व संसद को उठाना चाहिए- गवई

उन्होंने कहा कि खतरनाक सोच विकसित हुई है कि जब तक जज सरकार के खिलाफ निर्णय न दे, उसे स्वतंत्र नहीं माना जाता

नई दिल्ली, 23 नवंबर। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई आज रियाटर हो गए। अपने रियाटरमेंट के मौके पर उन्होंने मीडिया से खास तौर पर बात की और बताया कि बतौर सीजेआई रहते उनका अनुभव कैसा रहा है। मीडिया से बातचीत के दौरान बीआर गवई ने कहा कि एक खतरनाक सोच विकसित हो रही है, जिसके मुताबिक जब तक जज सरकार के खिलाफ निर्णय न दे, उसे स्वतंत्र नहीं माना जाता है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट जजों के हालिया तबादले प्रशासनिक कारणों से किए गए हैं। क्रीमी लेयर पर अदालत ने अपना काम कर दिया, अब सरकार और संसद आगे बढ़ें।

■ **आज सेवानिवृत्त हुए सीजेआई गवई ने साफ कहा कि मैं कोई पोस्ट रिटारयमैंट पद स्वीकार नहीं करूंगा। विश्राम के बाद आदिवासी समुदायों के लिए समय दूंगा।**

बी.आर. गवई ने कहा कि जाति-आधारित आरक्षण में क्रीमी लेयर के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारी निभा दी है और अब अगला कदम सरकार और संसद को उठाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में एससी/एसटी समुदायों के भीतर सब-क्लासिफिकेशन की अनुमति दी थी ताकि आरक्षण का लाभ सबसे वंचित तबकों तक पहुंच। बराबरी नीचे तक पहुंचनी चाहिए। कई अनुसूचित जाति परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो चुके हैं, लेकिन वे अब भी आरक्षण का लाभ ले रहे हैं। यहां तक कि एससी/एसटी समुदाय के कुछ आईएएस अधिकारियों के बच्चे भी कोटा का लाभ लेते हैं। उन्होंने अपने फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि राज्य को एससी/एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान कर उन्हें आरक्षण से बाहर करना चाहिए, यही वास्तविक समानता का रास्ता है। गवई देश के इतिहास में दूसरे दलित सीजेआई हैं।

कोलीजियम प्रणाली पर उठते सवालों के बीच, सीजेआई गवई ने दावा किया कि जजों के रिश्तेदारों का नाम सामने आने के मामले कुल नियुक्तियों के 10 फीसदी भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ रिश्तेदारी के आधार पर किसी योग्य उम्मीदवार को बाहर नहीं किया जा सकता। सीजेआई गवई ने कहा कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कुछ समय विश्राम करेंगे और फिर सामाजिक कार्यों में विशेषकर आदिवासी समुदायों के लिए अपना समय देंगे। उन्होंने साफ कहा कि मैं कोई भी पोस्ट-रिटायरमेंट पद स्वीकार नहीं करूंगा। जूता फेंकने की हालिया घटना पर उन्होंने कहा कि क्षमा मेरे स्वभाव में है, इसलिए तुरंत कोई कार्रवाई न करने का फैसला किया।

विंग कमांडर नमांश स्याल का सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार हुआ

धर्मशाला, 23 नवंबर। दुबई में शुक्रवार को एयर शो के दौरान तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से बलिदान हुए पायलट विंग कमांडर नमांश स्याल की पार्थिव देह रविवार को विशेष विमान से हिमाचल पहुंची। श्रद्धांजलि देने के बाद उनका सैन्य सम्मान के अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कांगड़ा एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी विंग कमांडर अफशां एयरफोर्स की वर्दी में पति की पार्थिव देह के साथ पहुंचीं। अफशां ने पति को घर में सेल्यूट कर अंतिम विदाई दी। वायुसेना अफसर अफशां ने काफी देर तक अपनपा

■ **उनकी पत्नी विंग कमांडर अफशां विशेष विमान से अपने पति की पार्थिव देह लेकर पहुँची।**

हौसला टूटने नहीं दिया, लेकिन अंतिम विदाई के वक्त वह भी अपने आंसू नहीं रोक पाई। उनकी सात वर्षीय बेटी भी साथ में थी।

पैतृक गांव पटियालकड़ में करीब दो घंटे पार्थिव देह को रखने के बाद मोक्षधाम में सैन्य सम्मान के साथ नमांश स्याल का अंतिम संस्कार कर दिया गया। नमांश स्याल की चिता को मुखाग्नि उनके चचेरे भाई ने दी।

नमांश स्याल के ताया जोगिंद्र स्याल बताया कि इन दिनों नमांश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आतंकी पाकिस्तान से लाँग रेंज ड्रोन की खेप भारत लाने की तैयारी में था

जाँच एजेंसियों के अनुसार, इन ड्रोन्स की मदद से भारत में अब तक का सबसे बड़ा हमला करने की योजना थी

नई दिल्ली, 23 नवंबर। राजधानी दिल्ली में लाल किले के बाहर धमाके के बाद जांच एजेंसियां लगातार जांच कर रही हैं। इस बीच फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल को लेकर जांच एजेंसियों ने बड़ा खुलासा किया हैं। जांच एजेंसियां आतंकी दानिश से पूछताछ कर रही हैं। पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ है कि किसी पाकिस्तानी हैंडलर को लॉन्ग रेंज के ड्रोन की खेप भारत पहुंचानी थी। दस किलो तक वजन उठाने की क्षमता वाले ड्रोन को अलग-अलग पार्ट्स के तौर पर भारत भेजने की तैयारी चल रही थी।

दानिश से पूछताछ में यह भी पता चला है कि पाकिस्तानी हैंडलर किसी दूसरे देश से एक्सपोर्ट कंपनी के जरिए ड्रोन के पार्ट्स भेजने की प्लानिंग कर रहे थे। भारत की किसी इंपोर्ट कंपनी के जरिए यह मंगाया जाना था। जानकारी के मुताबिक जिन ड्रोन्स को भारत भेजने की तैयारी चल रही थी, वह कई किलोमीटर की रेंज और वजन उठाने

■ **जानकारी मिली है कि किसी इंपोर्ट कंपनी के जरिए ड्रोन्स के पार्ट्स मंगाये जाने थे। इन्हें भारत में असैम्बल करके आतंकी घटनाओं में उपयोग होना था।**

में सक्षम होते हैं। इसके बाद इन ड्रोन्स की मदद से, तैयार किए गए विस्फोटक से भारत में अब तक का सबसे बड़ा हमला किया जाना था।

गौरतलब है कि पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ तब हुआ जब श्रीनगर पुलिस ने अक्टूबर के मध्य में नौगाम की दीवारों पर लगे पोस्टरों की जांच शुरू की, जिनमें पुलिस और सुरक्षाकर्मियों को चेतावनी दी गई थी। श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती ने जांच का नेतृत्व किया जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से पहले तीन संदिग्धों - आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, यासिर उल अशरफ और मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद को गिरफ्तार किया।

इन संदिग्धों से पूछताछ के बाद, मौलवी इरफ़ान अहमद, जो एक पूर्व पैरामेडिक था और अब इमाम बन गया है, को गिरफ़्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि उस पर पोस्टर उपलब्ध कराने और डॉक्टरों को प्रभावित करने का भी आरोप है। इसके बाद, पुलिस ने फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय की जांच की, जहां डॉ. मुज़फ़्फ़र गनई और डॉ. शाहीन सईद को गिरफ़्तार किया गया और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।

जांचकर्ताओं का मानना है कि तीन डॉक्टरों, गनई, उमर नबी (लाल किले के पास विस्फोट करने वाली विस्फोटकों से भरी कार का चालक) और फरार मुज़फ़्फ़र राठेर का एक मुख्य समूह इस मॉड्यूल के पीछे था।

कर्नाटक में कोई भी फैसला आलाकमान करेगा- खड़गे

बंगलूरू, 23 नवंबर। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की खबर पर देशभर में चर्चा हो रही है। राज्य में मुख्यमंत्री बदलने के सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कहा कि वह अभी कुछ नहीं कहना चाहते। जो भी फैसला होगा, हाईकमान ही करेगा।

■ **बेंगलुरु आवास के बाहर खड़े पत्रकारों को खड़गे ने कहा, यहाँ आपका समय खराब हो रहा है।**

रविवार को अपने बंगलूरू आवास के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा, मैंने जो कहना था कह दिया। यहां खड़े रहकर आपका समय भी खराब हो रहा है और मुझे भी अच्छा नहीं लग रहा। जो भी है-हाईकमान करेगा। आपको ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। उनका यह बयान ऐसे वक्त आया जब एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरमैया उनसे एक घंटे से ज्यादा समय तक मिले थे। 20 नवंबर को राज्य सरकार के ढ ाई साल पूरे होने के साथ ही यह सवाल जोर पकड़ रहा है, क्या कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होगा? वहीं सीएम सिद्धारमैया कह चुके हैं कि हाईकमान जो भी तय करेगा, वह मानेंगे।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा निराधार है- सिद्धारमैया

उन्होंने कहा कि आलाकमान जो भी कहेगा मुझे व शिवकुमार को उसे मानना होगा

बेंगलुरु, 23 नवंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने रविवार को राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए इन खबरों को मीडिया द्वारा संचालित एवं निराधार करार दिया।

सिद्दारमैया ने बेंगलुरु में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके आवास पर मुलाकात की और इस मुलाकात को एक नियमित बातचीत बताया।

उन्होंने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। उन्होंने आगे कहा कि चर्चा संगठनात्मक मामलों और बेंगलुरु नगर निगम चुनावों सहित आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर केंद्रित थी।

मुख्यमंत्री बदलने के सवालों का तीखा जवाब देते हुए सिद्दारमैया ने कहा, ''यह केवल अटकलें हैं। आपने (मीडिया ने) इसे बनाया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि वह मुख्यमंत्री बने

■ **उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी कहा कि नेतृत्व संबंधी सभी निर्णय केन्द्रीय नेतृत्व लेता है। आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हम उसका पालन करेंगे।**

रहेंगे और और भविष्य का बजट भी पेश करेंगे।

कर्नाटक के कई विधायकों और विधान पार्षदों द्वारा 2023 के सत्ता-बंटवारे के फार्मूले पर जोर देने के लिए नयी दिल्ली में डेरा डाले जाने की खबरों पर सिद्दारमैया ने कहा कि उन्होंने खरगे से उन बैठकों के बारे में कोई सवाल नहीं किया है।

उन्होंने कहा, ''विधायकों को जाने दीजिए लेकिन आलाकमान जो भी कहेगा अंततः हम सभी को उसे मानना होगा। चाहे मैं हूं या डी के शिवकुमार सभी को इसे मानना होगा।''

सिद्दारमैया के मुख्यमंत्री पद पर ढ ाई साल पूरे होने के साथ ही नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं और बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने की अटकलें भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने अभी तक ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है, हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद से इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी कहा है कि नेतृत्व संबंधी सभी निर्णय केंद्रीय नेतृत्व लेता है। उन्होंने पहले कहा था, ''आलाकमान ही फैसला करेगा। वह जो कहेगा, हम उसका पालन करेंगे।''

इस पृष्ठभूमि में, केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने यह दावा करके राजनीतिक हलचल मचा दी कि कांग्रेस में विस्फोटक घटनाक्रम करीब है और पार्टी कार्यकर्ताओं को तैयार रहना चाहिए।

कोयला माफिया पर छापों में ईडी को 14 करोड़ रूपए नकद मिले

कोलकाता, 23 नवंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पश्चिम बंगाल और झारखंड में कोयला माफिया के खिलाफ कार्रवाई में 14 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और जूलरी मिली है।

ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि ये बरामदगियां कोयला तस्करी से जुड़ी हैं। एजेंसी ने जमीन की बिक्री,

■ **पश्चिम बंगाल व झारखंड में ईडी ने 44 स्थानों पर छापे मारे।**

खरीद के एग्रीमेंट पेपर्स और कई डिजिटल डिवाइस तथा इन धंधों के प्रमोटरों द्वारा नियंत्रित की जाने वाली इकाई के खाते भी जब्त किए।

कोयले के बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत शुक्रवार को दोनों राज्यों में 44 जगहों पर छापे और गहन तलाशी अभियान चलाए गए। अधिकारी ने दावा किया कि झारखंड के धनबाद और दुमका में 20 जगहें मुख्य रूप से लाल बहादुर सिंह, अनिल गोयल, संजय खेमका, अमर मंडल, उनकी कंपनियों/इकाइयों और उनसे जुड़े लोगों से जुड़ी हैं। वहीं पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता में 24 जगहें छापे और गहन तलाशी अभियान चलाए गए।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के साथ ईडी के 100 से अधिक अधिकारी तलाशी में शामिल थे। ईडी की जांच पश्चिम बंगाल और झारखंड पुलिस द्वारा गैर-कानूनी कोयला तस्करी के मामले में दर्ज कई प्राथमिकी पर आधारित है, जो मुख्य रूप से दोनों राज्यों के बीच चल रही है।

राजनीतिक दलों ने ''चंडीगढ़ को पंजाब से छीनने'' के प्रस्ताव का विरोध किया

केन्द्र सरकार का प्रस्ताव है कि राष्ट्रपति को केन्द्र शासित चंडीगढ़ के लिए सीधे कानून बनाने का अधिकार हो

फगवाड़ा, 23 नवंबर। केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने के केंद्र के प्रस्ताव ने पंजाब में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेशों के लिए सीधे नियम बनाने और कानून बनाने का अधिकार देता है।

इस कदम का उद्देश्य चंडीगढ़ को बिना विधानसभा वाले अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के बराबर लाना है। कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी सहित पंजाब के अनेक राजनीतिक दलों ने इस प्रस्ताव की निंदा की है और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर चंडीगढ़ पर पंजाब के लंबे समय से चले आ रहे दावे को खत्म करने का आरोप लगाया है। चंडीगढ़ 1966 के पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के बाद से पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है।

लोकसभा सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल, पूर्व मंत्री जोगिंदर सिंह मान, फगवाड़ा के विधायक बलविंदर सिंह धालीवाल और वरिष्ठ अकाली नेता रणजीत सिंह खुराना ने कड़े शब्दों में बयान जारी कर इस कदम की निंदा

■ **विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का कहना है, यह प्रस्ताव पंजाबियों के साथ विश्वासघात होगा तथा चंडीगढ़, पंजाब को हस्तांतरित करने के पिछले आश्वासनों का उल्लंघन होगा।**

करते हुए इसे ''पंजाब विरोधी'' बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि चंडीगढ़ 1966 में पंजाब की राजधानी के रूप में स्थापित हुआ था और पंजाब के राज्यपाल दशकों तक इसके प्रशासक रहे। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तावित संशोधन शहर को पंजाब से ''छीनने'' जैसा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक ''राजनीति से प्रेरित'' है और केंद्र से इस पर आगे न बढ़ ने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यह देश के लिए अद्वितीय बलिदान देने वाले पंजाबियों के साथ विश्वासघात होगा और चंडीगढ़ को पंजाब को हस्तांतरित करने के पिछले आश्वासनों का उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा कि यह संशोधन पंजाब के अपनी राजधानी के ऐतिहासिक और संवैधानिक दावे को प्रभावी ढ ंग से कमजोर करने का प्रयास करता है।

सांसद डॉ. चब्बेवाल ने इस प्रस्ताव को दिनदहाड़े डकैती करार दिया और पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रतिरोध का आ ान किया। उन्होंने पंजाब के सभी सांसदों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर आगामी शीतकालीन सत्र में इस संशोधन को हराने के लिए एकजुट मोर्चा बनाने का आग्रह किया।

फगवाड़ा के विधायक धालीवाल ने एकजुटता का आव्हान दोहराते हुए ज़ोर देकर कहा कि पंजाब के राजनीतिक नेतृत्व को राज्य की पहचान और संघीय अधिकारों से इतने गहरे जुड़े मुद्दे पर एक स्वर में बोलना चाहिए।

शीतकालीन सत्र के नजदीक आते ही विवाद बढ़ ने की उम्मीद है, क्योंकि राजनीतिक दल पंजाब की सहमति के बिना चंडीगढ़ की स्थिति में बदलाव के किसी भी प्रयास का विरोध करने की कसम खा रहे हैं।

12 राज्यों में एसआईआर के 99 प्रतिशत प्रपत्र वितरितः चुनाव आयोग

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। चुनाव आयोग ने रविवार को स्पेशल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण में उल्लेखनीय प्रगति की घोषणा की है।

आयोग ने बताया कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 99 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित

■ **चुनाव आयोग ने कहा कि लगभग 40 प्रतिशत, अर्थात् 20 करोड़ से अधिक प्रपत्रों का डिजिटाइज़ेशन भी हो चुका है।**

किए जा चुके हैं। आयोग की दैनिक सूचना से पता चला है कि 50.47 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र वितरित किए गए हैं और लगभग 40 प्रतिशत, यानी 20 करोड़ से अधिक प्रपत्र, पहले ही डिजिटाइज़ किए जा चुके हैं।

प्रपत्र वितरण में गोवा और लक्षद्वीप शीर्ष पर रहे, जहाँ 100 प्रतिशत प्रपत्र वितरित किये जा चुके हैं। इसके बाद अंडमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हर बार गीता के चिन्तन में नई बात मिलती है- मोहन भागवत

संघ को कोई विदेशी देश, संस्था या बाहरी संगठन फंड नहीं करता-योगी

लखनऊ, 23 नवंबर। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को आयोजित दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में सीएम योगी और आरएसएस चीफ मोहन भागवत शामिल हुए। कार्यक्रम गीता के उपदेशों, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के संदेशों से भरपूर रहा। इस दौरान सीएम योगी ने पहली बार खुले मंच से संघ की फंडिंग पर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया।

सीएम योगी ने कहा कि आरएसएस की फंडिंग को लेकर दुनिया से आए अंबेसडर, हाई कमिश्नर्स हमसे पूछते हैं कि आरएसएस की फंडिंग कहाँ से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने पूरे सौ वर्षीय इतिहास में कभी भी सेवा के साथ सौदेबाजी नहीं की। संघ को कोई विदेशी देश, संस्था या बाहरी संगठन फंड नहीं करता है। आरएसएस समाज के सहयोग, लोगों की निःस्वार्थ भावना और राष्ट्रप्रेम से चलता है। सीएम योगी ने गीता के श्लोकों का उल्लेख करते

■ **भागवत व योगी ने लखनऊ में दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम में भाग लिया।**

हुए कहा कि जहां सत्य और धर्म का मार्ग होता है, वहीं विजय मिलती है।

इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि गीता मूल में पढ़ नी चाहिए, समझ लेनी चाहिए, तो पता चलेगा। गीता का और एक गुण विशेष ऐसा है कि हर बार आप चिंतन करते हो, तो हर बार आपको नई बात मिलती है। जो भी स्थिति में आपको उपयोगी लगती है, क्योंकि वो सब कुछ है, उससे सदा-सर्वदा, सब परिस्थितियों के लिए सब उपाय मिलते है। मोहन भागवत ने कहा कि भगवान ने पहली बात बताई कि तुम समस्या को टालने का प्रयास कर रहे हो, भागने का प्रयास कर रहे हो।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि पहली बात है कि भागो मत, खड़े रहो, समस्या आई, उसका सामने से मुकाबला करो।

समस्या का निदान पाना है, तो दाएं-बाएं नहीं देखना है। समस्या के अंदर घुसकर निदान करना पड़ता है और इसलिए खड़े रहो, भागो मत। वहीं सीएम योगी ने कहा कि दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव की जब हम बात करते हैं तो श्रीमद् भागवत गीता के 700 श्लोक जिन्हें हर भारत का सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर बड़ी पवित्रता के साथ, बड़े आदर भाव के साथ उन्हें आत्मसात करने का प्रयास करता है।

शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ विधेयक नहीं लाया जाएगा

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की वैधानिक स्थिति बदलने के बारे में आ रही रिपोर्टों के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अभी चंडीगढ़ के लिये केंद्र द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है और इस संबंध में संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

■ **केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परम्परागत संबंधों में परिवर्तन के बारे में कोई बातचीत नहीं चल रही है।**

इन रिपोर्टों के कारण सियासी हलकों में तीखी प्रक्रिया हो रही है। इसे देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को परिवर्तित करने के बारे में कोई बातचीत नहीं चल रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

नौनिहालों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

शाहपुरा । उपखंड शाहपुरा के गांव बिदारा में रविवार को राउमावि बिदारा के परिसर में राष्ट्रीय प्लस पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोशनी वर्मा, सहयोगिनी मीरा शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ पूरणमल बुनकर आदि ने नौनिहालों को पोलियो खुराक पिलाई गई। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ पूरणमल बुनकर ने बताया कि डब्ल्यूएचओ ने भारत को 2014 में पोलियो मुक्त घोषित कर दिया था। गांव के 0 से 5 वर्ष तक के बालकों को खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। पोलियो की दवा पीने से वंचित रहे बच्चों को डोर टू डोर, कच्ची बस्तियों, सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा भी पिलाई जाएगी, साथ ही बालकों को दवा पिलाने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया। इस दौरान हार्दिक वर्मा, ख्वाहिश, निहाल, खिया, रुद्र सहित परिजन उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

पावटा। पल्स पोलियो महाअभियान की शुरुआत खंड पावटा में खंड स्तरीय कार्यक्रम में बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाकर की गई। खंड पावटा के लक्षित 17940 बच्चों को 258 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इस दौरान ब्लॉक बीसीएमएचओ डॉ . कृष्ण सिंह, प्रभारी रवि बंसल मौजूद रहे। बीसीएमएचओ डॉ . कृष्ण सिंह ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान पूरे पावटा खंड भर में 17940 छोटे बच्चों को जन्म से लेकर 5 साल के बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। दो बूंद दवा इससे बच्चा स्वस्थ रहता है। विभिन्न सेवा भावी संस्थाएं भी आज के दिन कार्य कर रही है। 2 दिन घर-घर जाकर दवा पिलाएंगे।

51 लाख की स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अवैध मादक पदार्थ स्मैक 256 ग्राम जप्त की गई, जिसकी अन्तर्राष्टीय बाजार में कीमत करीबन 51 लाख 20 हजार रूपये है व एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी राजेश विद्यार्थी के सुपरविजन एवं मेहन्दवास थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने दौराने गश्त उस्मानपुरा कट एनएच-52 से आरोपी पप्पूलाल पुत्र जगन्नाथ की तलाशी के बाद उसके कब्जे से 256 ग्राम स्मैक जप्त की गयी। जिसकी अन्तर्राष्टीय बाजार में कीमत करीब 51 लाख 20 हजार रूपये बताई गई है। इस दौरान पुलिस ने आरोपी पप्पूलाल पुत्र जगन्नाथ राजपूत निवासी नीमखेडा पंचायत सरखंडी थाना घाटोली जिला झालावाड को अवैध मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

महोत्सव 25 को

निवाई। नाटेश्वर नगरी नटवाड़ा में 25 नवंबर को श्री बद्रीनाथ धाम प्रबंधन एवं विकास समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री बद्रीनाथ शीतकालीन दर्शन महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन होगा। जिसमें कई संत एवं श्रद्धालु भाग लेंगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष नाथूलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल जाट व भाजपा नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय ने बताया कि ग्राम पंचायत नटवाड़ा में 25 नवंबर को महामंडलेश्वर बालकानंद महाराज, मनीषदास महाराज एवं दिनेशदास नागा महाराज के सानिध्य में श्री बद्रीनाथ शीतकालीन दर्शन महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा।

डोटासरा का भव्य स्वागत किया

भरतपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के भरतपुर आगमन पर लुधावाई टोल प्लाजा पर कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में जिले के भारी तादाद में कांग्रेसजनों ने 21 किलो की बड़ी माला पहनाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माला पटका पहनाकर पीसीसी चीफ डोटासरा का भव्य स्वागत किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मत्स्य उत्सव में साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

■ अतुल्य अलवर अभियान को लेकर दिलाई स्वच्छ व ग्रीन अलवर की शपथ। जिला कलेक्टर, एसपी सहित अधिकारी व व्यापारी आमजन रहें मोजूद

अलवर। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले चार दिवसीय मत्स्य उत्सव का रविवार को महाआरती व अलवर अतुल्य अभियान की थीम पर साइकिल रैली व स्वच्छता एवं ग्रीन अलवर की शपथ के साथ भव्य शुभारंभ किया गया। नेहरू उद्यान से नगर वन कटी घाटी तक निकल गई साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला व एसपी सुधीर चौधरी ने रवाना किया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मत्स्य उत्सव के शुभारंभ पर समस्त जिलेवासियों से इस उत्सव में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाते हुए आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की है। उन्होंने बताया कि मत्स्य उत्सव के प्रथम दिवस रविवार को जगन्नाथ जी मन्दिर में महाआरती के साथ मत्स्य उत्सव का आगाज किया गया है। 26 नवम्बर तक आयोजित होने वाले मत्स्य उत्सव लोक व सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहेगा।

कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला व एसपी सुधीर चौधरी ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मत्स्य उत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'अतुल्य अलवर अभियान' की थीम पर साइकिल रैली निकाली गई, जिसे जिला कलेक्टर डॉ.आर्तिका शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने नेहरू उद्यान से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बडी संख्या में युवाओं, अधिकारियों, कार्मिकों एवं आमजन ने बढचढकर भाग लेकर स्वच्छ व ग्रीन अलवर के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली नेहरू गार्डन से रवाना होकर आरआर कॉलेज सर्किल, एसएमडी सर्किल, मोती डूंगरी, भवानी तोप, मालवीय नगर होते हुए नगर वन कटी घाटी तक आयोजित हुई। पुलिस अधीक्षक चौधरी ने साइकिल रैली में साइकिल चलाकर शिरकत की।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर जिले को स्वच्छ बनाने की मुहिम में जुड़ने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि अलवर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 'अतुल्य अलवर अभियान' चलाया गया है, जिसमें आमजन अपनी महती भूमिका निभाते हुए अलवर को स्वच्छ व हराभरा शहर बनाने में सहयोग करें।

जिला कलेक्टर ने बताया मत्स्य उत्सव के दुसरे दिन सोमवार 24 नवंबर को प्रातः 10 बजे से राजा भर्तृहरि पैनोरमा परिसर में मेंहदी, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन होगा तथा दोपहर 12 बजे से श्री भर्तृहरि नाटक का आयोजन होगा।

मोबाइल टॉवर में लगी आग

टोंक। मुख्यालय स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में शनिवार को एक मोबाइल टॉवर के ऊपरी हिस्से में अचानक आग लगने से हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची दो दमकलों ने मशक्कत के बाद आग बुझाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी टोंक थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड सेक्टर-2 स्थित पानी की टंकी के पास लगे 50 फीट मोबाइल टॉवर के ऊपर से शनिवार सुबह धुआं उठने के बाद अचानक आग की लपटें उठने लगी। जिसके बाद मोहल्लेवासियों इकठ्ठा हो गये तथा पुलिस व दलकल विभाग को सूचना दी जिस पर दमकल सूचना पर पंहुची, दमक को टावर आबादी क्षेत्र में होने से आग बुझने तक में काफी परेशान रही। घन्टो मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों को पानी की टंकी के पास बने मकान की छत पर चढ़कर आग पर काबू पाना पड़ा। मौके पर पहुची पुरानी थाना पुलिस ने बताया कि आग प्रारंभिक अनुमान के अनुसार शॉर्ट सर्किट से लगना बताई जा रही।

नाम परिवर्तन

मैं मेरा नाम आशा कुमारी से बदल कर आशा रामवानी पुत्री श्री लीलाराम रामवानी निवासी21,गणपति एन्क्लेव, मांग्यावास, जयपुर (राज.)-302020 रख रही हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जावे।

खोया पाया

मै शेख मो. उमर, हाफिज इमामुदीन, मो. इमरान शेख, मो. फिरोज शेख पुत्र शेख मो. सदीक हमारी जमीन का पंचायत पट्टा जो गुलाब खां उर्फ गेंदवृक्ष व नजीर मोहम्मद बेटा पोता बिरदु खां कोम मुसलमान सा. रेनवाल किशनगढ़ का 2935 गज अथार्थ 725 वर्गगज 19.03.1952 कही गुम हो गया है मिलने पर संपर्क करें 8824646440

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 8655 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:-14.11.25
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 61/130 (MIG-A), (एरिया 90,000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन डॉ. ओम प्रकाश वर्मा पुत्र स्व. श्री भूरमल टेलर को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1338 दिनांक 05.12.1994 को जारी किया गया। डॉ. ओम प्रकाश वर्मा की मृत्यु दिनांक 06.02.2025 को हो जाने के कारण पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर इनके पुत्र श्री ब्रजेश वर्मा पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश वर्मा द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/ पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री ब्रजेश वर्मा पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश वर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। **सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर**

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंम्भ

टोंक। बच्चो को पोलियो बीमारी से मुक्त रखने के लिए रविवार से तीन दिवसीय उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान का जिला प्रमुख श्रीमति सरोज बंसल ने मातृ एवं षिषु स्वास्थ्य केन्द्र पर दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर पीएमओ डॉ हनुमान प्रसाद बेरवा, डॉ विनोद परवेरिया चिकित्सा अधिकारी प्रभारी एमसीएच, डॉ चेतन जैन उपनियंत्रक, आरसीएचओ डॉ गोपाल जांगिड, त्रिलोकचंद वर्मा ,रामगोपाल गुप्ता, निर्मल महावर, रेखारानी महावर, विमला बेरवा पुष्पा वर्मा व मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक व नर्सिंग कर्मी उपस्थित रहे।

इस मौके पर जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि पोलियो के खिलाफ बच्चो के सुरक्षा कवच को मजबूत बनाने के लिए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाये। वही सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अंतर्गत जिले में कुल 1666 बूथ स्थापित किए गये।

इसके अलावा हाउस टू हाउस टीमों की संख्या 1772, ट्रांजिट टीम की संख्या 27, मोबाइल टीम की संख्या 11, सुपरवाइजर टीम की संख्या 200, कुल लक्ष्य 2 लाख 27 हजार 361 एवं कुल मेन पावर 3743 का उपयोग किया जाएगा। डॉ चौधरी ने बताया कि यह कार्यक्रम 23 नवम्बर से 25 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें आज 23 नवम्बर को बूथ पर दवा पिलाई गई तथा 24 व 25 नवम्बर को घर घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

वाहनों की लंबी कतारों से निज़ात के लिए थानाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मनोहरपुर। भामाशाह विमल केशुका व मनोहरपूर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष डी के सोनी आदि व्यापारियों ने मनोहरपूर पुलिस थानाधिकारी को ज्ञापन देकर बस स्टैंड से लेकर गाँधी चौक तक बारम्बार लगते हुए जाम से निजात दिलवाने की मांग की है।

केशुका व सोनी ने बताया कि टोल टैक्स की चोरी करने वाले वाहन बस स्टैंड से मोहल्ला सारवान व बिशनगढ़ मोड़ और पुलिस थाने के सामने होते हुए निकल जाते है।

ये वाहन तीव्र गति से दौड़ते है इससे आए दिन एक्सीडेंट होते रहते है 1999 में एक जने की मृत्यु भी हो चुकी है कई लोग टकराकर नारकीय जीवन जीने पर मजबूर है !

इधर इन वाहनों के आने जाने और ट्रैक्टर ट्रॉली बड़े ट्रक आने जाने और दूर दराज से सामान खरीदने के लिए आने वाले ग्रामीण अपने वाहन लाते हैं पार्किंग के अभाव में वो दुकानों के सामने ही वाहनों को खड़ा कर देते है जिससे आए दिन जाम लगता ही रहता है बारम्बार हॉर्न के बजने से दुकानदारों के सर में दर्द होने लगता है वही ध्वनि प्रदूषण भी होता है !

व्यापारियों ने मनोहरपूर पुलिस थानाधिकारी को ज्ञापन देकर जाम से निजात दिलवाने की मांग की।

कस्बे में शादियों का दौर चल रहा है जिसके कारण शनिवार को जयपुर - शाहपुरा मार्ग, शाहपुरा-जयपुर रोड, मुख्य बाजार, बस स्टैंड से खोरा रोड तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घंटों तक यातायात पूरी तरह से जाम रहा, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शादियों के कपड़े लेने आए आसपास के गांवों व ढाणियों के लोग जैसे ही बाजार पहुंचे, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते हालात बिगड़ गए।

व्यापारियों का कहना है कि मनोहरपुर में आए दिन जाम लगना आम बात हो गई है। ग्राहकों को बाजार तक पहुंचने में दिक्कत होती है, जिससे व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है। कई बार सीएलजी मीटिंग और नगर पालिका बैठकों में बस स्टैंड से गांधी चौक तक सड़क चौड़ीकरण की मांग उठाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

स्थानीय विधायक मनीष यादव ने भी जाम की गंभीरता पर चिंता जताई थी और समाधान का आश्वासन दिया था, परंतु स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, क्रम संख्या-2 हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.) मुत.दीवानी
मु.नं.-31/25 706/20.11.25
कर्णसिंह राजोरा आदि बनाम हरखास आम आदि
प्रार्थना पत्र बावत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र
नोटिस हरखास आम
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण नम्बर 01 कर्णसिंह राजोरा, 2 धर्मसिंह, 3. बच्चूसिंह, 4. शेरसिंह, 5. फतेहसिंह पुत्रगण स्व. परसराम राजोरा, नाता रामप्यारी राजोरा, जाति खटीक, निवासी खटीकपाडा, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.) 6. पुष्पा पुत्री स्व. परसराम, माता रामप्यारी, पत्नी जगन्नाथ, जाति खटीक, हालवासी मालाखेडा, तहसील उमरैण, जिला अलवर (राज.) 7. नीलम पुत्री स्व. परसराम, माता रामप्यारी राजौरा, पत्नी राकेश, जाति खटीक, हालवासी चौमू, तहसील चौमू, जिला जयपुर (राज.) 8. ऋतु पुत्री स्व. परसराम, माता रामप्यारी, पत्नी सत्यनारायण, जाति खटीक, हालवासी झोटवाडा, जयपुर (राज.) ने उपस्थित न्यायालय होकर प्रार्थीगण के पिता परसराम राजोरा का स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा हिण्डौन में एक एसबीआई म्यूचुअल फण्ड जिसका फोलियो नम्बर 28672935 है, जिसकी कुल यूनिट बैलेन्स 363475517 है, प्रार्थीगण के पिता परसराम राजोरा की मृत्यु दिनांक 14.06.2025 को तथा माता रामप्यारी नोमिनी की मृत्यु दिनांक 11.02.2025 को हो गयी। मृतकों के वारिसान व उत्तराधिकारी प्रार्थीगण संख्या 01 लगायता 08 है। उक्त एसबीआई म्युचुअल फण्ड की भुगतान राशि को प्राप्त करने के लिए प्रार्थीगण संख्या 02 लगायत 08 ने आपस सहमति से अपने खास भाई प्रार्थी संख्या 01 कर्णसिंह राजोरा को न्यायालय से उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अधिकृत कर दिया है, इसलिए प्रार्थीगण के पिता स्व. परसराम राजोरा के उक्त एबीआई म्यूचुअल फण्ड को प्रार्थी संख्या 01 कर्णसिंह राजोरा के नाम ट्रांसफर कर समस्त प्रकार की यूनिट्सों की भुगतान राशि प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिये न्यायालय ने आवेदन पेश किया है।
लिहाजा जिस किसी भी व्यक्ति को इस सम्बंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति या उज्र हो जो न्यायालय में दिनांक 11.12.2025 को समय 10.30 बजे असालतन अथवा वकालतन उपस्थित होकर अपनी उज्रदारी प्रस्तुत करें, अन्यथा एकपक्षीय सुना जाकर प्रार्थी संख्या 01 कर्णसिंह राजोरा के हक में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा और प्रार्थना पत्र का निस्तारण कर दिया जावेगा।
अत: यह नोटिस हरखास आम न्यायालय की आज्ञा से आज दिनांक 20.11.25 को जारी किया गया।
मुहर
आज्ञा से- सीनियर रीडर
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश
क्र.सं.-2 हिण्डौन सिटी (करौली) राज.

एसीईओ नरेंद्र कुमार मीणा ने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया

अलवर। निर्वाचन विभाग जयपुर के सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एसीईओ) नरेंद्र कुमार मीणा रविवार को अलवर जिले के दौरे पर रहें उन्होंने विधानसभा क्षेत्र अलवर शहर के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का अवलोकन किया और उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित कर

■ उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीएलओ को एसआईआर की गति को और अधिक बढ़ाने के निर्देश दिए

एसआईआर की गति को और अधिक बढ़ाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण दौरान सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एसीईओ) ने अलवर शहर विधानसभा के मतदान केंद्र पर एसआईआर की प्रगति व समीक्षा, ईएफ की एंट्री, पावती, बीएलओ एप 'बुक ए कॉल' की समीक्षा की। उन्होंने एसआईआर कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित करने एवं एसआईआर की गति को और अधिक बढ़ाने के निर्देश दिए।

नरेंद्र कुमार मीणा ने विधानसभा क्षेत्र अलवर शहर के मतदान केंद्र का निरीक्षण कर कार्य का अवलोकन किया।

इससे कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल नहीं रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि एसआईआर के कार्यों में तेजी लाए, जिससे अधिकाधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जिले में एसआईआर को लेकर बीएलओ द्वारा ईएफ वितरण और डिजिटाइजेशन का अच्छा कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने इस दौरान बीएलओ एप पर 'बुक ए कॉल सर्विस' की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि बुक ए कॉल पर प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से आवश्यक दिशा-निर्देश अनुसार डिस्पोजल किया जाए। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश कायथवाल, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलवर शहर माधव भारद्वाज, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अलवर शहर सोहन सिंह नरूका, रश्मि शर्मा, लोकेश चौधरी, अशोक कुमार शर्मा, मोनिका शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं बीएलओ मौजूद रहे।

आवारा स्वानो को पकड़वाने की मांग

भरतपुर। भरतपुर शहर में विचरण कर लोगों का जीना दुश्वार कर रहे आवारा कुत्तों (स्वानो) को पकड़वाने की मांग को लेकर लोहागढ़ उत्थान मोर्चा के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त से मांग की है । उत्थान मोर्चा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवकुमार वशिष्ठ, सदस्य भूपेंद्र शर्मा, मनीष अग्रवाल, डॉ. हरीष, ओंकार सिंह, सुमित अग्रवाल, रितिक शर्मा आदि ने बताया अलावा कुत्तों (स्वानो) का प्रकोप भरतपुर में अत्यधिक बढ़ गया है। बाजारों, मोहल्लों, कॉलोनियों सहित सार्वजनिक स्थानों पर सैंकड़ों की सख्या में स्वानो का हुजूम लगा रहता है। आये दिन शहर में विचरण कर रहे आवारा स्वान किसी न किसी को अपनी चपेट में लेकर घायल कर देते है। खास तौर से कुत्ते बच्चो को अपना शिकार बना रहे है। बच्चे इनके डर से न तो स्कूल जा पाते है और न ही पार्कां अथवा अन्य खुले स्थान पर खेलने के लिये जा पाते है । पिछले दिनों भी एसटीसी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में इन कुत्तों ने बच्चों पर हमला कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। हालांकि कुत्तों के बढ़ते बर्चस्व को देखकर सुप्रीम कोर्ट ने भी नगर निकायों को इन्हें पकड़वाने के निर्देश दिए हैं ,लेकिन कोर्ट के आदेशों की भी अवहेलना हो रही है।

णमोकार मंत्र का सुख व दुख दोनों में करें स्मरण : प्रभव

■ मुनि प्रभव सागर महाराज के सानिध्य में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय संत आचार्य वर्धमान सागर महाराज के पावन आशीर्वाद से संत निवास में मुनि प्रभव सागर महाराज के सानिध्य में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि मुनि संघ के सानिध्य में जिनोदय युवा मंडल के कार्यकर्ताओं ने भगवान चंद्रप्रभु शांतिनाथ का पंचामृत अभिषेक कर शांतिधारा की।

कार्यक्रम के दौरान नित्य नियम पूजा, शास्त्र भेंट व गुरु पूजन का आयोजन किया गया। धर्म सभा का शुभारंभ नसियां महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण करके किया। धर्मसभा में मुनिश्री ने प्रवचन देते हुए कहा कि कभी भी किसी भी कार्य की देखा देखी नहीं करें, कार्य वही करें जो आपके पद या शक्ति के अनुरूप हो, क्योंकि जो कार्य एक के लिए करने योग्य है, वहीं दूसरे के लिए घातक हो सकता है। उन्होंने णमोकार मंत्र के महत्व पर प्रवचन में बताया कि णमोकार मंत्र में अरिहंत सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय व सर्व साधु पांचों परमेष्ठी निहित है। णमोकार मंत्र का सुख व दुख दोनों में स्मरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि णमोकार मंत्र कल्पवृक्ष, कामधेनु और चिंतामणि रत्न के समान मनोरथ पूर्ण करता है। णमोकार महामंत्र में अनेक शक्तियां विद्यमान है। कैंसर रोग सहित अन्य गंभीर रोगी भी णमोकार मंत्र की श्रद्धा भक्ति से ठीक हो गए हैं। कार्यो में अवरोध कारण कष्ट होता है। णमोकार मंत्र की साधना और शक्ति से विविधता और रोग ठीक होते हैं। अकाल मृत्यु के बारे में विवेचना कर बताया कि संकलेश भाव परिणाम के कारण अकाल मृत्यु होती है, क्योंकि परिणाम के कारण आयु का बंध होता है। इस दौरान शाम को जैन हाउजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। इस अवसर पर मोहित चंवरिया, राजेन्द्र बगड़ी, महावीरप्रसाद पहाड़ी, दिनेश, रिंकू झांझरी, सुनील भाणजा, हितेश छाबड़ा, सुरेशचंद माधोराजपुरा, पारस पराणा, अरुण लटूरिया, गोलू चंवरिया, निर्मल सुनारा, महेंद्र चंवरिया, महावीरप्रसाद जैन, अनिल भांणजा व संजय जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 162/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीमती सुषा गुर्जर पत्नी श्री रामप्रकाश गुर्जर निवासी भवन हंस स्कूल के पास अमाई रोड, कोटपुतली एवं डॉ. आर. के. गुर्जर पुत्र श्री गोविन्द राम निवासी 24 फेन्ड्स कॉलोनी, पुलिस हेड क्वाटर के सामने, लाल कोठी जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत मरूधरा चेरिटेबल ट्रस्ट, अल्कापुरी, बाइपास रोड, बानसूर, जिला कोटपुतली-बहरोड के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27.1.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

रक्त वीरों ने किया रक्तदान

राजगढ़ । सकारात्मक सोच सेओतप्रोत नई सोच नई किरण रक्तदानी संगठन की ओर से सैनी धर्मशाला में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 61 यूनिट रक्तदान हुआ। इस रक्तदान शिविर में रक्त वीरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के संयोजक एवं संस्था से जुड़े दिनेश कुमार सैनी, दीपक तिवाडी ने बताया कि नई सोच नई किरण एवं एच डी एफ सी बैंक के सानिध्य में सैनी धर्मशाला मेला का चौराहा मैं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।आज कस्बे के मेला का चौराहा स्थित सैनी धर्मशाला में आयोजित किया गया।संगठन ने हजारों सक्रिय सदस्यों के साथ समाज में जीवन बचाने में सहायक रक्तदान को महादान के रूप में स्थापित करने का सशक्त संदेश भी दिया है। संगठन के कार्यकर्ता दिनेश कुमार सैनी और उनकी समर्पित टीम एवं मरुधर ब्लड बैंक, जयपुर ने शिविर में सक्रिय भागीदारी निभाई।

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त एवं एस आई आर में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण करने पर जिला कलेक्टर से सम्मानित दिनेश कुमार सैनी शिक्षा में नवाचार के साथ सामाजिक सेवा में अपनी अमिट छाप छोडे हुए हैं।

डीग कुम्हेर का सर्वांगीण विकास कराना मेरी पहली प्राथमिकता है : डॉ शैलेश सिंह

■ 100 करोड़ की लागत से डीग में आवागमन की सुविधाओं के विकास के लिए रिंग रोड का निर्माण कराया जा रहा है

भरतपुर। डीग_म्हेर विधान सभा क्षेत्र का चहुमुखी विकास मेरी पहली प्राथमिकता है ,इसके लिए धन की कमी नहीं आने दी जायेगी यह बात रविवार को डीग के गांव गिरसै के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधायक निधि से 10 लाख रूपये की लागत से निर्मित नवीन हाल निर्माण कार्य एवं रमसा योजना से 20 लाख रूपये की लागत से निर्मित दो कमरे मय बरामदे के निर्माण कार्यों का लोकार्पण करते हुए कही। उन्होंने कहा कि डीग जिले में जिला स्तर की सुविधाओं के विकास के लिए वह हरसंभव प्रयास कर रहे है। 100 करोड़ की लागत से डीग में आवागमन की सुविधाओं के विकास के लिए रिंग रोड का निर्माण कराया जा रहा है। गांव सामई और खेड़ा ब्राह्मण में किसानों की हजारों बीघा कृषि भूमि जो एक से दशक से पानी में डूबी हुई थी।उससे जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए 6. 25 करोड़ की लागत से पानी निकासी का कार्य प्रगति पर है। गिर्राज जी की सप्तकोसीय

गांव गिरसै के विद्यालय में विधायक निधि से निर्मित बरामदे और रमसा से बने दो कमरो के बरामदे का लोकार्पण किया ।

परिक्रमा मार्ग में राजस्थान सीमा में स्थित पूंछरी परिक्रमा मार्ग को अयोध्या कॉरिडोर की तरह धार्मिक पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए राजस्थान सरकार ने 300 करोड़ रुपए कि राशि स्वीकृत की गई है।

पूछरी परिक्रमा मार्ग में होने वाले विकास से यहां धार्मिक पर्यटन बढ़ने से लोगों को रोजगार मिलेगा। डॉ सिंह ने कहा कि डीग सी एच सी को जिला अस्पताल में क्रमोन्नत करा दिया गया है।अब डीग में नया जिला अस्पताल बनने के बाद डीग जिले के लोगो को इलाज के लिए भरतपुर अलवर नहीं जाना पड़ेगा। विधायक डॉ शैलेश सिंह ने कहा कि आपकी मांग को पूरा करते हुए मैंने गिरसै को नई ग्राम पंचायत बनवा दिया है । ग्राम पंचायत बनने के बाद गांव गिरसै सहित इसमें शामिल गावो घना गिरसे और नसवाडा में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास हो सकेगा। गिरसे को ग्राम पंचायत बनाने पर सरपंच प्रतिनिधि भीम सिंह, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राकेश गिरसै, हरख़्याल सिंह, ज्योतिराम , श्रीलाल , लहर सिंह सहित अन्य ग्रामवासियों द्वारा विधायक डॉ शैलेश सिंह का चांदी का मुकुट , साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राकेश गिरसै, शहर मंडल अध्यक्ष ललित तिवारी,पार्षद राहुल लवानिया,शिवदत्त फौजदार, जग्गो, बल्लभदास , जगदीश सहाराई, गोपाल शर्मा,पवन खंडेलवाल, इंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

'शहीदों की शहादत पर हमें गर्व'

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि शहीदों की शहादत पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि मां भारती के सपूतों के बलिदान से भावी पीढ़ियां को राष्ट्र प्रेम की जहां प्रेरणा मिलती है वहीं उनकी स्मृति स्मरणीय बनी रहती है। जूली रविवार को खैरथल तिजारा जिले के हरसोली में भारतीय सेना में नायक शहीदचरण सिंह चौधरी की प्रतिमा अनावरण के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि भारतीय जवानों ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जाबांजी का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान दुख और गौरव का संयुक्त मिश्रण है माटी का वीर पुत्र हमसे बिछड़ गया जहां यह दुख की बात है वही गर्व है कि उसने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। जूली ने साहसी निडर सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि देश की सरहदों की रक्षा के लिए भारतीय सैनिकों के बलिदान को हमेशा याद किया जाता रहेगा जिन्होंने दुश्मनों के दांत खट्टे कर अपनी जाबांज बाजुओं का लोहा मनवाया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 163/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री प्रद्युम्न कुमार गर्ग पुत्र श्री नन्नी लाल गर्ग निवी 18, विकास पथ, अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री रामजीलाल आर्य कनया छात्रावास समिति, वैदिक विद्या मन्दिर, स्वामी दयानन्द मार्ग अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27.1.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा

घाट की गुणी टनल में सोमवार को हुआ भयावह हादसा, दोनों मृतक 12वीं कक्षा के छात्र थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में स्थित घाट की गुणी टनल में रविवार की सुबह बाइक सवार दो युवकों को एक डंपर ने कुचल दिया। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई है।

बताया जा रहा है कि इस हादसे के बाद डंपर चालक मौके पर ही डंपर छोड़कर भाग गया। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस और दुर्घटना थाना (पूर्व) पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मोर्चरी में रखवाया।

- बाइक की सर्विस कराए दौसा से जयपुर आए थे दोनों युवक
- हादसे के बाद आगरा रोड पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया

पुलिस ने दोनों के परिवारों को हादसे की सूचना दे दी है।

थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि घाट की गुणी टनल में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में योगेश मीना (18) और अजय शर्मा (18) की मौत हो गई है। दोनों दौसा से जयपुर की ओर आ रहे थे। योगेश मीना भरतपुर के भुसावर,जबकि अजय शर्मा दौसा के बांदीकुई का रहने वाला था। इस हादसे के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया।

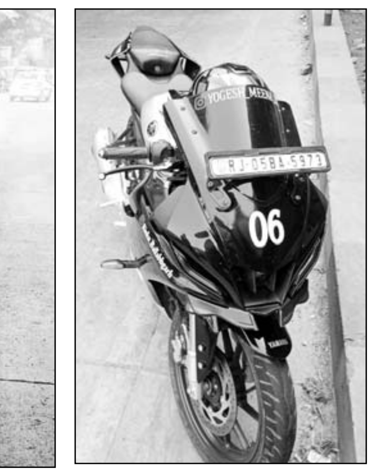

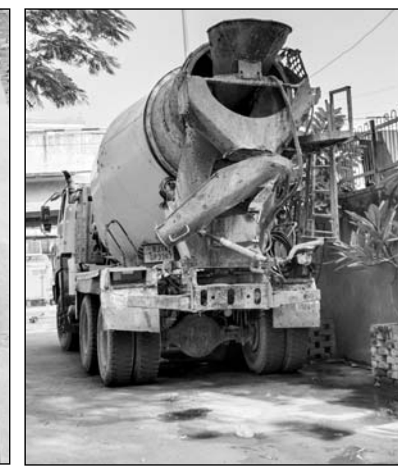

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित घाट की गुणी टनल में सोमवार को तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को बुरी तरह कुचल दिया। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को मौके से हटाकर ट्रैफिक सुचारू करवाया। फोटो-राष्ट्रदूत

पुलिस ने जाम खुलवा कर दोनों शवों को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इसके अलावा दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को भी साइड में करवाया गया है। मृतकों के परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किए गए। दोनों युवक 12वीं क्लास में पढ़ते थे और दौसा से बाइक की सर्विस कराने के लिए जयपुर आ रहे थे। अजय शर्मा ने करीब 4 महीने पहले ही यह बाइक खरीदी थी। वहीं इस मामले की दुर्घटना थाना (पूर्व) पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सईदी को कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाने पर कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी

टोंक। राजस्थान कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार रात्रि को जिलाध्यक्ष पद की लिस्ट जारी की गई, जिसमें टोंक कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष पर सऊद सईदी को मनोनीत किया गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने सईदी के आवास पर पंहुचकर रविवार को नारेबाजी करते हुए आतिशबाजी की तथा जिलाध्यक्ष को बधाई दी।

इस मौके पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सैय्यद सऊद सईदी ने कहा कि युवाओं, बुजुर्गों को साथ लेकर कांग्रेस को और मजबूती से खड़ा किया जाएगा तथा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्ष में बैलेंस रखते हुए सभी वर्गों को वरीयता दी जाएगी। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट तथा कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि आगामी पंचायती राज चुनाव हो या स्थानीय निकाय चुनाव कांग्रेस बड़ी मजबूती से लड़ेगी। साथ ही जिले में कांग्रेस की जीत का परचम लहराएगा जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, हंसराज फागणा, राहुल सैनी, जिला अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट, मणिन्द्र लोदी, शब्बीर नागौरी, देवकरण गुर्जर, रामलाल सेनीवाल, कमलेश चावला, बरकात हसीन, सुभाष शर्मा, एहसान बाबा, जर्रार खान, मोतीलाल मेहरा, बंसतीलाल चौधरी एडवोकेट, पूर्व सरपंच रामकिशन चौधरी, पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल व्यास, ताराचंद मुंदड़ा, पदम अजमेरा मौजूद थे।

गोविंददेवजी मंदिर में पुंसवन संस्कार और हवन कार्यक्रम

जयपुर। आराध्य देव श्री गोविंद देवजी मंदिर प्रांगण में रविवार का दिन आध्यात्मिक वातावरण, मंत्रोच्चार और सांस्कृतिक संवेदना से सराबोर रहा। गर्भस्थ शिशु के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास के उद्देश्य से आयोजित सामूहिक पुंसवन संस्कार में शहरभर से आई गर्भवती महिलाओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सम्पन्न इस संस्कार में एक दर्जन से अधिक महिलाओं ने गर्भोत्सव संस्कार कराया, जहाँ विधि-विधान के बीच मातृत्व की पावन यात्रा को दिव्य स्पर्श मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी द्वारा देव माता गायत्री, ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी और गुरु सत्ता के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उन्होंने संबोधन में बताया कि भारतीय संस्कृति में वर्णित 16संस्कारों की परंपरा अत्यंत गौरवशाली रही है, जो मानव जीवन के सर्वांगीण निर्माण का आधार मानी जाती है। किंतु आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़ में लोग इन संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं। इसीलिए, मंदिर प्रबंधन ने निश्चय किया है कि समय-समय पर इन जीवनोपयोगी संस्कारों का आयोजन कर समाज में सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया जाएगा।

कार्यक्रम में युग तीर्थ शांतिकुंज, हरिद्वार से संबद्ध गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के दिनेश आचार्य ने पुंसवन संस्कार का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि गर्भवती स्त्री के खान-पान, विचार और भावनाओं का सीधा प्रभाव गर्भस्थ शिशु के व्यक्तित्व पर पड़ता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा गर्भकाल को ही संस्कारित और गुणात्मक संतति निर्माण का प्रथम चरण मानती है।

डॉ. अजय भारद्वाज ने हुए कहा कि गर्भावस्था मात्र शारीरिक स्थिति नहीं, बल्कि सृष्टि के नए तत्व के निर्माण का संवेदनशील काल है। गर्भवती महिलाओं को पूरे गर्भकाल में यह सकारात्मक भावना रखनी चाहिए कि उनके गर्भ में एक श्रेष्ठ, प्रकाशमान आत्मा पल रही है, जो संस्कारित वातावरण से ऊर्जित होती है।

संस्कार के दौरान महिलाओं को वट वृक्ष की जटा, पीपल की कोपल और गिलोय से तैयार विशेष औषधि सुंघाई गई। इन दिव्य वनस्पतियों के गुणों का चिंतन कराया गया, जिससे मन और शरीर दोनों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। गर्भवती मातृशक्तियों ने अक्षत और पुष्पों से गर्भ का पूजन किया, वहीं उनके पति और परिजनों ने गर्भस्थ शिशु को श्रेष्ठ वातावरण प्रदान करने का संकल्प लिया। पूरे वातावरण में श्रद्धा, भाव-विभोरता और आनंद की छटा बिखरी रही।

समारोह के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भावी संतति के मंगलमय जीवन की कामना की। गर्भस्थ शिशु के सर्वांगीण विकास के लिए गाय के दूध से बनी खीर की विशेष आहुति अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में सैकडो श्रद्धालुओं ने गायत्री एवं महामृत्युंजय मंत्र के साथ आहुतियां प्रदान की।

कोटपूतली में 1.57 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

कोटपूतली। रविवार को उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला अस्पताल बीडीएम कोटपुतली में आयोजित किया गया जिसमें कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल द्वारा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का आगाज किया गया।

सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि जिले में पोलियो कार्यक्रम के सफलता हेतु जिले में 1635 बूथ बनाए गए हैं तथा कुल 1 लाख 57 हजार बच्चों का लक्ष्य रखा गया है इस कार्यक्रम की सुपरविजन के लिए जिले में 195 सुपरवाइजर लगाएं गए हैं।

इस मौके पर सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत, आरसीएचओ डॉ. अरविन्द अग्रवाल, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रमोद सिंह भदौरिया डॉ जयभगवान यादव, पीएमओ डॉ पुष्कर गुर्जर जिला नोडल अधिकारी रविकान्त जांगिड़, नर्सिंग अधीक्षक पूरण सिंह जयदयाल रघुनाथ सिंह समेत बीडीएम अस्पताल का स्टॉफ मौजूद रहा। जिला नोडल अधिकारी रविकांत जाँगिड ने बताया कि सभी टीम सोमवार को डोर-टु-डोर घर घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी तथा सभी को शतप्रतिशत लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु जिलास्तर से निर्देशित किया गया है। अभियान की सफल क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु जिला स्तर से भी मॉनिटरिंग टीम गठित की गई है।

शादी समारोह से लौटते वक्त अरुण चतुर्वेदी की कार दुर्घटनाग्रस्त

रविवार रात पाली से जयपुर लौट रहे थे, ब्यावर के पास हुआ हादसा

जयपुर। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी रविवार को सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। हादसे में कार का आगे वाला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब अरुण चतुर्वेदी, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर की पोती की शादी में शामिल होकर पाली से जयपुर लौट रहे थे। हादसे की जानकारी अरुण चतुर्वेदी ने खुद सोशल मीडिया पर दी। इस हादसे में चतुर्वेदी और उनके साथ गाड़ी में सवार लोगों को मामूली चोटें आईं।

बताया जा रहा है कि पाली के रणकपुर में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर की पोती की शादी थी। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी पाली शादी में शामिल होकर जयपुर लौट रहे थे। इसी दौरान ब्यावर के पास कार का एक्सीडेंट हो गया। जिसमें कार का आगे वाला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कार में जयपुर सिविल लाईन्स विधायक गोपाल शर्मा भी साथ थे। मामले की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर कमल राम मीना, पुलिस अधीक्षक रतन सिंह भी मौके पर पहुंचे।

हादसे को लेकर अरुण चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया "एक्स" पर पोस्ट में लिखा कि "होइहि वही जो राम रचि राखा।" इसके बाद उन्होंने लिखा कि आज शाम पाली से जयपुर लौटते समय ब्यावर के समीप हुई भीषण सड़क दुर्घटना में ईश्वर की कृपा व आशीर्वाद से एक बहुत बड़ा हादसा होने से बच गया। उन्होंने हादसे से जुडी तस्वीरें भी एक्स पर शेयर की हैं।

सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त हुई राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी की कार।

"मतदाता सूची" में साधारण जानकारी के आधार पर नाम खोजने का मिला विकल्प

भारत निर्वाचन आयोग ने पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रदान की सुविधा

जयपुर (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में अब साधारण जानकारी के आधार पर नाम खोजने का विकल्प मुहैया करवाया गया है, जिससे मतदाताओं को अपना नाम खोजने और परिगणना प्रपत्र भरने में और अधिक सहजता मिलेगी।

जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि 26 लाख 52 हजार 687 यानी 55 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 76 हजार 275, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 77 हजार 614, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 87 हजार 892, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 67 हजार 805, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 82 हजार 662, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 81 हजार 21, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 67 हजार 657, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 55 हजार 962, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 37 हजार 187 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं निरंतर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 92 हजार 39, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 26 हजार 919, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 5 हजार 185, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 67 हजार 804, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 9 हजार 140, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 95 हजार 591, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 48 हजार 759 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 40 हजार 175 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके तहत जिले में 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक परिगणना चरण का संचालन किया जा रहा है। इस चरण में परिगणना प्रपत्रों

- जयपुर में 55 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का हुआ डिजिटलीकरण
- मतदाताओं से किया गया ऑनलाइन परिगणना प्रपत्र भरने का आव्हान
- जयपुर में 26 लाख से अधिक प्रपत्रों का किया जा चुका है डिजिटलीकरण

का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटलीकरण सतत रूप से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा साथ ही मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए ऑनलाइन विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील है कि वे अपने तथा अपने परिवारजनों के परिगणना प्रपत्र अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन भरकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। जिले में परिगणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण की प्रगति के अनुसार विधानसभा क्षेत्र बस्सी ने सर्वाधिक 74.13 फीसदी प्रपत्रों के डिजिटलीकरण के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना में आवेदन 31 दिसम्बर तक

जयपुर (कासं)। कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, अल्पसंख्यक मामलात विभाग, जयपुर द्वारा अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना में ऑनलाईन आवेदन लिए जा रहे हैं।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि जिला मुख्यालय पर संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षिक पाठ्यक्रमों (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय हेतु) में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिक्ख, जैन, ईसाई, बौद्ध, पारसी) के वे छात्र (केवल बालक) जो घर से दूर रहकर (जो जयपुर जिला मुख्यालय/नगर परिषद् सीमा से बाहर के निवासरत हो) जयपुर मुख्यालय पर कमरा किराया लेकर (पेइंग गेस्ट के रूप में) अध्ययन कर रहे है। ऐसे छात्रों के लिए आवास, भोजन एवं बिजली-पानी इत्यादि सुविधाओं हेतु पुनर्भरण राशि के रूप में अम्बेडकर डीबीटी वाउचर के अन्तर्गत महाविद्यालय में प्रवेश माह 2000 रु. प्रतिमाह प्रतिवर्ष (अधिकतम 10 माह के लिए) योजनान्तर्गत दी जाएगी। शैक्षिक सत्र 2025-26 में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों द्वारा इस योजना हेतु ऑनलाईन पोर्टल पर आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है।

सार-समाचार

"बतियन की गली" शो का आयोजन

"बतियन की गली" शो के चौथे सीज़न की दूसरी कड़ी का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के टी ट्रेडिशन कैफ़े में हुआ।

जयपुर (कासं)। प्रदेश के नामी साहित्यकारों और कलाकारों के सफ़रनामों पर आधारित चर्चित शो "बतियन की गली" के चौथे सीज़न की दूसरी कड़ी रविवार, 23 नवंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के टी ट्रेडिशन कैफ़े में आयोजित हुई। इस बार गहन संवेदनाओं और अपनी विशिष्ट काव्यधारा के लिए प्रसिद्ध कवि, गीतकार और साहित्यकार अमित तिवारी 'आज़ाद' श्रोताओं से रूबरू हुए। क्यूरियो और राजस्थान फोरम के संयुक्त तत्वावधान में हुए संवाद का संचालन कार्यक्रम की परिकल्पनाकार और युवा बिस्मिल्लाह ख़ान अवार्डी प्रियदर्शिनी मिश्रा ने किया। उन्होंने बेहद सहज और सारगर्भित शैली में 'आज़ाद' से उनके बचपन, साहित्यिक प्रेरणाओं, संघर्षों, और काव्य-संवेदना के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग निकलवाए। बातचीत के दौरान अमित तिवारी 'आज़ाद' ने कहा कि कविता उनके लिए आत्मा का निवास है-जहाँ शब्द नहीं, अनुभूति पहले जन्म लेती है। उन्होंने आधुनिक मंचों पर कविता की बढ़ती लोकप्रियता, नई पीढ़ी के लेखन-संकट, और डिजिटल युग में साहित्य की दिशा पर भी खुलकर अपनी राय रखी। एआई और रचनात्मकता पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने स्पष्ट कहा, एआई लिख सकता है पंक्तियाँ, लेकिन अनुभव, पीड़ा, स्मृति और आत्मा-ये किसी मशीन से नहीं आ सकते। कविता तभी जन्म लेती है जब मनुष्य भीतर से काँपता है। अंत में कार्यक्रम के दौरान इस बार के युवा कर्मठ सम्मान से लोक गायक मोहित मेहता को सम्मानित किया गया। यह सम्मान ध्रुपद की सुप्रसिद्ध साधिका विदुषी डॉ. मधु भट्ट तैलंग, पर्यावरणविद नीता उपाध्याय और डॉ. कपिल शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। कार्यक्रम के कनवीनर डॉ. कपिल शर्मा ने बताया कि सीजन 4 की कुल 7 कड़ियाँ होंगी, जिनमें विभिन्न कला-विधाओं से जुड़े प्रतिष्ठित कलाकार शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बतियन की गली का उद्देश्य कलाकारों के जीवन के उन कोमल, प्रेरक और अनकहे पलों तक श्रोताओं को पहुँचाना है, जिन्हें सामान्यतः कोई मंच उजागर नहीं करता।

एमडी तस्करी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक तस्कर निखिल रूणीवाल को पकड़ा है और उसके पास से 3.82 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी,दो मोबाइल सहित एक इलेक्टोनिक कांटा भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले तस्कर निखिल रूणीवाल निवासी जोधपुर को थाना इलाके में स्थित ग्रास फील्ड क्लब के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

बैडमिंटन लीग में डॉक्टर्स ने दिखाया दम

जयपुर। डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का सातवाँ संस्करण 21 नवंबर से स्पोफिट अकादमी में शुरू हुआ था, जो कि 30 नवंबर तक जारी रहेगा। इस टूर्नामेंट में 46 टीमें भाग ले रही हैं। इसके अतिरिक्त ओपन वर्ग मुकाबले भी होंगे। लीग आयोजन अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि 22 नवंबर को खेले गए टीम इवेंट मुकाबलों में, किड्स वर्ग में ए ई आई आर सी डायग्नोस्टिक ने रामाया हॉस्पिटल को 3-2 से हराया। वरिष्ठ वर्ग में सोमानी हॉस्पिटल ने सुवीरा हॉस्पिटल को 4-3 से हराया। अग्रवाल किड्स हॉस्पिटल ने जय गणपति हॉस्पिटल को 4-2 से हराया। लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि टैगोर आई हॉस्पिटल ने कैंसर केअर क्लिनिक को 4-3 से हराया। एक अन्य टाई में जैयुआर ने टैगोर आई हॉस्पिटल को 3-0 से हराया। दीप हॉस्पिटल ने नियो डायग्नोस्टिक को 4-2 से हराया। मंगलम मेडिसिटी हॉस्पिटल ने फोर्टिस हॉस्पिटल को 3-2 से हराया।

सिलेंडर चुराने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। खोरा-बीसल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घरेलू सिलेंडर चोरी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पास से आधा दर्जन से अधिक चोरी के सिलेंडर सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित नशा और मौज मस्ती करने के आदि हैं। उसके लिए चोरी की बाइक से सिलेंडर चोरी करते हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि खोरा-बीसल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घरेलू सिलेंडर चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश 21 वर्षीय सूरज प्रताप सिंह उर्फ सोनू उर्फ चोटी निवासी इकमा जिला छपरा (बिहार) हाल झोटवाड़ा और 33 वर्षीय आलोक चौधरी निवासी बयाना जिला भरतपुर हाल खोरा-बीसल जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों ही आरोपित नशा करने के आदि है। जो नशा और मौज-मस्ती के लिए घरों और दुकानों से घरेलू सिलेंडर चोरी करने की वारदात करते है। जिनके पास से चोरी की बाइक सहित आधा दर्जन से अधिक चोरी किए गए सिलेंडर भी जब्त किए गए है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। करणी विहार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को पकडा है और उसके पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करणी विहार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर 20 वर्षीय सचिन बैरवा उर्फ गोलू निवासी सवाई माधोपुर हाल नारायण विहार जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन (बाइक) भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशे का आदी है। जो नशे का शौक पूरा करने के लिए सूने मकानों व फैक्ट्रियों के बाहर खडी मोटरसाइकिल की रैकी कर मोटरसाइकिल चुराता था। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

1971's D.B. Cooper Hijacking

On November 24, 1971, an unidentified man known as D.B. Cooper hijacked a Northwest Orient Airlines flight traveling from Portland to Seattle. Calmly claiming he had a bomb, he demanded $200,000 in cash and four parachutes. After receiving the ransom in Seattle, Cooper ordered the aircraft back into the air towards Mexico. Somewhere over Washington state, he parachuted into the night with the money and disappeared without a trace. Despite one of the longest and most expensive FBI investigations in U.S. history, Cooper's identity and fate remain unsolved, making it one of aviation's greatest mysteries.

#LIFE

Meditation Works

8 WEEKS OF MEDITATION CAN MAKE YOUR BRAIN QUICKER

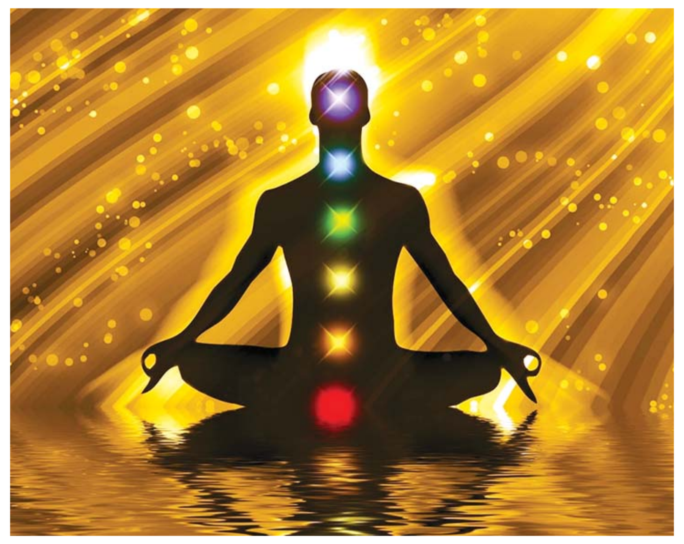

Just eight weeks of meditation studies can make your brain quicker, according to new research from Binghamton University, State University of New York.

Millions of people around the world seek mental clarity through meditation, most of them following or inspired by the centuries-old practices of Buddhism.

Anecdotally, those who meditate say it helps to calm their minds, recenter their thoughts and cut through the 'noise' to show what really matters. Scientifically, though, showing the effects of meditation on the human brain has proved to be tricky.

A new study from Binghamton University's Thomas J. Watson College of Engineering and Applied Science tracked how practicing meditation for just a couple of months changed the brain patterns of 10 students in the University's Scholars Program.

The seed for the research came from a casual chat between Assistant Professor Weiying Dai and lecturer George Weinschenk, MA '01, PhD '07, both from the Department of Computer Science.

Weinschenk is a longtime meditation practitioner whose wife worked as an administrator at the Namgyal Monastery in Ithaca, which is the North American seat of the Dalai Lama's personal monastery.

"I developed very close friendships with several of the monks," he said. "We would hang out together, and I even received instruction from some of the Dalai Lama's teachers. I took classes there, I read a lot and I earned a three-year certificate in Buddhist studies."

Dai has studied brain mapping and biomedical image processing, and while earning her PhD at the University of Pittsburgh, she tracked Alzheimer's disease patients using magnetic resonance imaging (MRI) scans.

"Yeah, meditation really can have a transformative effect on the brain," Weinschenk said. "She was a little skeptical, especially about whether such a short amount of time spent learning how to meditate, whether that would make any difference. She suggested we might be able to quantify such a thing with modern technology."

For the fall 2017 semester, Dai secured grant funding, and their collaboration began. Near the beginning of the semester, she took the participants to Cornell University for MRI scans of their brains. Weinschenk taught students how to meditate, told them to practice five times a week for 10 or 15 minutes, and asked them to keep a journal record of their practice. (The syllabus also included other lessons about the cultural transmissions of meditation and its applications for wellness.)

The results, recently published in the journal Scientific Reports, show that meditation training led to faster switching between the brain's two general states of consciousness.

One is called the default mode network, which is active when the brain is at wakeful rest and not focused on the outside world, such as during daydreaming and mind-wandering. The other is the dorsal attention network, which engages for attention-demanding tasks.

The findings of the study demonstrate that meditation can enhance the brain connection among and within these two brain networks, indicating the effect of meditation on fast switching between the mind wandering and focusing its attention as well as maintaining attention once in the attentive state.

"Tibetans have a term for that ease of switching between states, they call it mental pliancy, an ability that allows you to shape and mold your mind," Weinschenk said. "They also consider the goal of concentration one of the fundamental principles of self-growth."

Though once skeptical about the subject, "I'm pretty convinced about the scientific basis of meditation after doing this study," she added. "Maybe, I'll just go to George's class when he teaches it so that I can benefit, too!"

The Beauty Full Of Beans The Heady Kind

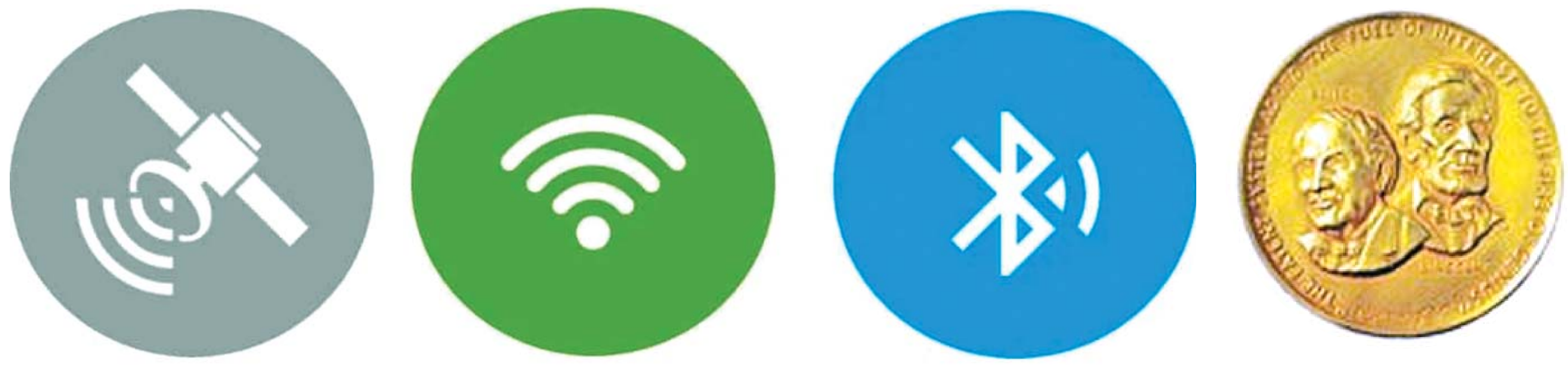

In 1940, Hedy met composer George Antheil at a dinner party. They started talking about music. Then about technology. Then about synchronized player pianos, how they could play in perfect synchronization using perforated paper rolls. And Hedy had an idea. What if you could use that same principle to synchronize radio frequencies? The transmitter and receiver could hop between 88 different frequencies (she chose 88 because that's the number of keys on a piano) in perfect sync, making the signal impossible to jam or intercept.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#BEFORE TIME

Hedy Lamarr was an Austrian-American actress and inventor who pioneered the technology that would one day form the basis for today's WiFi, GPS, and Bluetooth communication systems. As a natural beauty seen widely on the big screen in films like *Samson and Delilah* and *White Cargo*, society has long ignored her inventive genius.

Lamarr was originally Hedwig Eva Kiesler, born in Vienna, Austria on November 9th, 1914 into a well-to-do Jewish family. An only child, Lamarr received a great deal of attention from her father, a bank director and curious man, who inspired her to look at the world with open eyes. He would often take her for long walks where he would discuss the inner-workings of different machines, like the printing press or street cars. These conversations guided Lamarr's thinking and at only 5 years of age, she could be found taking apart and reassembling her music box to understand how the machine operated. Meanwhile, Lamarr's mother was a concert pianist and introduced her to the arts, placing her in both ballet and piano lessons from a young age.

Lamarr's brilliant mind was ignored, and her beauty took center stage when she was discovered by director Max Reinhardt at age 16. She studied acting with Reinhardt in Berlin and was in her first small film role by 1930, in a German film called *Geld auf der Strasse* ('Money on the Street'). However, it wasn't until 1932 that Lamarr gained name recognition as an actress for her role in the controversial film, *Ecstasy*.

Hedy Kiesler was 19 years old and starring in 'Ecstasy,' a Czech film that featured cinema's first on-screen female orgasm. Scandalized conservatives called her a whore. Nazi propaganda minister Joseph Goebbels banned the film.

But Friedrich Mandl, one of Austria's wealthiest arms dealers, saw something else. He married her, and then imprisoned her.

Mandl was a fascist who sold weapons to Hitler and Mussolini. He locked Hedy in his castle, dressed her up for dinner parties with Nazi officials, and forbade her to act. She was his trophy wife, his beautiful possession, forced to sit through endless business meetings where fascist arms dealers discussed military technology.

But here's what Mandl didn't realize: Hedy was listening.

And Hedy was brilliant.

While her husband and his Nazi clients discussed torpedoes, radio frequencies, and military communications, Hedy Kiesler was absorbing every word. She understood the technology. She saw the problems. And she started thinking about solutions.

In 1937, Hedy escaped. She drugged her maid, stole her clothes, fled to Paris, and then to London. Louis B. Mayer, the head of MGM Studios, saw her and offered a contract. She sailed to America, changed her name to Hedy Lamarr, and became a Hollywood star.

The world saw a stunning actress. Time magazine called her 'the most beautiful woman in the world.' She appeared in films like 'Algiers' and 'Samson and Delilah,' her face on movie posters across America.

But Hedy's brain was somewhere else. She was thinking about the Nazis. About the war. About the technology she'd heard discussed in Mandl's castle.

She knew that radio-controlled torpedoes could be jammed by the enemy, making them useless. If you transmitted a signal on a single frequency, the enemy could detect it and disrupt it. Torpedoes would veer off course. Ships would be safe.

But what if the signal kept changing frequencies? What if it 'hopped' from one frequency to another in a pattern only the transmitter and receiver knew?

The enemy couldn't jam what they couldn't predict.

In 1940, Hedy met composer George Antheil at a dinner party. They started talking about music. Then about technology. Then about synchronized player pianos, how they could play in perfect synchronization using perforated paper rolls.

And Hedy had an idea.

What if you could use that same principle to synchronize radio frequencies? The transmitter and receiver could hop between 88 different frequencies (she chose 88 because that's the number of keys on a piano) in perfect sync, making the signal impossible to jam or intercept.

Together, Hedy and George developed the concept. They called it 'frequency hopping.'

In 1942, they were granted U.S. Patent 2,292,387 for a 'Secret Communication System.' They donated it to the U.S. Navy, hoping it would help defeat the Nazis.

The Navy rejected it.

Some accounts say they dismissed it because Hedy was 'just an actress.' Others say the technology was ahead of its time. Whatever the reason, the Navy shelved the patent and told Hedy she could better serve the war effort by selling war bonds.

So she did. Hedy Lamarr raised $25 million for the war effort by auctioning kisses and appearing at rallies. The world celebrated her beauty while ignoring her brain.

Her patent expired in 1959, unused and forgotten.

But in the 1960s, military engineers rediscovered frequency-hopping technology. They used it in Navy ships during the Cuban Missile Crisis. They used it in secure military communications. By the 1980s and '90s, frequency hopping became the foundation for:

1. Wi-Fi
2. Bluetooth
3. GPS
4. All modern wireless communication

Every time you connect to Wi-Fi, you're using technology Hedy Lamarr invented in 1941.

But for decades, she got no credit. No royalties. No recognition.

In 1997, 56 years after her patent, the Electronic Frontier Foundation finally gave Hedy Lamarr the Pioneer Award, acknowledging her contribution to wireless technology.

She was 83 years old. She'd been ignored for more than half a century while her invention changed the world. When she received the award, Hedy said: "It's about time."

Hedy Lamarr died in 2000 at age 85. For most of her life, she was remembered as 'the beautiful actress.' Her technological genius was dismissed, forgotten, or credited to men.

Today, her face is on currency in Austria. Her patent is recognized as foundational to modern technology. And every smartphone, every GPS device, every Bluetooth connection exists because a woman the world dismissed as 'just a pretty face' was actually one of the most important inventors of the 20th century. She escaped a Nazi arms dealer's castle. She became a Hollywood icon. And she invented technology that now runs the modern world.

But for most of her life, people only wanted to talk about how beautiful she was.

Hedy Lamarr's story isn't just about underestimated genius, it's about how society treats brilliant women. How we reduce them to their appearance. How we ignore their contributions. How we credit men while erasing women.

The U.S. Navy told her to sell war bonds with her beauty instead of using her brain to win the war. Then, they secretly used her invention anyway.

That's not just sexism. That's theft. Every time you use Wi-Fi, remember: a Hollywood actress who the world called 'just a pretty face' made it possible.

And she did it while trying to defeat the Nazis who'd threatened her, imprisoned her, and tried to reduce her to a decoration in a castle.

Hedy Lamarr didn't just escape. She won. In honour of Hedy Lamarr (1914-2000), whose beauty the world celebrated but whose genius the world tried to erase.

rajeshsharma1049@gmail.com

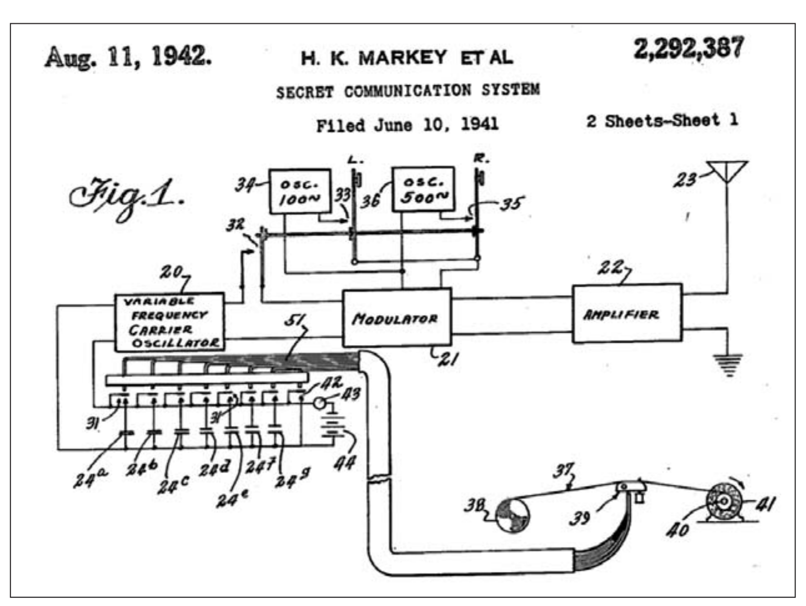

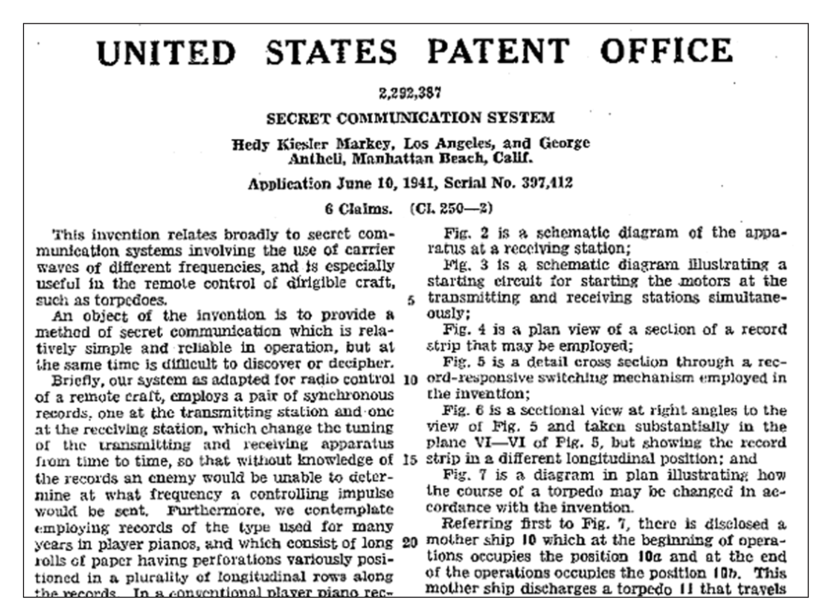

UNITED STATES PATENT OFFICE

2,292,387

SECRET COMMUNICATION SYSTEM

Hedy Kiesler Markey, Los Angeles, and George Antheil, Manhattan Beach, Calif.

Application June 10, 1941, Serial No. 397,412

6 Claims. (Cl. 250—2)

#ESTHER ABRAHAM

Our First Miss India A Jew

The Jewish Trailblazer Who Became India's First Miss India

Did you know that the very first Miss India was a Jewish woman? In 1947, the same year India gained independence, Esther Victoria Abraham, better known by her stage name Pramila, made history by being crowned Miss India. But her story goes far beyond beauty pageants. She was an actress, producer, single mother, and a proud Indian Jew who broke barriers in an era when women's voices were still finding their place in public life.

Early Life and Background

Esther Abraham was born in 1916 in Calcutta (now Kolkata) into the Bene Israel Jewish community, one of the oldest Jewish groups in India. Her family later moved to Mumbai, where she began her career in the world of cinema.

At a time when acting was not considered a 'respectable' profession for women, especially from traditional families, Esther defied expectations. Her striking looks, intelligence, and fearless personality helped her rise to prominence in India's growing film industry.

Becoming Pramila: A Star of the Silver Screen

Esther adopted the screen name Pramila, a more Indian-sounding name, as was common for actresses of the time. She entered the world of Bollywood during the 1930s, when Indian cinema was still finding its voice.

Pramila appeared in over 30 films, often portraying bold, confident women who stood up for themselves, a reflection of her real-life persona. Some of her well-known movies include Ulti Ganga (1942), Basant (1942), and Our India (1947).

Her acting career flourished at a time when the industry was male-dominated, and roles for women were often limited to stereotypes. Pramila challenged that, both on and off the screen.

Miss India 1947: A Crown of Independence

In 1947, India celebrated two births, that of a free nation and that of its first Miss India. Esther Abraham's crowning as Miss India 1947 symbolized a new era of modern Indian womanhood. She represented more than beauty; she embodied freedom, diversity, and confidence in a changing nation. As a Jewish woman winning a national title in newly independent India, Pramila stood as proof that Indian identity could transcend religion, ethnicity, and tradition.

A Producer, Pioneer, and Single Mother

After her success as an actress, Pramila became one of the first women film producers in India. She founded Silver Films, her own production company, a remarkable achievement for a woman in the 1940s and 1950s.

She was also a single mother of seven children, one of whom, Naqi Jahan, followed in her footsteps and was crowned Miss India in 1967, making them the only mother-daughter pair to ever win the title.

Pramila balanced her roles as a mother, businesswoman, and artist with grace and determination, setting a standard for future generations of Indian women in media and film.

Breaking Barriers and Defying Stereotypes

Esther Abraham's story is one of resilience and courage. In an era when women were expected to stay behind the scenes, she stepped into the spotlight, unapologetically.

She broke religious, cultural, and gender barriers, proudly embracing both her Indian and Jewish identities. Her career showed that being Indian was not confined to one religion or ethnicity, a message that remains powerful even today.

Legacy and Recognition

Pramila's contributions to Indian cinema and culture were groundbreaking. She helped shape the early identity of Bollywood and redefined beauty standards in post-independence India.

Her life is now celebrated as a testament to India's pluralism, a reminder that the country's strength lies in its diversity. When she passed away in 2006 at the age of 90, she left behind not only a family legacy but also a pioneering example of empowerment and self-expression.

Esther Abraham was more than just the first Miss India, she was a symbol of independence, both for herself and for a newly free nation. She proved that identity, courage, and talent could shine through barriers of religion and tradition.

In a time when the world was changing, Pramila stood tall, a Jewish woman crowned Miss India, an actress turned producer, and a mother who raised another beauty queen. Her story remains a powerful reminder that true beauty lies in breaking boundaries and being unafraid to define oneself.

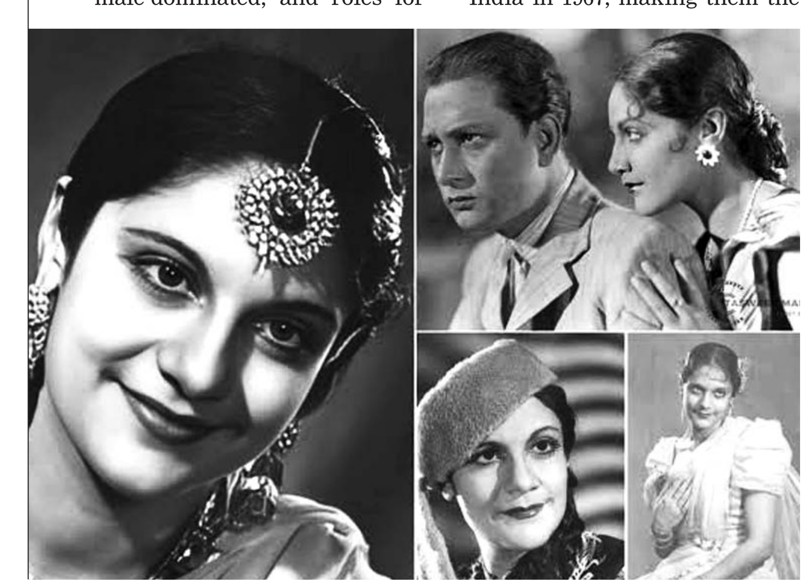

THE WALL

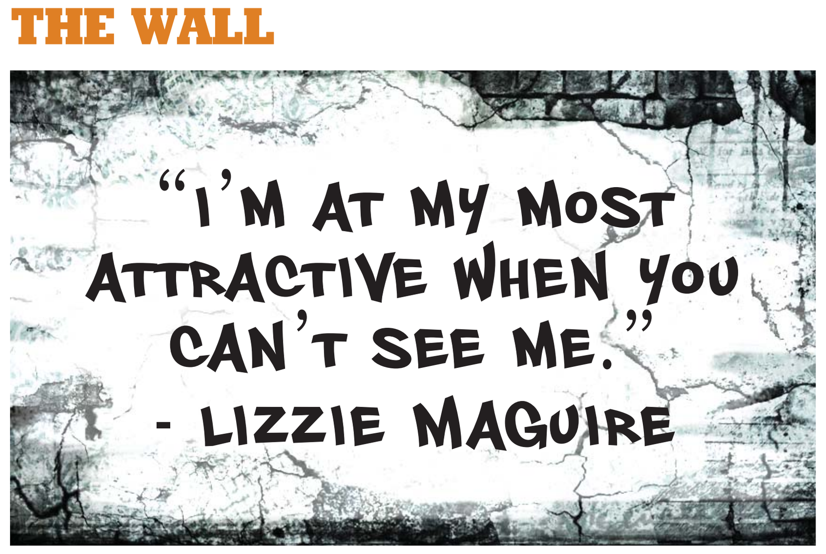

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

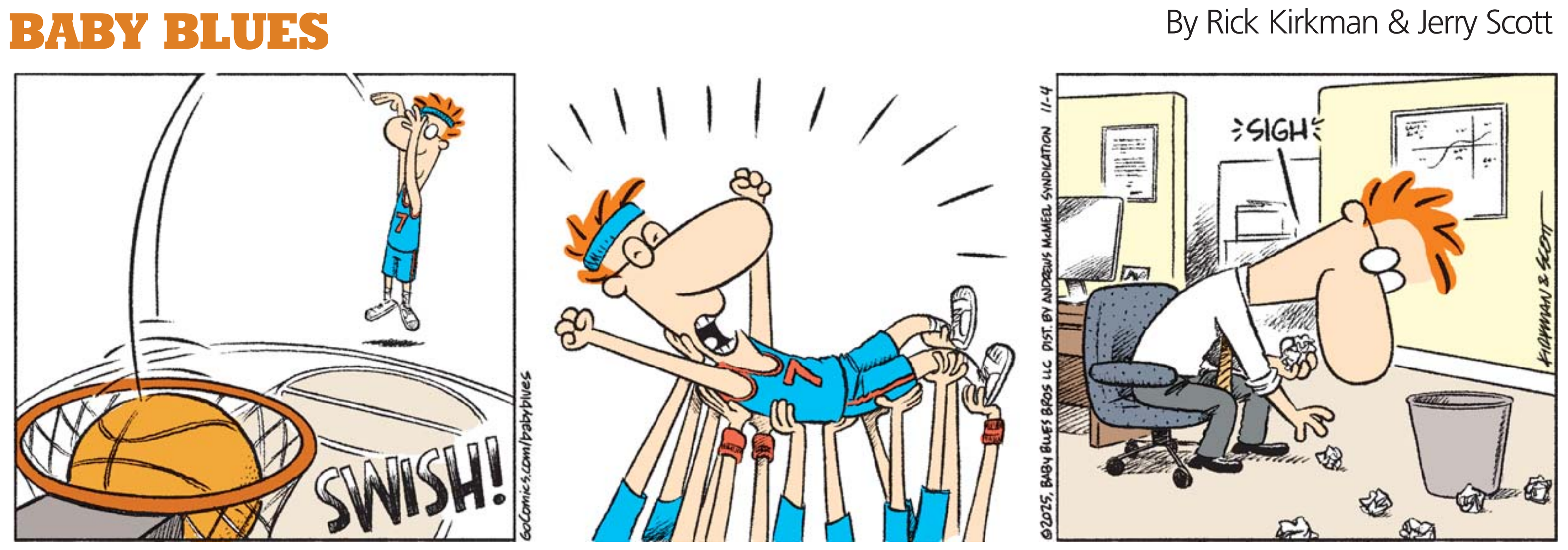

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भारत में अमेरिका के बाद सर्वाधिक डोमेस्टिक पर्यटन संभावनाएं : शेखावत

बीकानेर में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा ''पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना'' विषयक संगोष्ठी आयोजित

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय पर्यटन एवं कला मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन स्थलों पर पर सुविधाएं बढ़ाने के साथ इनमें कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में भी सुनियोजित तरीके से प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा ''विकसित भारत विकसित राजस्थान-2047'' के संदर्भ में ''पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना'' विषयक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिवबाड़ी महंत स्वामी विमर्शानन्द तथा बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

केन्द्रीय पर्यटन व कला मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत समेत अतिथियों ने संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य पर दुनिया के देशों में जीडीपी की 10 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी पर्यटन क्षेत्र की है। भारत में यह भागीदारी 5.5 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से प्रयास करते हुए इसे विश्व जीडीपी के औसत पर लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके लिए पॉलिसी निर्धारण और क्रियान्वयन किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि देश की पर्यटन जीडीपी में राजस्थान का हिस्सा अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक है। यहां जैसी संभावनाएं और विविधताएं हैं, इनके मध्यनजर यहां अनेक अवसर मौजूद हैं। भारत में अमेरिका के बाद डॉमेस्टिक टूरिज्म की सर्वाधिक संभावनाएं हैं। गत वर्ष अयोध्या के राम मंदिर में 8 करोड़ तथा उज्जैन के महाकाल मंदिर में 7.5 करोड़ लोग पहुंचे। गत महाकुंभ में 45 दिनों में 66 करोड़ लोगों का पहुंचना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद हमारा देश पर्यटन की दृष्टि से टॉप रिवाइवल देश में है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 50 नए आईकॉनिक पर्यटन स्थल तैयार किया जा रहे हैं। इन्हें विश्व स्तर के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में तैयार पर्यटन नीति तथा पर्यटकों के लिए किया जा रहे नवाचारों की सराहना की।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बीकानेर कहा कि बीकानेर अपनी संस्कृति और परंपराओं के लिए विश्व विख्यात है। यहां पर्यटन की दृष्टि से अनेक संभावनाएं हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से बीकानेर में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म एंड ट्रैवलिंग मैनेजमेंट की शाखा खोलने का आग्रह किया। साथ ही खाद्य पदार्थों एवं दूध की टेस्टिंग लेब स्थापित करने की आवश्यकता जताई। इस दौरान पर्यटन विशेषज्ञ गोपाल सिंह चौहान ने 'इको टूरिज्म' विकसित करने, फोक म्यूजिक फेस्टिवल आयोजित करने तथा प्रदेश के सभी जिलों में पर्यटन की दृष्टि से कार्य करने का सुझाव दिया। होटल व्यवसाय विशेषज्ञ डॉ. नरेश गोयल ने एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने तथा हेरिटेज रूट को विकसित करने, इमरान उस्ता ने उस्ता कला से युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए सुनियोजित ढ ंग से प्रशिक्षण आयोजित करने की बात रखी।

उद्यमी विजय सिंह राठौड़ ने मेलों और उत्सवों के प्रचार प्रसार करने, आशि शर्मा ने पाठ्यक्रम में पर्यटन से जुड़े तथ्य शामिल करने और बच्चों को इनसे जोड़ने की बात कही। लोक कलाकार गोपाल बिस्सा शहर की हवेलियों के संरक्षण के लिए सख्त कदम उठाने एवं नाइट टूरिज्म को विकसित करने का सुझाव दिया। समारोह में पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, अतिरिक्त कलेक्टर नगर रमेश देव, कुलसचिव कुणाल राहड़, वित्त नियंत्रक देवेंद्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त कुलसचिव डॉ. बिट्ठल बिस्सा, डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली, डॉ. अमित व्यास सहित विश्वविद्यालय के स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी तथा अन्य क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में अधिकांश सीएचसी पर खांसी की सिरप नहीं

■ **चिकित्सक कहीं टेबलेट दे रहे तो कहीं बाजार से खरीदने को मजबूर हैं लोग**

श्रीगंगानगर, (निसं)। अधिकांश सीएचसी पर खांसी की सिरप नहीं होने से परेशानी हो रही है। जैतसर के सीएचसी प्रभारी डॉ. अनोख बिश्नोई ने बताया कि वर्तमान में क्लोरफेनिरामाइन, पैरासिटामोल और सीट्रीजन के समूह वाली एंटी कोल्ड सीरप का वितरण रोगियों को किया जा रहा है। यह सीरप सभी प्रकार की खांसी में कारगर साबित हो रही है। टैबलेट भी उपलब्ध है, लेकिन रोगी सिरप ही मांग रहे हैं। रायसिंहनगर सीएचसी में मरीजों को अन्य साल्ट वाली खांसी की कफ सिरप दे रहे हैं।

प्रभारी डॉ. तेजपाल शर्मा ने बताया कि अन्य साल्ट की दवा खांसी के रोगियों को दी जा रही है। घड़साना सीएचसी के प्रभारी डां. संदीप पचार ने बताया कि खांसी रोगियों को अन्य साल्ट की दवा दी जा रही हैं। रिड़मलसर सीएचसी में खांसी की जो दवा स्टॉक में है, उस पर रोक है। डॉ. प्रेम कुमावत ने बताया कि अन्य कंपनी की दवा का स्टॉक अभी नहीं आया। बच्चों के लिए ड्रॉप्स आ रही है। बड़े मरीजों के लिए खांसी की टेबलट्स उपलब्ध है। निरवाना सीएचसी में 9 अक्टूबर को खांसी की दवा के रूप में एक हजार सिरप का स्टॉक आया था।

प्रभारी डॉ. दयाराम मीणा ने बताया 14 नवंबर से खांसी की दवा खत्म है। कायसिन कंपनी की दवा का स्टॉक है लेकिन उस पर रोक है। सितंबर में एक बार अपने स्तर पर सीएचसी प्रबंधन ने खांसी की दवा मंगवाई थी। श्रीविजयनगर सीएचसी पर एक माह से सिरप उपलब्ध नहीं है। डॉ. कमलकांत ने बताया कि विकल्प के रूप में मरीजों को गोलियां दी जा रही हैं।

मंडी 365 हेड के पीएचसी व रावला सीएचसी में एक पखवाड़े से खांसी की दवा समाप्त है। मंडी 365 हेड पीएचसी प्रभारी सिमरन बिश्नोई ने बताया कि खांसी के रोगी अपने स्तर पर बाहर से दवा ले रहे हैं। पीएचसी स्तर पर रोगियों के लिए बाहर से दवा खरीदने की शक्तियां स्टाफ के पास नहीं हैं। इधर रावला मंडी सीएचसी के डॉ. राकेश गहन ने बताया कि खांसी की दवाई के लिए सीएमएचओ कार्यालय पत्र भिजवाया है।

केसरीसिंहपुर कस्बे के सीएचसी पर खांसी की दवा दो दिन से खत्म है। उच्चाधिकारियों को मांग भिजवाई है। एनओसी मिलने के बाद खरीद भी की जाएगी। प्रभारी डॉ. धीरज मंगल ने बताया कि इससे पहले करीबन 2 लाख की दवाइयां खरीद कर वितरित की जा चुकी हैं। इसमें खांसी सिरप भी शामिल थी। श्रीकरणपुर के सरकारी अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 500 मरीज की ओपीडी है। इनमें से अधिकांश रोगी खांसी, जुकाम और बुखार के आ रहे हैं। हर महीने औसत दो हजार से अधिक कफ सिरप की खपत है।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज अरोड़ा ने बताया कि फिलहाल एनओसी लेकर 1200 कफ सिरप स्थानीय स्तर पर क्रय की जा रही हैं। इसके बावजूद अस्पताल से कई रोगियों को अस्पताल से खांसी की दवा नहीं हो पाती। कफ सिरप के उपयोग को लेकर लोगों को जागरुक होने की जरूरत है। इसके अधिक उपयोग से बचना चाहिए। खास तौर पर बच्चों के मामले में ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है। पहले भी चार साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सप्रेसेंट देने से परहेज करते थे। छोटे बच्चों में कफ रिफ्लेक्स कम होता है। कफ सिरप में मौजूद डिप्रेसेंट से बच्चे को गहरी नींद आती है। इन स्थितियों में डेक्स्ट्रोमिथारफेन जैसे सिरप देना सही नहीं है। इसकी बजाय नेबुलाइजर का उपयोग कर खांसी का उपचार करना चाहिए। हॉस्पिटल में मरीज कफ सिरप लिखने की मांग करते हैं। अधिक उम्र में भी ज्यादा दवा लेना ठीक नहीं है।

निशुल्क दवा योजना में दी जाने वाली अकेली सिरप डेक्सामेथोरोफेन हाइड्रोक्लोराइड की सप्लाई पर प्रतिबंध के बाद अब प्रदेश के अस्पतालों में खांसी के रोगियों के लिए संकट खड़ा हो गया है। अक्टूबर से लेकर अब तक जिले में जिला अस्पताल से 18 हजार शीशी सबस्ट्यूड सिरप खरीद करके मरीजों को दी जा चुकी है। अब फिर दवा वितरण केंद्र ड्राई हो गए हैं। राज्य सरकार ने डेक्सामेथोरोफेन सिरप की सप्लाई का टेंडर किया था। उक्त दवा के सेवन से बच्चों की मौत के बाद सभी बैच पर प्रतिबंध है। अन्य किसी भी कंपनी के साथ कोई अनुबंध नहीं था। लिहाजा, पूरे प्रदेश में ही खांसी के इस सॉल्ट की कमी है। दूसरी ओर जिले भर में बुखार व खांसी के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। ओपीडी में खांसी रोगियों की संख्या औसतन 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ी है।

'किसान को उत्तम खाद, बीज व दवा मिले, इसके लिए सख्त कानून लाया जाएगा'

■ **कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा भीलवाड़ा पहुंचे, मीडिया से बात की**

भीलवाड़ा, (निसं)। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा अल्प्रवास के दौरान भीलवाड़ा पहुंचे। इस दौरान सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। मंत्री मीणा ने भीलवाड़ा सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि किसान और हम कभी भी नहीं सोच सकते कि खाद नकली हो सकता है। बीज भी घटिया हो सकता है, ऐसा पेस्टिसाइड भी बन सकता है जो किसानों की फसलों पर असर न करे। इन तीनों चीजों पर सख्त कारवाई की गई है। इस दौरान प्रदेशभर में नकली खाद व नकली बीज भी पकड़ा था। राजस्थान में व्यापक स्तर पर गलत खाद व बीज के विरुद्ध अभियान चलाया है।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसान को उत्तम खाद, बीज व दवा मिले, इसके लिए सख्त कानून लाया जाएगा, जिससे किसान को नकली खाद-बीज न मिले। मंत्री मीणा ने एसआईआर को लेकर कहा कि बिना बात राजनीतिक तूल दिया जा रहा है। विपक्ष मुद्दा बनाकर देश की जनता को गुमराह करना चाहता है। सभी ने बिहार का परिणाम देखा है। देश की जनता जो चाहती है उस मुताबिक चुनाव आयोग काम कर रहा है। एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने वाले चाहते हैं कि कुछ घुसपैठिए वोट डालें। कृषि मंत्री रविवार को एक दिवसीय भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। भीलवाड़ा सर्किट हाउस में पहुंचने पर कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा का भाजपा पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद किरोड़ी लाल मीणा ने मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बरूदनी कस्बे में शहीद जगन्नाथ मीणा की मूर्ति का अनावरण भी किया। इस दौरान सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा सहित जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

गांव हीरवाना को गढला कलां में जोड़ने पर ग्रामीणों ने विरोध जताया

■ **ग्रामीणों ने चुनावों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी**

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में कई नव ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है। ऐसे में ग्राम पंचायत मैनपुरा के राजस्व गांव हीरवाना को हटाकर नवगठित ग्राम पंचायत गढला कलां में जोड़ा गया है, जिससे हीरवाना के ग्रामीणों में भारी आक्रोश बना हुआ है। रविवार को हीरवाना गांव के ग्रामीणों की श्री कृष्ण गौशाला चंवरा हीरवाना में बैठक हुई। बैठक में ग्रामीणों ने सरकार के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने विरोध जताकर नारेबाजी की।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कहा कि हीरवाना गांव से मैनपुरा की दूरी मात्र 500 मीटर है, जबकि गढला कलां हीरवाना से 10 से 15 किलोमीटर दूर है। ऐसे में हीरवाना को नवगठित गढला कलां पंचायत में जोड़ने से हीरवाना के ग्रामीणों को पंचायत हैडक्वाटर आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, जो हीरवाना की समस्त जनता के हितों के ऊपर कुठाराघात है। ग्रामीणों ने कहा कि शीघ्र ही एक प्रतिनिधिमंडल जिले के आला अधिकारियों से मिलकर हीरवाना को ग्राम पंचायत मैनपुरा या चंवरा में शामिल करने के लिए ज्ञापन सौंपेंगा। उन्होंने बताया कि हीरवाना की राजस्व सीमा ग्राम पंचायत मैनपुरा से सटकर लगती है और मैनपुरा पंचायत हैडक्वार्टर की दूरी मात्र 500 मीटर ही है। यदि हीरवाना को ग्राम पंचायत चंवरा में भी जोड़ा जाता है तो हीरवाना से चंवरा की दूरी मात्र तीन किलोमीटर है। चंवरा की समस्त सीमा भी हीरवाना गांव से सटकर लगती है। गढला कलां जाने के लिए एक पंचायत की सीमा लांघकर हीरवाना को पंचायत हैडक्वार्टर जाना पड़ेगा।

ग्रामीणों ने कहा कि राजनैतिक द्वेषता के कारण हीरवाना को गढला कलां ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है, जो कतई स्वीकार नहीं है। शीघ्र ही हीरवाना को मैनपुरा या चंवरा में नहीं जोड़ा जाता है तो मजबूरन ग्रामीणों को धरना प्रदर्शन करना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी राजस्थान सरकार और प्रशासन की होगी। वहीं ग्रामीणों ने चुनावों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी। इस दौरान कैप्टन रामावतार लमोड़, उदमी बारवाल, दातार सिंह शेखावत, महावीर खेदड़, सूबेदार किशोर सिंह, महावीर अधाणा, खेमचंद कड़ाला, सुशील महण, सज्जन सिंह, दीपक मूंड, चौथूराम बारवाल, पालाराम बारवाल, कन्हैयालाल, जगदीशसिंह शेखावत, श्रवण सैनी, रामकरण स्वामी, विक्रम सिंह शेखावत, विकास सिंह शेखावत, भवानी सिंह शेखावत, मुकेश सिंह शेखावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

वोल्टेज की समस्या को लेकर किसानों का प्रदर्शन

■ **किसानों ने कहा कि समस्या हल नहीं होने पर 27 नवंबर को पावर हाउस का घेराव किया जायेगा**

सिंघाना, (निसं)। रविवार को घरड़ाना खुर्द के पावर हाउस पर कृषि कुओं पर गंभीर वोल्टेज समस्या को लेकर किसानों ने अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप दो घंटे विद्युत सप्लाई काट दी।

मुख्य अभियंता व अन्य उच्च अधिकारियों को फोन से समस्या से अवगत करवाने पर 26 नवंबर तक समस्या का हल होने के आश्वासन पर विरोध प्रदर्शन समाप्त किया। वहीं 26 नवंबर तक समस्या का हल ना होने पर 27 नवंबर को पावर हाउस का घेराव किया जाएगा।

किसानों में इस बात को लेकर जबरदस्त आक्रोश था कि कम वोल्टेज के कारण किसानों की मोटरें या तो जल जाती हैं या फिर अधिकांश समय बंद पड़ी रहती हैं। विरोध प्रदर्शन को अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, हरपालसिंह राव, राजकपूर, बीरबल हवलदार, समाजसेवी संदीप राव, मंदरूप, अशोक राव, हेमंत, विनोद, सत्यवीर, लीलाधर आदि ने संबोधित किया।

बदमाशों ने स्कूटी सवार महिला को लूटा

उदयपुर, (निसं)। अम्बामाता थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार बदमाश स्कूटी सवार महिला का पर्स छीन ले गए। मामले को लेकर महिला ने पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया है। जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू रामपुरा अम्बामाता निवासी प्रभा चतुर्वेदी पत्नी जगदीश चन्द्र शनिवार सांय स्कूटी पर शहर से घर लौट रही थी। जहां बीच रास्ते में ओटीसी स्कीम क्वार्टर रोड़ पर आए स्कूटी सवार तीन बदमाश झपट्टा मार पर्स छीन ले गए। पर्स में दो मोबाईल, नकदी व दस्तावेज थे। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई नरेन्द्रसिंह कर रहे हैं।

युवक की अकाल मौत :- उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात में पुला गांव निवासी राकेश (22) पुत्र बंशीलाल की अकाल मौत हो गई। राकेश रात में शादी समारोह से घर लौटा था एवं रात में नींद निकाल रहा था। हलचल नहीं होने पर परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, हेडकांस्टेबल राजपाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

ट्रेन रद्द रहेगी

जोधपुर, (कासं)। तकनीकी रखरखाव कार्य के चलते जोधपुर-साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को एक ट्रिप के लिए रद्द रहेगी। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन संख्या 12461/ 12462, जोधपुर- साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का 24 नवंबर एक ट्रिप के लिए संचालन रद्द किया गया है।

पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, चार घायल

बयाना/भरतपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के गांव नगला बेड़ा महरावर में रविवार को पेड़ काटने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते विवाद का रूप ले लिया और दोनों ओर से मारपीट हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के दो-दो लोग घायल हो गए। घायलों को बयाना उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर सदर थाने में क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवाद घर के बाखर में एक पेड़ को काटने को लेकर शुरू हुआ था, जो बाद में झगड़े में बदल गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चिड़ावा की पूर्व प्रधान ने मोर्चा खोला

पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़, चिड़ावा बीडीओ अनिशा बिजारणियां और अपनी ही पार्टी कांग्रेस के उपप्रधान विपिन नूनियां पर आरोप लगाए

■ **'जो भ्रष्टाचार का खेल पिछले एक साल में चिड़ावा पंचायत समिति में हुआ है, वे उसकी ना केवल जांच करवाएगी, बल्कि दोषियों को जेल पहुंचाने तक की लड़ाई लड़ने वाली है'**

■ **इंदिरा डूडी ने चिड़ावा पंचायत समिति में 45 प्रतिशत तक कमिशन, जीएसटी के नाम से वसूलने का आरोप लगाया**

झुंझुनूं, (निसं)। दो दिन पहले झुंझुनूं जिले की चिड़ावा पंचायत समिति प्रधान इंदिरा डूडी के इस्तीफे की खबर सामने आई थी। अब इस्तीफा देने के बाद चिड़ावा पंचायत समिति की पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने ना केवल पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़, बल्कि चिड़ावा बीडीओ अनिशा बिजारणियां और अपनी ही पार्टी कांग्रेस के उपप्रधान विपिन नूनियां पर जमकर आरोप लगाए हैं और कहा है कि जो भ्रष्टाचार का खेल पिछले एक साल में चिड़ावा पंचायत समिति में हुआ है, वे उसकी ना केवल जांच करवाएगी, बल्कि दोषियों को जेल पहुंचाने तक की लड़ाई लड़ने वाली है।

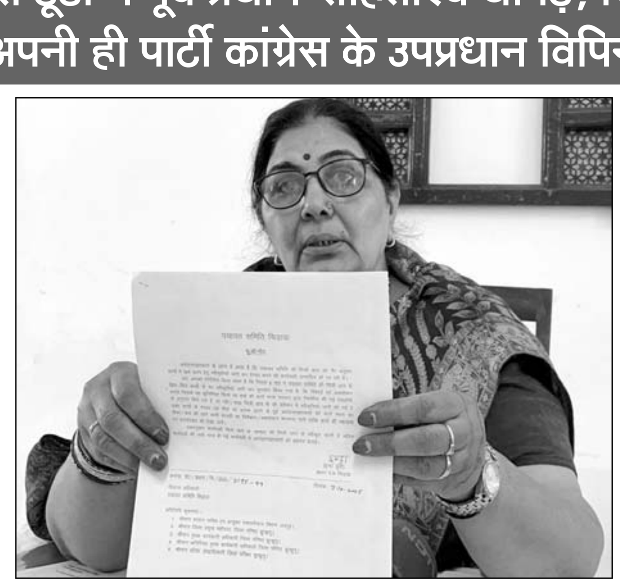

चिड़ावा पं. समिति की पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने प्रेसवार्ता की।

जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार जैसे आरोपों से क्लिन चिट मिलने के बाद झुंझुनूं जिले की चिड़ावा पंचायत समिति की प्रधान इंदिरा डूडी ने फिर से कार्यभार संभाल लिया था, लेकिन उन्होंने अब अपना इस्तीफा देते हुए पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़, बीडीओ अनिशा बिजारणियां तथा उप प्रधान विपिन नूनियां के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने झुंझुनूं में हुई प्रेस वार्ता में आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़ ने अपने करीबी धर्मपाल और बीडीओ अनिशा बिजारणियां के साथ पार्टनरशिप में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी बनाई है। इसी फर्म को चिड़ावा पंचायत समिति के 90 प्रतिशत से ज्यादा कार्य दिए गए हैं। वहीं सरपंचों और ग्राम विकास अधिकारियों को भी पाबंद किया गया है कि पंचायतों में जो भी काम होंगे, वो सभी इसी कंस्ट्रक्शन कंपनी से होंगे। साथ ही उन्होंने चिड़ावा पंचायत समिति में 45 प्रतिशत तक कमिशन, जीएसटी के नाम से वसूलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वे एक-एक कार्य की जांच करवाएगी, जिसके बाद ना केवल जनता का पैसा वापिस पंचायत समिति आएगा। बल्कि दोषी जेल जाएंगे।

इधर, पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने अपनी ही कांग्रेस पार्टी के उप प्रधान और यूथ कांग्रेस के पिलानी विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष विपिन नूनियां पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें झूठे आरोपों के बाद पद से हटाया गया था। तो कायदे से उप प्रधान को चार्ज दिया जाना था, लेकिन पता नहीं किस लालच या फिर किन परिस्थितियों के कारण विपिन नूनियां ने खुद प्रधानी नहीं ली और बाकायदा सरकार को पत्र लिखकर कहा कि वे अपने कार्यों में व्यस्त होने के कारण प्रधान का चार्ज लेने में असमर्थ है। यही नहीं उन्होंने इसी पत्र में पंचायत समिति सदस्य रोहिताश्व धांगड़ को चार्ज देने की सिफारिश तक दी। यह पहली बार हुआ कि सरकार जिसे प्रधानी सौंप रही थी, वो लेने से मना कर रहा था और सिफारिश में भी एक ऐसे व्यक्ति की कर रहा था जो प्रतिद्वंद्वी भाजपा पार्टी के पाले में था। यह जांच का विषय है। इसकी जानकारी वे कांग्रेस आलाकमान तक पहुंचाएगी।

प्रेस वार्ता में चिड़ावा की पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने नाम लिए बगैर झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू पर भी कई आरोप लगाए और कहा कि भांबू ने सरकार पर दबाव बनाया, ताकि इंदिरा डूडी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। बहरहाल, डूडी ने प्रेस वार्ता में यह भी साफ किया कि उन्होंने क्लीन चिट मिलने के बाद दुबारा अपना कार्यभार संभाल लिया था, लेकिन पांच दिनों में जिस तरह का माहौल और भ्रष्टाचार का गदर पंचायत समिति में देखा। उसी दिन इस भ्रष्टाचार को बेनकाब करने का संकल्प लिया और अपना इस्तीफा दे दिया। पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी की मानें तो अब उनका यही मिशन है कि जनता की सेवा करते हुए कथित भ्रष्टाचारियों को बेनकाब कर उनका सजा दिलवाना। वहीं विधायक राजेंद्र भांबू और पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़ ने सारे आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

राजगढ़ भैरव धाम पर हजारों श्रद्धालुओं ने नशा त्यागने का संकल्प लिया

■ **राजगढ़ मसानिया भैरव धाम पर पल्स पोलियो दिवस मनाया गया**

अजमेर/राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ मसानिया भैरव धाम पर 23 नवम्बर को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित पल्स पोलियो दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य उपासक चंपालाल महाराज के सानिध्य में बाघसुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुपरवाइजर सुषमा कुमारी और फार्मासिस्ट शिल्पा बिस्वास की उपस्थिति में 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई। वहीं राजगढ़ भैरव धाम पर हजारों श्रद्धालुओं ने नशा त्यागने का संकल्प लिया।

मुख्य उपासक चंपालाल महाराज के सानिध्य में पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि पोलियो बूथ की व्यवस्था एवं बच्चों को खुराक पिलाने में समाजसेवक सत्यजीत बिस्वास और पूनम वर्मा ने विशेष सहयोग दिया। चंपालाल महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पोलियो की दो बूंद बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए अमृत समान है। उन्होंने बताया कि देश पोलियो मुक्त घोषित हो चुका है, लेकिन जरा सी लापरवाही वायरस की वापसी का खतरा बढ़ा सकती है, इसलिए प्रत्येक अवसर पर बच्चों को पोलियो खुराक अवश्य दिलानी चाहिए। रविवारीय मेले में पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने चंपालाल महाराज की प्रेरणा से श्री मसानिया भैरव धाम पर चल रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, डोडा-पोस्त, अफीम, चरस, गांजा और अपराध जैसी बुरी आदतों को त्यागने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में बूथ संचालन एवं व्यवस्था में सुपरवाइजर सुषमा कुमारी, फार्मासिस्ट शिल्पा बिस्वास, समाजसेविका पूनम वर्मा, सत्यजीत बिस्वास सहित भैरव भक्त मंडल के ओमप्रकाश सेन, रमेश सेन, राहुल सेन, अविनाश सेन, पदमचंद जैन, सुनील रांका, दिलीप राठी, महावीर रांका, सत्यनारायण सेन, ममता सोनी आदि का विशेष योगदान रहा।

वृंदावन जा रही कार को थार गाड़ी ने टक्कर मारी, दो की मौत, सात श्रद्धालु घायल

जयपुर के फागी निवासी अपने परिवार सहित वृंदावन दर्शन के लिए जा रहे थे, सेवर-मथुरा बाईपास पर हुआ हादसा

- प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार व लापरवाही से की गई ओवरटेकिंग पाया गया है
- हादसे में कार चालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात श्रद्धालु घायल हो गए

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के सेवर थाना क्षेत्र मथुरा बाईपास स्थित मुरवारा रोड के पास शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में वृंदावन दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं की ईको कार को पीछे से तेज रफ्तार थार गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कार चालक और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेवर थाना प्रभारी सतीश शर्मा के अनुसार जयपुर के फागी निवासी अपने परिवार सहित वृंदावन दर्शन के लिए जा रहे थे। शनिवार देर रात ईको गाड़ी सेवर-मथुरा बाइपास पर मुरवारा रोड के पास भीषण हादसे का शिकार हो गई। पीछे से तेज रफ्तार थार ने ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों वाहन अनियंत्रित होकर पलट गए।

हादसे में कार चालक नरेंद्र (29) पुत्र मुरली और नीतू (24) निवासी फागी, जयपुर की मौके पर ही मौत हो गई। 108 एंबुलेंस के पायलट तेजपाल ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और कार में फंसे घायल श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकालकर आरबीएम अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में सात श्रद्धालु घायल हुए हैं, जिनमें जीतू, अशोक, रेखा, किसनी, सीता सहित अन्य लोग शामिल हैं। सभी का अस्पताल में उपचार जारी है।

पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही से की गई ओवरटेकिंग पाया गया है। पुलिस ने मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है। रविवार सुबह परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कर शव सौंपे जाएंगे। मृतकों के परिजनों में शोक की लहर है। परिजनों ने बताया कि वे वृंदावन दर्शन के लिए जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

शिक्षा विभाग ने 620 स्कूल प्रिंसिपल के ट्रांसफर किये

- कई शिक्षक नेताओं को भी जिले से बाहर भेजा, संशोधन के इंतजार में बैठे अधिकांश निराश हुये
- शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर लिस्ट करीब एक महीने पहले ही फाइनल कर दी थी

बीकानेर, (निसं)। लंबे इंतजार के बाद शिक्षा विभाग ने राज्यभर के 620 प्रिंसिपल के ट्रांसफर कर दिए हैं। सख्ती दिखाते हुए शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों जारी पांच हजार प्रिंसिपल की ट्रांसफर लिस्ट में ज्यादा संशोधन नहीं किए हैं। 700 से ज्यादा प्रिंसिपल अपने तबादला आदेश में संशोधन का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अधिकांश को निराशा ही हाथ लगी है। कई बड़े शिक्षक नेताओं को भी इस लिस्ट में शहर से बाहर निकाल दिया गया है। वहीं गुहार लगा चुकी महिला प्रिंसिपल को भी गृह जिला नहीं मिल पाया है।

रविवार सुबह जारी इस लिस्ट को जारी करने से पहले मुख्यमंत्री सचिवालय से स्वीकृति ली गई। शिक्षा मंत्री स्तर पर तैयार लिस्ट को पहले मुख्यमंत्री सचिवालय भेजा गया था, जहां करीब एक महीने तक ये लिस्ट अटकी रही। अब इसे स्वीकृति मिली है, लेकिन कई नाम हटा दिए गए हैं। प्रदेश के लगभग सभी जिलों से ट्रांसफर किए गए हैं। शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर लिस्ट करीब एक महीने पहले ही फाइनल कर दी थी। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से एक टीम को जयपुर बुलाया गया था, जहां रिक्त पदों के आधार पर सूची तैयार की गई। इसके बाद एक प्रिंसिपल को हटाकर दूसरे को लगाने की कवायद की गई। ये लिस्ट करीब 700 प्रिंसिपल की थी, लेकिन स्वीकृत होते-होते इसमें प्रिंसिपल की संख्या घटकर 620 ही रह गए। शिक्षा निदेशालय से ही प्रिंसिपल स्तर के अधिकारियों को अन्य जिलों में भेज दिया गया है। इस ट्रांसफर लिस्ट का इंतजार उन प्रिंसिपल का था, जिन्हें दो महीने पहले जारी लिस्ट में जिले से बाहर अन्य जिले में लगाया गया था। कुछ प्रिंसिपल को तो फिर से गृह जिला मिल गया लेकिन अधिकांश के आदेश में संशोधन नहीं हुआ। यहां तक कि गुहार लगा चुकी महिला प्रिंसिपल को भी गृह जिला नहीं मिल पाया है।

हनीट्रैप में फंसाकर रुपये मांगे, बाबरिया गैंग के छह सदस्य गिरफ्तार

- दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर दो लाख रुपये मांग रहे थे

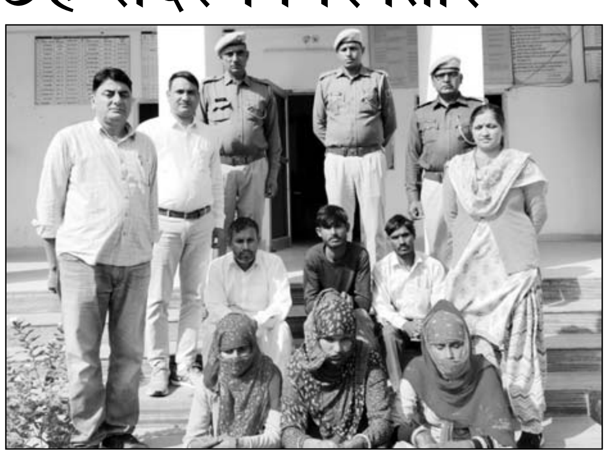

पुलिस ने हनीट्रैप मामले में बाबरिया गैंग का पर्दाफाश किया

पाटन, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने हनीट्रैप के जरिए युवक को ब्लैकमेल कर दो लाख रुपये वसूलने की कोशिश कर रहे बाबरिया गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरोह की तीन महिलाओं सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामला पाटन निवासी ई-मित्र संचालक अनूज कुमार सैनी की रिपोर्ट पर उजागर हुआ, जिसमें उसने खुद को झूठे दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी मिलने की बात कही थी। अनुज कुमार सैनी की रिपोर्ट के अनुसार एक महिला लगातार बातचीत कर उससे नज़दीकी बढ़ाने लगी और मुलाकात का दबाव बनाने लगी। युवक के मिलने पर महिला के साथ आए आरोपी उसे फर्जी दुष्कर्म मामले में फंसाने की धमकी देकर दो लाख रुपये की मांग करने लगे। पीड़ित द्वारा पैसा देने से इंकार करने पर आरोपी लगातार दबाव और धमकियां देते रहे। मामले को गंभीरता से लेते हुए पाटन थानाधिकारी रमेश मीणा ने नीमकाथाना, अजीतगढ़ और शाहपुरा में दबिश देकर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया। इनमें अशोक पुत्र रमेशचन्द निवासी खिंवाला, खुशी देवी पत्नी ओमप्रकाश निवासी बामलड़ा जोहड़ा, ओमप्रकाश पुत्र सांवराम निवासी बामलड़ा, सुमेर पुत्र नाहरू निवासी घाटा, नारायणी पत्नी सुमेर सिंह निवासी घाटा और कौशल्या देवी पत्नी ओमप्रकाश निवासी बामलड़ा झोहड़ा शामिल हैं।

जांच में सामने आया कि गिरोह की महिलाएं पहले किसी युवक से दोस्ती कर संपर्क बढ़ाती है, फिर मुलाकात के बहाने उसे सुनियोजित जाल में फंसाकर अश्लील स्थिति पैदा की जाती, जिसके बाद गैंग के अन्य सदस्य आकर झूठे दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे वसूलते थे। पुलिस को आशंका है कि यह गैंग इलाके में लंबे समय से सक्रिय है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और इससे जुड़े पुराने मामलों की भी जांच कर रही है।

13 लाख की ठगी के मामले में दो गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। मेडिकल इमरजेंसी का बहाना बनाकर ज्वैलर्स से 13 लाख रुपए ठगने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्रमसिंह (27) पुत्र मूलसिंह और किशोरसिंह (28) पुत्र मूलसिंह के रूप में हुई है। सदर थाना बाजार पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। ठगी में शामिल अन्य नेटवर्क की जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि राजस्थान ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि ठगों ने खुद को मुम्बई नाकोडा बुलियन एंड ज्वैलर्स का मालिक बताया और कहा कि घर में अर्जेंट मेडिकल प्रॉब्लम है, जिसके लिए तत्काल रुपए चाहिए। झांसे में आकर ज्वैलर ने अपने स्टाफ के जरिए दिल्ली में बैठे व्यापारी को 13 लाख रुपए दिलवा दिए। बाद में पता चला कि कॉल फर्जी था और वास्तविक ज्वैलर्स ने ऐसा कोई फोन नहीं किया। इसके बाद उन्होंने 24 अक्टूबर 2024 को सदर बाजार थाने में मामला दर्ज करवाया था। इसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नम्बर और ट्रांजेक्शन की जानकारी जुटाई जा रही है।

सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक दिखेगी

प्रदेश में सरकारी व निजी स्कूल के विद्यार्थी और स्टाफ सप्ताह में एक दिन राजस्थानी वेशभूषा में आएंगे

- शिक्षक व छात्र धोती-कुर्ता और साफा, शिक्षिकाएं और छात्राएं लहंगा-चुनरी में दिखेंगी
- शिक्षा मंत्री ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की, राजस्थान में शैक्षिक सत्र एक जुलाई के बजाय एक अप्रैल से शुरू होगा

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में सप्ताह में एक दिन राजस्थानी लोक संस्कृति की झलक दिखाई देगी। तय दिन बच्चे, शिक्षक और पूरा स्टाफ राजस्थानी वेशभूषा पहनकर आएंगे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इस प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी है। मंत्री के आदेश के पीछे मंशा जताई जा रही है कि इससे बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ना और राज्य की परंपराओं को स्कूल तक ले जाने में मदद मिलेगी। शिक्षक व छात्र धोती-कुर्ता और साफा, शिक्षिकाएं और छात्राएं लहंगा-चुनरी में दिखेंगी।

भारत सरकार के प्रस्ताव से सहमति जताते हुए, शिक्षा विभाग ने सप्ताह में एक दिन इस नवाचार के लिए कहा है। सीडीईओ गिरजेश कांत शर्मा का कहना है कि बच्चों को संस्कृति का ज्ञान होना अच्छी बात है। सरकार से इस संबंध में अभी लिखित आदेश नहीं मिले हैं, लेकिन जैसे ही आदेश मिलेंगे पालना अक्षरत लागू करवा दी जाएगी। केंद्र ने पत्र में यह भी सुझाव दिया है कि राज्य सरकार को भारत की वस्त्र विरासत के साथ गहरा संबंध विकसित करना चाहिए। संस्कृति के हिस्से के रूप में सप्ताह में एक बार स्कूल यूनिफॉर्म और विवि ड्रेस में हथकरघा वस्त्र को शामिल करना चाहिए।

शिक्षा मंत्री कार्यालय के अनुसार केंद्रीय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने विद्यालयों में सांस्कृतिक जागरूकता की पहल के मद्देनजर राज्य सरकार को पत्र भेजा था। उसमें प्रदेश के सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों एवं स्टाफ के लिए स्थानीय वेशभूषा (गहने/आभूषण छोड़कर) पहनकर आने के लिए प्रेरित को लिखा था। विभाग का मानना है कि ऐसा करना राज्य की सांस्कृतिक जागरूकता, लोक संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सरकारी और निजी स्कूलों में समान ड्रेस कोड लागू होगा राजस्थान के शिक्षा विभाग ने इससे पहले सरकारी और निजी स्कूलों में एक-समान यूनिफॉर्म लागू करने का बड़ा फैसला लिया था जिसके अनुसार सभी स्कूलों में विद्यार्थियों की ड्रेस एक जैसी होगी, जिसमें टाई शामिल नहीं होगी। इसके साथ ही, शिक्षकों के लिए भी यूनिफॉर्म और आईडी कार्ड अनिवार्य करने की योजना बताई गई।

शैक्षिक सत्र में बदलाव, 1 अप्रैल से शुरुआत :- शिक्षा मंत्री ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की। राजस्थान में शैक्षिक सत्र 1 जुलाई के बजाय 1 अप्रैल से शुरू होगा। इस बदलाव का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध हो सकें। साथ ही, गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

सुबह-शाम बजेगा राष्ट्रीय गान और गीत :- मदन दिलावर ने अपने तीनों विभागों - पंचायती राज, शिक्षा और संस्कृत विभाग के लिए एक अनोखा नियम लागू करने की बात कही थी। इन विभागों के कार्यालयों की शुरुआत राष्ट्रीय गान के साथ होगी और समापन राष्ट्रीय गीत के साथ किया जाएगा। इसके अलावा, कर्मचारियों की हाजिरी तभी दर्ज होगी, जब वे राष्ट्रीय गान और गीत के दौरान उपस्थित होंगे।

मकान से नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान का चोर ताला तोड़कर नकदी चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सोनू पत्नी प्रकाश तेली निवासी लेलियों का मोहल्ला बुझड़ा ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि 21 नवंबर रात में मुझड़ा में स्थित मकान का चोर ताला तोड़कर नकदी चुरा ले गए। इसका पता चलने पर चोरी गई नकदी की जानकारी बाद में देने की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, पांच बाइक जब्त

- चोरी की गई बाइक को ग्रामीण इलाकों में सस्ते दामों पर बेच देते थे

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही से चोरी की पाँच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में महेन्द्र विश्नोई एवं दिनेश विश्नोई शामिल हैं। पूछताछ में शहर से कई मोटरसाइकिलें चोरी करने की बात स्वीकार की है।

जानकारी के अनुसार 3 नवंबर को प्रार्थी धन्नाराम शर्मा निवासी पीपलिया खुर्द ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह झालामंड चौराहा स्थित माखन भोग स्वीट्स पर नाश्ता लेने गया था, जहां से उसकी मोटरसाइकिल अज्ञात चोर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने एवं त्वरित खुलासा करने के लिए थानाधिकारी हमीर सिंह भाटी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच, वाहन चोरी से जुड़े संदिग्ध अपराधियों से पूछताछ की। शक के आधार पर आरोपियों की पहचान की और उन्हें दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी शहर से भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाते थे। चोरी की गई बाइक को अपने गांव ले जाकर बाद में ग्रामीण इलाकों में सस्ते दामों पर बेच देते थे।

दो सौ बीघा के चारागाह में आग लगी

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। भुसावर उपखंड के खेड़ली मोड़ थाना इलाके में बाण गंगा नदी के पेटे में चारागाह के अंदर उगे पाला पूला में अज्ञात कारणों आग लग गई।

छात्र नेता कौशल फौजदार ने बताया कि रविवार को दोपहर बाद खेड़ली मोड़ थाना इलाके के गांव खान पुर वाछरेन हिंगोटा के आस पास बाण गंगा नदी के करीबन दो सौ बीघा इलाके में उगे पाला पूला तथा पेड़ों में अज्ञात कारण से आग जनी की सूचना मिली। आगजनी की सूचना पर तुरन्त खेड़ली मोड़ थाना अधिकारी राजेश कुमार कसाना मय पुलिस एवं उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा तहसीलदार अभयराज सिंह ने जिले के उच्चाधिकारियों सहित आईअे सी के अधिकारियों को दी।

उपखंड अधिकारी ने बताया कि आगजनी की सूचना पर अलवर के खेड़ली, नदबई, उच्चैन, भुसावर, वैर तथा जिला मुख्यालय सहित सात से अग्निशमन के वाहन आगजनी वाले सांकेतिक स्थानों पर गए तथा बाण गंगा नदी के पेटे के दौ सौ बीघा चारागाह में लगी आग पर अग्निशमन कर्मियों के अलावा भुसावर सीओ वीरेंद्र शर्मा, खेड़ली मोड़ थानाधिकारी राजेश कुमार कसाना मय एएसआई महेश कुमार, हेड पुलिस कांस्टेबल भूपेंद्र कुमार, शिव सिंह पुलिस कांस्टेबल बबलू, गोपाल, खेमराज, पप्पा सिंह के अलावा आकाश सोलंकी, गोलू खानपुर, सौरभ कटारिया आदि ने आग पर पांच घंटे में काबू पाया।

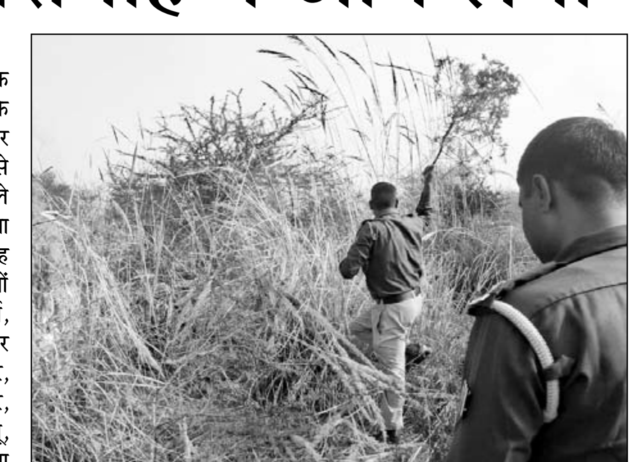

आग पर पुलिस एवं ग्रामीण जनों ने पांच घंटे में काबू पाया।

नेत्रा मंटेना व वामसी गडिराजू की उदयपुर के जगमंदिर में हुई शादी

उदयपुर में यूएस बिलेनियर रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना व वामसी गडिराजू वैवाहिक सूत्र में बंधे।

शादी में शामिल होने आए अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे जूनियर ट्रम्प जोधपुरी सूट में दिखाई दिए।

- यूएस बिलेनियर राजू मंटेना की बेटी की शादी से विश्व पटल पर छाया उदयपुर
- जोधपुरी सूट पहने दिखाई दिए अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे जूनियर ट्रम्प

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में यूएस बिलेनियर रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना व वामसी गडिराजू की रविवार को जग मंदिर में शादी हुई। शादी की रस्में सुबह शुरू हो गई और दोपहर बाद वैवाहिक रस्में पूरी करने के बाद दुल्हा-दुल्हन ने एक-दूसरे को माला पहनाई। इधर, इस शाही शादी ने एक बार फिर उदयपुर को सुर्खियों में ला दिया है। रॉयल वेडिंग में हॉलीवुड, बॉलीवुड जगत के सितारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। शादी समारोह में शरीक होने आए अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे जूनियर ट्रम्प शादी समारोह में जोधपुरी सूट में दिखाई दिए।

यूएस बिलेनियर राजू मंटेना की इस शाही शादी में प्रस्तुतियों को लेकर रविवार को भी मेहमानों का आना लगा रहा। रविवार शाम साउथअफ्रीका के मशहूर डीजे नकोसिनाथी इनोसेंट मापुमुलो जिनका स्टेज नाम 'ब्लैक कॉफी' है वे भी उदयपुर पहुंच गए। इस रॉयल वेडिंग में आज सबसे महंगा इवेंट होने वाला है जिसमें ग्लोबल म्यूजिक आइकन जेनिफर लोपेज अपनी प्रस्तुति देगी। वे शुक्रवार देर रात उदयपुर पहुंच गई थी और शनिवार को उन्होंने रिहर्सल भी की इसके बाद आज वे शादी समारोह में शरीक हुई और भारतीय संस्कृति से रूबरू होते हुए साड़ी पहने नजर आई। पीछोला झील के बीच स्थित जग मंदिर में रविवार सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वैवाहिक रस्में शुरू हुई जो दोपहर तक चली। विशेष रूप से इस शाही शादी में शामिल ट्रम्प जूनियर क्रीम कलर के जोधपुरी सूट में दिखाई दिए।

इससे पहले शनिवार रात को मेहंदी नाईट में कैनेडियन डांसर व बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने लोगों को थिरकाया वहीं माधुरी दीक्षित ने बॉलीवुड गीतों पर अपनी प्रस्तुतियां दी। इसके साथ ही दुनिया का सबसे बड़ा सर्कस कहे जाने वाले 'सर्क डू सोलेइल' के कलाकारों ने कई हैरतअंगेज कलाबाजियां मेहमानों के सामने पेश की। 'बलून लेडी' की प्रस्तुति ने तो मेहमानों को आश्चर्यचकित कर दिया। इसमें एक लेडी आसमान में 300-400 बलून पर करीब 50 मीटर ऊपर तक कपड़ों के जॉइंट के सहारे से कला दिखाती है। वैवाहिक रस्में आज पूरी होने के बाद सिटी पैलेस के जनाना महल में मेहमानों के लिए डीनर होगा और माणक चौक में आफ्टर पार्टी में जेएलओ 'जेनिफर लोपेज' की प्रस्तुति होगी। इसके बाद सोमवार को मेहमान लौटना शुरू हो जाएंगे।

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

- लाडाकाबास सर्विस लाइन पर कंटेनर ने ऊंट गाड़ी को टक्कर मारी

पावटा, (निसं)। लाडाकाबास राष्ट्रीय राजमार्ग-48 सर्विस लाइन की सड़क पर एक कंटेनर ने ऊंट गाड़ी को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई व एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल कोटपुतली में भर्ती कराया गया है। वहीं, चालक कंटेनर को मौके पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। प्रागपुरा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मृतक के पुत्र पूरणमल गुर्जर ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि रविवार सुबह करीब 11 बजे के करीब मेरे पिताजी सुल्तान पुत्र नारायण निवासी सीतापुरा व जगदीश पुत्र रामनिवास निवासी निमली ऊंटगाड़ी से पावटा से सर्विस लाइन रोड से अपनी साइड से अपने गांव लाडाकाबास आ रहे थे तभी एक कंटेनर रोंग साइड से लापरवाही पूर्वक तीव्रगति से आया व अनियंत्रित होकर ऊंटगाड़ी को टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे में ऊंटगाड़ी सवार मेरे पिताजी सुल्तान पुत्र नारायण निवासी सीतापुरा की मौत हो गई व जगदीश पुत्र रामनिवास निवासी निमली गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पावटा उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल कोटपुतली रेफर किया गया। वही इस हादसे को लेकर मौके पर ग्रमीण एकत्रित हो गए व शव को रख आक्रोश जताते हुए धरना प्रदर्शन किया।

पुलिस कार्मिकों की लापरवाही पर ग्रामीणों ने धरना दिया।

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर भी पुलिस एक घंटे बाद पहुंची व हादसे के समय राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर दूसरी तरफ मौके पर इंटरसेप्टर में मौजूद पुलिसकर्मी वाहनों का चालान काटने में लगे हुए थे व हादसे होने के दौरान वहां से चले गए। ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कोटपुतली को मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही की मांग की। वहीं एम्बुलेंस कर्मी द्वारा शव को ले जाने के लिए मना करने पर एम्बुलेंस कर्मियों पर भी कार्यवाही की मांग की, कि सर्विस लाइन पर वाहन खड़े न होने दें, ताकि हादसों को रोका जा सके। मदन यादव ने बताया कि दूरभाष के जरिए पुलिस अधीक्षक कोटपुतली द्वारा पुलिसकर्मियों व एम्बुलेंस कर्मियों पर कार्यवाही के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। इस दौरान मदन यादव, रोशन सैनी, ओमप्रकाश, बलदेव, मुखराम, प्रकाश, मुकेश, भागीरथ, बाबूलाल, रामकुँवार, जगदीश, कालूराम, लाला, महेश, रामसिंह, गोकुल, रामकुमार, हंसराज सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज

- मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी उसके पुत्र व परिजनों के खिलाफ पति को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता शिवानी पत्नी पुष्पेन्द्रसिंह चौहान निवासी आई ब्लॉक गोवर्धन विलास ने आरोपी भगवानदास चावला, अमित पुत्र भगवानदास, अलका पत्नी भगवानदास, सोनम पत्नी अमित निवासी खारीवाल जावरा एमपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीड़ित ने बताया कि मेरे पति के साथ आरोपियों से हिस्सेदारी में काम शुरू कर ब्रांण्ड बास्केट व दी एटदीरेट नाम से कपड़ों की दुकानें खोली, जिसमें दोनों ने हिस्से के अनुसार निवेश किया। कुछ समय बाद लाभ नहीं होने पर आरोपियों ने रूपये वसूली करने के लिए पति को परेशान करना शुरू कर दिया। इसके चले मेरे पति पुष्पेन्द्र ने 15 जुलाई को विशाक्त वस्तु सेवन कर ली जिसके चलते दूसरे दिन उसकी मौत हो गई। आरोपियों द्वारा परेशान करने से पति ने आत्महत्या की। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

दिल्ली में "सशक्त समाज, समृद्ध भारत" सम्मेलन में जुटे 35 देशों के प्रतिनिधि

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राजस्थान विधानसभाध्यक्ष देवनानी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने सिन्धी समाज के समृद्ध इतिहास के लेखन की आवश्यकता पर बल दिया
- वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएं सिंधी समाज : देवनानी

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में रविवार को विश्व सिन्धी हिन्दू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन की ओर से "सशक्त समाज, समृद्ध भारत" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ।

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष और विश्व सिन्धी हिन्दू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन के संरक्षक वासुदेव देवनानी ने सिन्धी समाज का आव्हान किया है कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अपना पर्याप्त योगदान देकर समाज की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाए। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक सिंध संस्कृति, भाषा और सिन्धी समाज पर डिजिटल सिन्धी हेरिटेज प्रोजेक्ट बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। देवनानी रविवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व सिन्धी हिन्दू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला के मुख्य आतिथ्य में सशक्त समाज, समृद्ध भारत विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर भारत सहित 35 देशों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। लोकसभाध्यक्ष ओम बिडला ने सिन्धी समाज के समृद्ध इतिहास के लेखन की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन के दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह थे।

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आधुनिक भारत के विकास में सिंधी समाज का योगदान किसी से भी कम नहीं रहा है। यही कारण है कि आज देश के कुल इनकम टैक्स देने वालो के सिंधियों का योगदान 24 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सिंध संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीनतम संस्कृति है और सिन्धी भाषा भी विश्व की सबसे समृद्धशाली ऐसी भाषा है, जिसकी लिपि में 52 अक्षर है। हमें सिंध और सिन्धी समाज और भाषा पर गर्व होना चाहिए क्योंकि आज भारत ही नहीं विश्व के हर कौने में सिन्धी समाज बसा हुआ है। यहां तक कि बारबाडोस जैसे सुदूर क्षेत्र में भी सिन्धी समाज के लोग बसे हुए है। अरबों की संपतियों को छोड़ इसलिए भारत आए थे क्योंकि उन्हें अपनी मातृ भूमि ,जीवन मूल्यों और सनातन धर्म संस्कृति से अथाह प्यार था। सिन्धी समाज के लोगों ने अपना वतन और सब कुछ त्यागने के बाद भारत आकर अपने पुरुषार्थ से अपने आपको को पुनः खड़ा किया तथा आज पुरुषार्थ से परमार्थी बन गए है।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने प्रधानमन्त्री मोदी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने विभाजन के दर्द को महसूस करते हुए हर वर्ष 14 अगस्त को विभीषिका दिवस मानने की घोषणा की है। देवनानी ने बताया कि अपने शिक्षा मन्त्री कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजस्थान के अजमेर और कोटा में सिंधु शोध पीठ की स्थापना कराने के साथ ही महाराजा दाहिर सेन, महान क्रांतिकारी हेमू कालानी के साथ ही सिन्धी संतों सन्त तेऊ राम,सन्त चंद्र भगवान,सन्त कंवर राम आदि की जीवनियों को स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल कराया था। अपने भाषण के अंत में देवनानी ने "जिए सिंध, जिए हिन्द" का नारा दिया।

सम्मेलन में इंदौर मध्य प्रदेश के सांसद शंकर लालवानी ने नई दिल्ली में सिंधु भवन बनाने की माँग रखी। इस अवसर पर सिंधी समाज के कई वक्ताओं ने भी अपने विचार प्रकट किए। विश्व सिन्धी हिन्दू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गुरूमुख जगवानी ने सम्मेलन में आए प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विश्व सिन्धी हिन्दू फाउंडेशन ऑफ़ ऐसोसिएशन द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला के मुख्य आतिथ्य और सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में आयोजित सशक्त समाज, समृद्ध भारत विषयक सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी स्वर्गीय इन्दिरा देवनानी को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस सम्मेलन में देश विदेश के 35 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में लायन सफारी बनी पर्यटकों की पहली पसंद

रविवार को 2068 लोगों ने किया रोमांचकारी वन्यजीव दर्शन

पर्यटकों ने रविवार को जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघों की अठखेलिया निहारी।

-कार्यालय संवाददाता-

- एशियाटिक लायन और व्हाइट टाइगर बने पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र

जयपुर। राजधानी जयपुर स्थित नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार का दिन रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। सुहावने मौसम और अवकाश के संगम ने पर्यटकों को बड़े पैमाने पर प्रकृति के करीब खींचा, जिसके परिणामस्वरूप कुल 2068 पर्यटकों ने उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से अवलोकन किया। उद्यान में सुबह से ही दर्शकों की आवाजाही बढ़ती रही और पूरा परिसर जीवंत माहौल से गुलजार रहा।

सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इस रविवार लायन सफारी सबसे बड़ा आकर्षण बनी रही। कुल 432 पर्यटकों ने सफारी में भाग लेकर एशियाटिक लायन को बेहद करीब से देखने का रोमांचक अनुभव लिया। शेरों की चंचल हरकतें, साहसिक अभिव्यक्ति और जंगल का प्राकृतिक वातावरण पर्यटकों के लिए अविस्मरणीय रहा।

इसके अलावा व्हाइट टाइगर भी पर्यटकों की उत्सुकता का केन्द्र बना रहा। कई परिवार, स्कूल समूह और पर्यटक विशेष रूप से टाइगर देखने पहुंचे और उसके स्वभाव तथा गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। शहर के मध्य में हरियाली, शांत वातावरण और वन्यजीवों का यह अनूठा संगम पर्यटकों के लिए एक परफेक्ट वीकेंड आउटिंग साबित हुआ।

मुख्य वन संरक्षक डॉ. टी. मोहनराज के निर्देशन में उद्यान में सुरक्षा, साफ-सफाई, गाइडेंस, मार्गदर्शन और अन्य सुविधाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है। पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लायन सफारी गेट एवं बस ड्राइवरों को वायरलेस सेट उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि सफारी संचालन और संचार व्यवस्था अधिक प्रभावी रहें।

रविवार को डीसीएफ विजयपाल सिंह और एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने उद्यान का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश प्रदान किए। पर्यटकों की सुरक्षा, वाहन व्यवस्था और सफारी संचालन में राजाराम मीणा, सोनू मीणा, कैलाश, सहायक वनपाल हंसा देवी, सरिता चौधरी, उमेश वशिष्ठ, निर्मला देवी और भंवर सिंह की सराहनीय भूमिका रही, जिन्होंने पूरे दिन सुचारू रूप से सेवाएं प्रदान कीं।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान इन दिनों जयपुरवासियों और बाहरी राज्यों से आने वाले पर्यटकों के लिए प्राकृतिक सौन्दर्य, रोमांच और ज्ञानवर्धक अनुभव का प्रमुख केन्द्र बनता जा रहा है। आने वाले दिनों में पर्यटन सीजन के बढ़ने के साथ यहां पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावनाएं हैं।

निकारागुआ, म्यांमार और वेस्टइण्डीज में 1984 विकलांगों को जयपुर फुट लगाए

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति अब तक 46 देशों में 45 हजार से अधिक विकलांगों को कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, श्रवण यंत्र और बैसाखी निःशुल्क वितरित कर चुकी है

जयपुर। विकलांगों के पुर्नवास की विश्व की सबसे बड़ी और विश्व प्रसिद्ध जयपरु फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने तीन अलग-अलग देशों में विशेष शिविरों का आयोजन कर कुल 1984 विकलागों को लाभान्वित किया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और बी.एम.वी.एस.एस. के संयुक्त तत्वावधान में इन शिविरों का आयोजन निकारागुआ, म्यानमार (बर्मा) और वेस्ट इण्डीज़ के द्वीप ट्रिनिडाड में हुआ।

विदेश मंत्रालय के "इण्डिया फॉर ह्यूमैनिटीज़" कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से विदेशों में विकलांगों को चलने-फिरने के लिए इन शिविरों का आयोजन किया जाता हैं और अब तक 46 देशों में 45 हजार से अधिक विकलांगों को कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, श्रवण यंत्र और बैसाखी आदि निःशुल्क बाँटे जा चुके हैं। संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ की राजधानी मानागुआ में आयोजित शिविर में 531 विकलांगों को लाभान्वित किया गया। म्यानमार की राजधानी यागांन में दो अलग-अलग शिविरों में कुल 650 लोग लाभान्वित हुए। ट्रिनिडाड की राजधानी पोर्ट-ऑफ-स्पेन में आयोजित शिविर में 803 विकलागों को, जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लागे भी थे, को जयपुर फुट लगाकर पुनः चलने-फिरने योग्य बनाया।

संस्था के अध्यक्ष सतीश मेहता ने कहा कि इन तीन शिविरों के बाद अफ्रीकी देश मोजाम्बिक और तंजानिया में ऐसे ही शिविरों का आयोजन करने के लिए भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की टीमें रवाना हो गयी है। मोजाम्बिक के नापुला शहर में 500 विकलांगों को लाभान्वित किया जाएगा। यह शिविर निजी स्तर पर आयोजित हो रहा हैं। पूर्व में इसी वर्ष मोजाम्बिक की राजधानी मापूता में विकलांग पुर्नवास शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें 600 से अधिक लोगों को निःशुल्क जयपुर फुट और अन्य उपकरण लगाए गए। इसी प्रकार दूसरा दल अफ्रीकी देश तंजानिया की राजधानी दार-ए-सलाम रवाना हुआ हैं, जहाँ 600 से अधिक लोगों को जयपुर फुट निःशुल्क लगाए जाएंगे। इस शिविर का आयोजन भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ऐसा ही शिविर वर्ष 2019 में आयोजित किया गया था, जिसमें 551 लोगों को लाभान्वित किया गया। गत वर्ष तंजानिया में एक भारतीय कम्पनी कल्पतरू प्रोजेक्टस इन्टरनेशनल लिमिटेड के सहयोग से आयोजित कर 500 से अधिक विकलांगों को लाभान्वित किया गया।

सिंधी भाषा अधिगम केंद्र में संचालित कक्षाओं का निरीक्षण

निवाई। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् दिल्ली व भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास जयपुर द्वारा संचालित सिंधी भाषा अधिगम केंद्र में संचालित कक्षाओं का भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के सचिव ईश्वर मोरवाणी, कोषाध्यक्ष नवलकिशोर गुरनानी एवं रमेश केवलानी ने निरीक्षण करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा और उसका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कक्षाओं के कार्यों एवं भाषा के प्रति समर्पण की प्रशंसा करते हुए संतुष्टि जाहिर की। सिंधी शिक्षा मित्र योगिता इसरानी एवं ऋचा इसरानी ने बताया कि निवाई में वर्ष 2025 में 4 कक्षाएं संचालित हैं। जिनमें तीन सर्टिफिकेट कोर्स और एक एडिशनल डिप्लोमा की कक्षा है। जिसमें 65 बच्चे रजिस्टर्ड हैं। उन्होंने बताया कि आगामी जनवरी माह में इनकी परीक्षाएं आयोजित की जाएगी।

कांग्रेस के नेता धर्मांतरण विरुद्ध कानून के खिलाफ आमजन को भड़का रहे : जोगाराम पटेल

- कैबिनेट विधि मंत्री ने गहलोत द्वारा धर्मांतरण कानून पर दिए गए बयान को निंदनीय बताया
- राजस्थान पहला प्रदेश जिसने बनाया धर्मान्तरण के विरूद्ध सख्त कानून : पटेल

जयपुर। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राजस्थान विधिविरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 कानून पर दिए गए बयानों पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता पुरानी मानसिकता के चलते धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध कानून के विरुद्ध अनर्गल बयान देते हुए आमजन को भड़का रहे हैं। किसी धर्म, जाति या मजहब का साथ देना स्वीकार्य है, लेकिन लोकतंत्र प्रक्रियाओं का पालन करते हुए राजस्थान विधानसभा में पारित कानून के विरुद्ध जानबूझकर गलत शब्दावली का प्रयोग करना सही नहीं है। ये घोर निंदनीय है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के बयान किसी एक धर्म विशेष के प्रति राजनीतिक स्वार्थपूर्ति को दर्शाते हैं। विधि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के विधानसभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ में अनुसूचित जाति की बालिका को बहला-फुसला कर धर्मांतरण करवाया जा रहा है, जिसकी वो हिमायत कर रहे हैं। विधि मंत्री ने कहा कि राजस्थान पहला प्रदेश है, जिसने धर्मान्तरण के विरूद्ध सख्त से सख्त कानून बनाया है। सजा, जुर्माना, संगठित रूप से अपराधिकारित, अपराध का रिपीटेशन के संबंध में सख्त प्रावधान किए।

हजारों पर्यटकों ने आमेर में देखी जयपुर की विरासत

जयपुर। आमेर महल दीवान-ए-आम में जयपुर की हेरिटेज तस्वीरें और पेंटिंग को हजारों देशी विदेशी पर्यटकों ने अपने मोबाइल में कैद किया। विदेशी टूरिस्ट जयपुर की खूबसूरती को तस्वीरों में देखकर रोमांचित हो उठे। मंदिरों, महलों और ऑफ बीट फोटाज ने उनको प्रभावित किया। जयपुर स्थापना दिवस पर जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जिबिशन के दूसरे दिन रविवार आमेर महल के दीवाने आम में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत पुरातत्व व संग्रहालय विभाग की सहभागिता से आयोजन हो रहा है। जिसमें देशी पर्यटकों ने कहा जयपुर वेरी ब्यूटीफुल। जयपुर के राजपरिवार की तस्वीरें ,हवा महल, मंदिर, आमेर फोर्ट,जंतर मंतर,जलमहल,गोविंद देव मंदिर,सिटी पैलेस ओर तस्वीरें अपने मोबाइल में कैद की। पेंटिंग में भी पेड़ पर लगी मन्नत,ऊंट के साथ राजस्थानी महिला,राम लल्ला, पोट्रेट पर बनी पेंटिंग भी देखी। पहली बार जयपुर की विरासत आमेर महल में देशी-विदेशी पर्यटकों ने फोटो व पेंटिंग एग्जिबिशन देख रहे है। देखी।सभी आर्टिस्ट ने अपनी कला के जरिए अपने आर्ट वर्क को प्रदर्शित किया। एग्जिबिशन का सोमवार को अंतिम दिन।संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया एग्जिबिशन में पर्यटकों ने विरासत को जाना और जयपुर के सभी हेरिटेज विरासत को दिखाया गया है। सोमवार को समापन पर सभी पार्टिसिपेट को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मान किया जाएगा। एग्जिबीशन को आर्ट क्यूरेटर अदिति अग्रवाल ने पर्यटकों को सभी पेंटिंग के बारे में बताया और समझाया किस तरीके से जयपुर की विरासत का कितना महत्व है।

गोपालपुरा टोल प्लाजा पर फर्जीवाड़े से कर ली हजारों वाहनों से लाखों रुपए की टोल वसूली

टोल के केबिन नम्बर एक से अन्य राज्यों के भारी वाहन निकले ही नहीं और 3 लाख 2705 रुपए का टोल टैक्स फास्टैग के वाहन नम्बर से काट लिया

- आरएसआरडीसी के ऑनलाइन सिस्टम को मैनुअल कर एक दिन में 535 वाहनों के फ़ास्टटैग से फर्जीवाड़ा किया
- एक ट्रेलर वाहन चालक से मिली शिकायत पर टोल प्लाजा पर की गई पड़ताल में भारी गड़बड़ी सामने आई

माण्डलगढ़ के त्रिवेणी-जहाजपुर सड़क पर गोपालपुरा टोल प्लाजा पर फर्जीवाड़े से टोल वसूली का मामला सामने आया।

माण्डलगढ़/भीलवाड़ा, (निसं)। माण्डलगढ़ में त्रिवेणी-जहाजपुर स्टेट हाइवे सड़क मार्ग के गोपालपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली में लाखों रुपए के फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। एक दिन के 24 घण्टे में टोल प्लाजा के केबिन नम्बर 1 से अन्य राज्यों के बड़े वाहन गुजरना बता कर फास्टैग से 535 वाहनों से 3 लाख 2705 रुपए ऑनलाइन टोल टैक्स वसूल कर लिया गया। यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है। विभागीय जाँच के बाद करोड़ों की वसूली तक भी मामला पहुंचने की आशंका है।

एक ट्रेलर वाहन चालक शैतान सिंह से मिली शिकायत पर टोल प्लाजा पर की गई पड़ताल में भारी गड़बड़ी सामने आई है। गोपालपुरा टोल प्लाजा पर 19 से 20 नवम्बर 2025 को 24 घण्टे के दौरान पंजाब, हरियाणा, तैलंगाना, महाराष्ट्र और अन्य स्टेट के 535 भारी वाहनों के नम्बर से फास्टैग से 580 रुपए प्रति वाहन काटकर 3 लाख 2705 रुपए वसूल कर ऑनलाइन फ्रॉड किया गया है।

जबकि 19 और 20 नवंबर 2025 को टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे में काटे गए टोल के वाहनों की कोई रिकॉर्डिंग ही नहीं मिली है। बताया गया है कि आरएसआरडीसी द्वारा टोल वसूली के लिए टोल प्लाजा संवेदक को ऑनलाइन सिस्टम अलॉट किया हुआ है, लेकिन सिस्टम से छेड़छाड़ कर मैनुअल सिस्टम से टोल वसूली का खुलेआम कारनामा किया जा रहा है।

टोल प्लाजा वाहन आए ही नहीं और 24 घण्टे में 3 लाख 2705 रुपए का संवेदक फ्रॉड कर वसूली करना कहीं न कहीं विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

जानकारी के अनुसार टोल प्लाजा की केबिन नम्बर 1 से वाहनों का टोल टैक्स वसूलना दैनिक स्टेटमेंट में दर्शाया गया है, जबकि केबिन नम्बर 1, एक सितम्बर 2025 से ही बन्द पड़ी हुई है।

केबिन में कम्प्यूटर सिस्टम सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा हुआ है। केबिन में धूल मिट्टी जमीं पड़ी हैं। गौरतलब हैं कि गोपालपुरा टोल प्लाजा पर अधिकांशतः भीलवाड़ा, बूंदी, जयपुर, अजमेर चित्तौड़गढ़, कोटा जिले के अधिकांश छोटे और बड़े वाहन प्रतिदिन निकलते हैं, लेकिन 19 ओर 20 सितम्बर को टोल प्लाजा पर राजस्थान से अन्य राज्यों के वाहनों के निकलने का टोल बूथ के स्टेटमेंट में पाया गया है।

वहीं टोल प्लाजा पर एक दर्जन से अधिक कर्मचारी लगे हुए हैं, लेकिन बिना यूनिफार्म व आई कार्ड के कार्य कर रहे हैं। टोल बूथ पर अन्य जन सुविधाएं भी नगण्य बनी हुई है। रात्रि में हाईमास्क लाइट भी बंद ही रहती हैं।

आरएसआरडीसी ने 4 सितम्बर 2025 से 4 दिसम्बर तक संवेदक को 6 लाख 91 हजार रुपए प्रतिदिन के ठेके पर दिया हुआ है, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने गम्भीरता से कभी निरीक्षण भी नहीं किया है।

इस मामले में माण्डलगढ़ पंचायत समिति प्रधान जितेंद्र मूंदड़ा ने बताया कि गोपालपुरा टोल प्लाजा पर बिना वाहन निकले नम्बरों के आधार पर टोल टैक्स काटने की लम्बे समय से शिकायतें आ रही थी, इस बारे में आरएसआरडीसी के अधिकारियों को शिकायत भी की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

मुकेश खोईवाल परियोजना निदेशक आरएसआईडीसी भीलवाड़ा का कहना है कि गोपालपुरा टोल प्लाजा पर टोल टैक्स वसूली में फर्जीवाड़ा करने की शिकायत मिली है, संवेदक को नोटिस जारी कर 24 घण्टे में जवाब तलब किया जा रहा है।

इस मामले में उच्चाधिकारियों को भी अवगत करा दिया है। जांच में दोषी पाया गया तो संवेदक की फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।

मैंने इस सीजन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, सीजन की शुरुआत में कुछ चोटें भी लगीं, लेकिन मैंने पूरे सीजन में अपनी मेहनत जारी रखी और मैं सीजन को अच्छे नोट पर खत्म करके बहुत खुश हूँ। - लक्ष्य सेन

पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी, खिताब जीतने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **अनाहत सिंह**

भारतीय स्क्वैश की होनहार खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शनिवार को इंदौर में अपनी सीनियर हमवतन जोशना चिनप्पा को हराकर एसआरएफएआई इंडियन ओपन 2025 पीएसए चैलेंजर महिला खिताब जीता। डेली कॉलेज में मुकाबला कर रही, टॉप सीड और दुनिया की 33वें नंबर की महिला स्क्वैश खिलाड़ी, अनाहत सिंह ने अपनी ज़्यादा अनुभवी और बिना सीड वाली विरोधी के खिलाफ 54 मिनट में 3-2 (11-8, 11-13, 11-9, 6-11, 11-9) से फाइनल जीता। 17 साल की अनाहत ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 7-4 से आगे हो गईं।

क्या आप जानते हैं ?... पूर्व महान ऑलराउंडर जैक कैलिस भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं...

अभिनव देशवाल ने 25मी पिस्टल इवेंट में जीता गोल्ड

टोक्यो, 23 नवंबर। भारत के अभिनव देशवाल ने रविवार सुबह यहां चल रहे डेफलम्पिक्स के 9वें दिन 25मी पिस्टल मेन्स इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। साउथ कोरिया की लीना सेउंग I ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि यूक्रेन के फोमिन सेरही ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। एक और भारतीय शूटर, चेतन हनमंत सपकाल, 5वें स्थान पर रहे। क्वालिफायर में 600 में से 575 के साथ क्वालिफिकेशन वर्ल्ड रिकॉर्ड और क्वालिफिकेशन डेफलम्पिक्स रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद अभिनव 25मी पिस्टल मेन्स इवेंट के फाइनल में पहुंच गए थे।आखिरी शॉट के दौरान खराबी के बावजूद, अभिनव पहले ही लीड ले चुके थे और शानदार फिनिश के साथ खत्म किया।

जर्मनी को हराकर डेविस कप फाइनल में पहुंचा स्पेन

बोलोग्ना (स्पेन), 23 नवंबर। स्पेन यहां जर्मनी पर 2-1 से जीत के बाद छह साल में पहली बार डेविस कप फाइनल में पहुंचा। छह बार के डेविस कप चैंपियन शनिवार को जर्मनी के खिलाफ 2-1 से सेमीफाइनल जीत के साथ आगे बढ़े, जब मार्सेल ग्रैनोलर्स और पेड्रो मार्टिनेज की डबल्स जोड़ी ने केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुट्ज़ को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। स्पेन का सामना रविवार को मेजबान और डिफेंडिंग चैंपियन इटली से होगा। इटली शुक्रवार के सेमीफाइनल में बेल्जियम पर जीत के साथ फाइनल में पहुंचा था। कैप्टन डेविड फेरर की टीम, चोटिल दुनिया के नंबर 1 कार्लोस अल्काराज के बिना, अपने डबल्स स्पेशलिस्ट, 39 साल के फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन चैंपियन ग्रैनोलर्स और उनके पार्टनर मार्टिनेज का शुक्रिया अदा कर सकती है। सिंगल्स में, पाब्लो कारेनो बुस्टा ने जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6(6) से हराकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने दुनिया के नंबर 3 अलेक्जेंडर ज्वेरेव के जरिए बराबरी की, जिन्होंने जौमे मुनार को 7-6(2), 7-6(5) से हराया।

उज्बेकिस्तान से हारकर ईस्ट बंगाल महिला टीम हुई एएफसी चैंपियनशिप से बाहर

वुहान (चीन), 23 नवंबर। भारतीय फुटबॉल क्लब ईस्ट बंगाल रविवार को अपने तीसरे और आखिरी ग्रुप बी मैच में उज्बेकिस्तान की पीएफसी नसाफ से 3-0 से हारकर एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2025-26 से बाहर हो गया। आज यहां हांकौ कल्चर स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गये मुकाबले में उज्बेकिस्तान के लिए डियोराखोन खबीबुल्लाएवा (18, इंजरी टाइम का आठवां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि जरीना नोरबोएवा (52) ने दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल दागा। ईस्ट बंगाल को टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह पक्की करने के लिए ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन उसे इस मैच में हार का सामना करना पड़ा और तीन गेम में तीन अंक के साथ उसका चैंपियनशिप में सफर समाप्त हो गया। टूर्नामेंट में इससे पहले, ईस्ट बंगाल ने चैंपियंस लीग गेम जीतने वाली पहली भारतीय टीम बनकर इतिहास रच दिया था, उसने अपने पहले मैच में ईरान के बाम खातून फुटबॉल क्लब को हराया था।

खराब मौसम के कारण भारत बनाम दक्षिण कोरिया मुकाबला स्थगित

इपोह (मलेशिया), 23 नवंबर। खराब मौसम के कारण भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सुल्तान अजलान शाह कप 2025 टूर्नामेंट में रविवार को होने वाला पुरुष हॉकी टीम का मुकाबला स्थगित कर दिया गया है। पांच बार की चैंपियन भारतीय हॉकी टीम का टूर्नामेंट के 31वें संस्करण में आज दक्षिण कोरिया से मैच होना था। लेकिन खराब मौसम के कारण इस मैच को स्थगित कर दिया गया है। इस टूर्नामेंट में भारत सहित मेजबान मलेशिया, बेल्जियम, दो बार की चैंपियन न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया और कनाडा हिस्सा ले रहे हैं।

हार्दिक गौर 95 रन नाबाद की पारी पर हर्ष सैनी 95 रन की पारी भारी पड़ी

जयपुर, 23 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में हर्ष सैनी 95 रन (37 गेंद, 4 चौके, 11 छक्के) की आतिशी पारी तथा रोहन सिंह 40 रन 1 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार क्रिकेट एकेडमी के हार्दिक गौर 95 रन नाबाद (55 गेंद, 9 चौके, 2 छक्के) तथा आदित्य झाला 30 रन पर 3 विकेट के प्रयासों पर पानी फेरते हुए अपनी टीम को 7 गेंद शेष रहते 3 विकेट से जीत दिलाकर महत्वूपर्ण 2 अंक दिलाये।

टॉस जीतकर संस्कार क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए ओपनर हार्दिक गौर 95 रन नाबाद (55 गेंद, 9 चौके, 2 छक्के) तथा यश पुरोहित ने मिलकर 6.2 ओवर में पहले विकेट पर 69 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की। संस्कार क्रिकेट एकेडमी की ओर से आर्यमन कटारिया 22 रन, हर्ष पारवानी 11 रन व आदित्य झाला 10 रन ने हार्दिक गौर के साथ मिलकर अपनी टीम का स्कोर निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 194 रन पंहुचा दिये। गेंदबाजी में रोहन जैन 34 रन पर 2 विकेट तथा रोहन सिंह व तनवीर खान प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने महत्वपूर्ण 5 विकेट 8.1 ओवर में मात्र 64 रन पर गवा दिये। लेकिन कप्तान हर्ष सैनी 95 रन (37) गेंद, 4 चौके, 11 छक्के) ने रोहन सिंह 40 रन के साथ मिलकर छठे विकेट पर 32 गेंदों में 70 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाकर अपनी टीम की उम्मीदो को जिंदा रखा और सोनू शर्मा 9 रन नाबाद के साथ मिलकर 26 गेंदों में 50 रन की साझेदारी निभाकर अपनी टीम को जीत के द्वार पंहुचा दिया।

सेनुरन मुथुसामी का शतक, यानसन शतक से चूके, दक्षिण अफ्रीका 489

गुवाहाटी, 23 नवंबर। कुलदीप यादव ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शतक की ओर बढ़ रहे मार्को यानसन (93) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6.1 ओवर में बिना कोई विकेट खोए नौ रन बना लिये है। केएल राहुल दो और यशस्वी जयसवाल सात रन बनाकर क्रीज पर है। भारत के लिए कल तीसरा दिन बहुत चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि मेजबान टीम के सामने दक्षिण अफ्रीका का विशाल स्कोर होगा।

कुलदीप ने आज 152वें ओवर की पहली गेंद पर मार्को यानसन को आउटकर दिन का अपना यह पहला विकेट झटककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 489 रन के स्कोर पर अंत किया। मार्को यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। कुलदीप ने चार विकेट लिए, और जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी में केवल साइमन हार्मर ही एकमात्र ऐसे बल्लेबाज रहे जो दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सके वरना अन्य सभी 10 बल्लेबाजों ने दहाई का आंकड़ा पार किया। दक्षिण अफ्रीका की पारी में 21 अतिरिक्त रनों का भी योगदान रहा।

इससे पहले भोजनकाल के बाद 139वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने शतकवीर सेनुरन मुथुसामी यशस्वी जयसवाल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। सेनुरन मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। 144वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर (पांच) को आउटकर भारत को नौवीं सफलता दिलाई।

पहले सत्र में भारतीय गेंदबाजों को चायकाल तक नहीं मिली सफलता, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्को यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और मार्को यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक जड़ा। भोजनकाल के समय तक दक्षिण अफ्रीका ने सात विकेट पर 428 रन बना लिये थे। सेनुरन मुथुसामी (नाबाद 107) और मार्को यानसन (नाबाद 51) क्रीज पर मौजूद थे। आज सुबह यहां कल के छह विकेट पर 247 रनों से दक्षिण अफ्रीका ने खेलना शुरु किया। सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन ने दिन की शुरुआत में ही धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 83.3 ओवर में 250 रन का स्कोर पार कर लिया। 95 ओवर में ड्रिंक्स ब्रेक तक 275/6 पर पहुंचने के बाद, मेहमान टीम लगातार रन बनाती रही। वेरेन ने ड्रिंक्स के बाद के सेशन में कुलदीप यादव की गेंद पर वाइड मिड-ऑफ पर चौका लगाकर शुरुआत की और जल्द ही 98वें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद को स्लिप के बाहर से निकालकर एक और चौका लगाया। दक्षिण अफ्रीका ने 102.4 ओवर में 300 रन पार किये। 104.2वें ओवर में पारी में जडेजा की गेंद मुथुसामी के पैड पर लगी और अंपायर रॉड टकर ने उन्हें पगबाधा आउट करार दिया। मुथुसामी ने तुरंत रिव्यू लिया, और अल्ट्राएज ने हल्के से ग्लब टच दिखाया। टीवी अंपायर क्रिस गैफनी ने फैसला पलट दिया, जिससे बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को राहत मिल गई। मुथुसामी ने 106.2वें ओवर में जडेजा की गेंद पर एक रन लेकर अपने पचास रन पूरे किए।

मेरे लिए सचमुच यह एक ख़ास पल है :सेनुरन मुथुसामी

गुवाहाटी, 23 नवम्बर। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शानदार शतक बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज सेनुरन मुथुसामी ने कहा कि यह उनके लिए सचमुच यह एक ख़ास पल है। मुथुसामी ने 109 रन बनाये जिसकी बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 489 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। दिन के खेल के बाद मुथुसामी ने कहा, इतने भरे हुए हाउस के सामने यह सच में एक खास पल था। मुझे खुशी है कि मैं टीम में अपना योगदान दे सका और पहली इनिंग्स में कुछ रन बना सका, जो हमेशा जरूरी होता है। यह (प्लान) बस पार्टनरशिप बनाने और इनिंग्स को आगे बढ़ाने और फिर बीच में रन बनाने का था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि स्कोल्सी (वेरेन) ने आज सच में बहुत अच्छा किया और मार्को स्पेशल था। और दूसरे लोगों ने भी योगदान दिया, जो बहुत बढ़िया था।

लक्ष्य सेन ने सत्र का पहला खिताब जीता

सिडनी, 23 नवम्बर। लक्ष्य सेन ने रविवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीतकर अपने करियर का छठा और इस साल का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीता।

इंडिया के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, जो 14वें नंबर पर हैं, को बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जापान के वर्ल्ड नंबर 26 युशी तनाका पर 21-15, 21-11 से क्लीन जीत के लिए 38 मिनट लगे। यह दोनों शटलर्स के बीच पहली आमने-सामने की भिड़ंत थी।

सिडनी में सेन की जीत पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल है। उनके करियर में 2019 में दो सुपर 100 टाइटल - डच ओपन और सारलोरलक्स ओपन - के साथ-साथ 2022 में इंडिया ओपन सुपर 500 और 2023 में कनाडा ओपन सुपर 500 भी शामिल हैं। सेन इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर टाइटल जीतने वाले सिर्फ़ दूसरे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भी बने। आयुष शेट्टी ने जून में यूएस ओपन सुपर 300 टाइटल जीता था।

फाइनल में, सेन ने लगातार चार पॉइंट बनाकर शुरुआती गेम 7-3 से अपने नाम कर लिया। तनाका ने थोड़ी देर के लिए स्कोर 17-15 कर लिया, लेकिन सातवें सीड वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने चार पॉइंट की बढ़त बनाकर गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में भी ऐसा ही हुआ। एक सधी हुई शुरुआत के बाद, सेन ने इंटरवल तक छह पॉइंट की बढ़त बना ली और उसके बाद मजबूती से कंट्रोल में रहकर शानदार जीत हासिल की। लक्ष्य सेन ने शनिवार को चाउ टिएन चेन के खिलाफ सेमीफाइनल में तीन मैच पॉइंट बचाकर जीत हासिल की और फाइनल में अपनी लय बनाए रखी। क्वार्टर फाइनल में, लक्ष्य सेन ने हमवतन आयुष शेट्टी को हराया। इस साल की शुरुआत में, लक्ष्य हांगकांग ओपन में रनर-अप रहे और पिछले हफ्ते कुमामोटो मास्टर्स सहित दो सेमीफाइनल में भी खेले।

बंगलादेश ने आयरलैंड को 217 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

मीरपुर (बंगलादेश), 23 नवंबर। तैजुल इस्लाम और हसन मुराद (चार-चार विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन आयरलैंड को दूसरी पारी में 291 के स्कोर पर समेट कर मुकाबला 217 रनों से जीत लिया। इसी के बंगलादेश ने दो मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। मुशफिकुर रहीम को 106 और नाबाद 53 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज मे 13 विकेट लेने वाले तैजुल इस्लाम को प्लेयर ऑफ द सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया।

आयरलैंड ने कल के छह विकेट पर 176 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज आयरलैंड ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के समर्थन से जबरदस्त विरोध किया। कैमफर ने बहुत हिम्मत और पक्के इरादे के साथ बल्लेबाजी की और उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों का भी समर्थन मिला। मेजबान टीम पहले सेशन में कुछ विकेट लेने में कामयाब रही। लेकिन उसके बाद कैमफर और होए ने बंगलादेश के गेंदबाजों को पसीना बहाने पर मजबूर कर दिया। सुबह के सत्र में तैजुल इस्लाम ने एंडी मैक्ब्राइन (21) को पगबाधा आउटकर बंगलादेश को सातवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉर्डन नील ने कर्टिस कैमफर के साथ पारी को संभाला और आठवें विकेट के लिए 48 रन जोड़े। 82वें ओवर में मेहदी हसन मिराज ने जॉर्डन नील को बोल्डकर इस साझेदारी का अंत किया। जॉर्डन नील ने 46 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 30 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये गेविन होए ने कर्टिस कैमफर के साथ जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए बंगलादेश के गेंदबाजों को जीत के लिए तरसाये रखा।

आरसीए अंडर 16 चैलेंजर ट्रॉफी आज से जयपुर में

जयपुर 23 नवम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी के अनुसार बीसीसीआई की आगामी अंडर 16 ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 16 टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में कल से जयपुर में अंडर 16 चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजित की जाएगीं। दिनांक 24 -25 नवबंर को खेले जाने वाले 2 दिवसीय मैच- पहला मैच टीम ऐ - टीम डी (रणवीर सिंह ग्राउंड), दूसरा मैच टीम बी - टीम सी (लक्ष्य ग्राउंड)। दिनांक 27 - 28 नवम्बर को खेले जाने वाले मैच : पहला मैच टीम ऐ - टीम बी (रणवीर सिंह ग्राउंड), दूसरा मैच टीम सी - टीम डी (लक्ष्य ग्राउंड)।

आरसीए अंडर 16 चैलेंजर ट्रॉफी की 4 टीमों में चयनित खिलाडी : टीम ए :- आर्यन सिंह, आयुष चौधरी, आयुष राजपुरोहित, दर्शन पचार, गगन भारद्वाज, गजेंद्र सिंह, जयनाम जैन, जशनदीप सिंह, जितेन भाटी, प्रतीक चौधरी, रेयान सेबेस्टियन (कप्तान), सचिन मीणा, समीर चौधरी, वजाहत अली, कुमार वसुदेव।

टीम बी :- आदित्यराजबड़सरा, अनुराग, अनुराग लखन, हिमांशु जणवा, जसपाल सिंह, करण जांगिड़, निधीशराज, पृथ्वी राजसिंह, रमन चौधरी, रोहन चौधरी, संयम जाखड़, शोभाग सिंह भाटी (कप्तान), शौर्य मेहरा, यश शर्मा।

टीम सी :- अदनान खिलजी, अक्षय वैष्णव, अमर नाथसिंघा, आशीष, भव्य अगल, चेतन कुमार, दक्ष सेठिया, दक्ष शर्मा, गीतेशपुरोहित, कार्तिक शर्मा, पवन कुमावत, उज्जवल चौधरी, वशिष्ठ शर्मा (कप्तान), विशाल।

टीम डी :- अवि सुवालका, भारत सुथार, भीष्म चेलानी, दिलेकभटनागर, धैर्य पटेल, गौरव सैनी (कप्तान), गुरताज सिंह, केविन चड्ढा, कुणाल फौजदार, नतांश करिआ, निलय अरोरा, रेयांश भाटिया, रोनित, शौर्य सिंह।

राहुल वनडे सीरीज के लिए बने स्टैंड-इन कप्तान, ऋषभ पंत की वापसी

गुवाहाटी, 23 नवम्बर। वनडे में भारत के पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज, केएल राहुल को दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ आने वाली वनडे सीरीज के लिए स्टैंड-इन कप्तान बनाया गया है। रेगुलर कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान श्रेयस अय्यर के चोटों के कारण सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं होने से, राहुल को तीन मैचों की सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया। तीन मैच रांची (30 नवंबर), रायपुर (3 दिसंबर) और विशाखापत्तनम (6 दिसंबर) में होंगे। तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा और रुतुराज गायकवाड़ को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम में शामिल किया गया है, जबकि इस बार अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज नहीं हैं। लेकिन विकेटकीपर ऋषभ पंत की वनडे टीम में वापसी हुई है।

पंत के टीम में शामिल होने के बावजूद ध्रुव जुरेल अपनी जगह बनाए रखेंगे। अक्षर, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पहली पसंद के लेफ्ट-आर्म स्पिनर के तौर पर चुना गया था, सीनियर प्रो जडेजा की वापसी के बाद अपनी जगह बनाए रखने में नाकाम रहे। गिल अभी अपनी गर्दन की चोट की जांच के लिए मुंबई में हैं। 26 साल के गिल, जिन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले वनडे कप्तान बनाया गया था, को कोलकाता में पहले टेस्ट में पहली पारी में बल्लेबाजी करते समय गर्दन में चोट लगने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में अपनी भागीदारी बीच में ही छोड़नी पड़ी।

पूरी टीम: रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान) (विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

जयपुर पोलो सीजन 2025

द कश्मीर चैलेंज कप में टीम जयपुर रही विजेता

जयपुर, 23 नवंबर। जयपुर के राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रविवार को द कश्मीर चैलेंज कप (06 गोल्स) का फाइनल मैच खेला गया। टीम जयपुर और टीम कानोता पोलो के बीच हुए इस रोमांचक मुकाबले में टीम जयपुर विजयी रही। टीम जयपुर ने टीम कानोता पोलो को 9-5 के बड़े अंतर से शिकस्त देकर कप अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर सारा ब्लेकली मुख्य अतिथि रहीं और उन्होंने विजेता टीम को कप प्रदान किया। विजेता टीम जयपुर से लांस वाटसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल किए। वहीं, हिज हाईनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने टीम के लिए 4 गोल किए। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में मिर्ज़ा मोहम्मद बेग और प्रणव कपूर भी शामिल थे। टीम कानोता पोलो से हूर अली ने 3 गोल किए। डीनो धनखड़ और अशोक चांदना ने 1-1 गोल किया। टीम से प्रताप सिंह कानोता भी खेले।

साइना नेहवाल और पीटर गेड ने द लेजेंड्स' विजन-लेगेसी टूर इंडिया की शुरुआत की

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। दिल्ली में आज भारतीय बैडमिंटन के लिए एक यादगार दिन रहा, जब साइना नेहवाल और पीटर गेड ने सीरीफोर्ट डीडीए स्क्वैश एंड बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स में आयोजित द लेजेंड्स' विजन - लेगेसी टूर इंडिया की शुरुआत की। यह दिन विरासत, युवा ऊर्जा और उद्देश्य का ऐसा संगम लेकर आया, जिसने दिखाया कि जब महान खिलाड़ी अपने नन्हे चाहने वालों के साथ खड़े होते हैं, तो खेल की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। आठ साल बाद भारत लौटे 'लेजेंड्स' विजन' का दिल्ली चैप्टर बेहद उत्साह के साथ शुरू हुआ। स्टेडियम शुरुआत से ही दर्शकों से भर गया था- जूनियर खिलाड़ी अपनी क्लब जर्सी में पहुंचे और परिवारों ने इसे एक उत्सव की तरह मनाया। जैसे ही साइना और गेड कोर्ट पर उतरे, चारों ओर गूंजती तालियों ने साफ कर दिया कि शहर इस पल का लंबे समय से इंतज़ार कर रहा था। एम्बेसडर्स परुपल्ली कश्यप, आनंद पवार, अपर्णा पॉपट और सायली गोखले ने भी लेजेंड्स के साथ बच्चों के साथ मज़ेदार सत्र खेले, जिसमें लेजेंड्स और एम्बेसडर्स ने युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर कई दिलचस्प मुकाबले खेले।

दूसरा जयपुर चेस क्लब रेपिड टूर्नामेंट शुरू

जयपुर, 23 नवम्बर। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 7 राउंड में खेली जा रही है, जिसमें विजेताओं के लिए 25,000 नगद पुरस्कार, कुल 31 ट्रॉफियाँ एवं मेडल निर्धारित किए गए हैं। युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष श्रेणी पुरस्कार भी रखे गए हैं। जेडीसीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि इस वर्ष टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा का स्तर अत्यधिक उत्कृष्ट है। कुल 133 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया है, जिनमें से 31 इंटरनेशनल रेटिंग खिलाड़ी शामिल हैं। विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों की भागीदारी ने प्रतियोगिता को और अधिक रोमांचक बना दिया है। कार्यक्रम का आयोजन जयपुर चेस क्लब द्वारा किया जा रहा है तथा यह प्रतियोगिता जेडीसीएद्वारा मान्यता प्राप्त है।टूर्नामेंट का सफल संचालन शतरंज प्रेमियों के लिए एक प्रेरणादायक वातावरण तैयार कर रहा है।

5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आगाज आज से

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे : संस्कृति, खेल और मनोरंजन का संगम-जयपुर में सोमवार शाम होगा रंगारंग उद्घाटन समारोह

पहले दिन होंगे 3 खेल-बैडमिंटन, तीरंदाजी व शूटिंग

जयपुर 23 नवंबर। खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रविवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में घोषणा की कि पाँचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 का उद्घाटन समारोह बेहद भव्य और आकर्षक होने जा रहा है। पहली बार राजस्थान देश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय-स्तरीय मल्टी--स्पोर्ट्स इवेंट की मेजबानी कर रहा है। इस अवसर पर मंत्री जी ने राज्य की तैयारियों, खिलाड़ियों के बड़े स्तर पर भागीदारी और सोमवार, 24 नवंबर 2025 को होने वाले उद्घाटन समारोह की मुख्य झलकियों को साझा किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, राजस्थान देश के श्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये खेल हमारी विरासत, हमारी खेल भावना और हमारे भविष्य के चैंपियनों को संवारने की प्रतिबद्धता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के माध्यम से युवाओं को ऐसा मंच प्रदान किया है कि आने वाले समय में देष के युवा कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स और ओलंपिक में जाएंगे और पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमें गर्व है कि हम पूरे भारत के खिलाड़ियों की मेजबानी कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह संस्करण अपनी मेहमान नवाज़ी, गर्मजोशी और गुणवत्ता के लिए याद रखा जाएगा। हम माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा दिए गए सहयोग के लिए भी अत्यंत आभारी हैं। उनके मार्गदर्शन और दूरदृष्टि से राजस्थान में उभर रहे अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए नए अवसर तैयार होंगे। कर्नल राठौड़ ने बताया कि सोमवार शाम का उद्घाटन समारोह राजस्थान की बहादुरी, रंगों और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाने वाली अनूठी प्रस्तुति होगा।

समारोह की प्रमुख विशेषताएँ-

प्रसिद्ध गायक सिद्धार्थ महादेवन का ऊर्जावान कॉन्सर्ट, जो युवाओं में उत्साह की नई लहर जगाएगा। राष्ट्रीय गान की प्रस्तुति राजस्थान पुलिस बैंड द्वारा-एक उत्साहपूर्ण और देशभक्ति से भरा आरंभ।

अरुणिता कांजीलाल और नृत्य कलाकारों द्वारा भगवान गणेश का आशीर्वाद लेते हुए शुभारंभ की प्रस्तुति। राजस्थान के

लोक कलाकारों द्वारा रजनीगंधा शेखावत की संगीत रचना पर आधारित लैंड ऑफ कलर्स का सांस्कृतिक प्रदर्शन। देशभर के कलाकारों द्वारा भारतीय मार्शल आर्ट्स की जोशीली प्रस्तुति-लैंड ऑफ ब्रेवरी का प्रतीक। खेल भावना का सम्मान करते हुए खिलाड़ियों की विशेष कारवां परेड, खेलों के शुभंकर खम्मा और घणी के साथ। राजस्थान की प्रगति और युवा ऊर्जा का जश्न मनाता शानदार ड्रोन शो।

अगले 12 दिनों तक राजस्थान उत्साह, संस्कृति और खेल प्रतिभा का भव्य संगम बनेगा। पहला दिन - तीन खेलों से होगी शुरुआत (सोमवार, 24 नवंबर), बैडमिंटन - सवाई मानसिंह स्टेडियम इंडोर हॉल, जयपुर, तीरंदाजी - जगतपुरा आर्चरी रेंज, जयपुर, शूटिंग - जगतपुरा शूटिंग रेंज, जयपुर। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए खिलाड़ियों और कोचों से बातचीत की, जो इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने राजस्थान के जगदीशप्रसाद झाबरमल तिबरेवाला विश्वविद्यालय के सचिन झाझड़िया के साथ एक मैत्रीपूर्ण प्रदर्शनी मैच भी खेला।

5,000 खिलाड़ी, 24 खेल, 7 शहर- राजस्थान में खेलों का महाकुंभ:- इस वर्ष में देशभर के विश्वविद्यालयों से लगभग 5,000 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिताएँ 24 खेलों में आयोजित होंगी, जिनमें खो-खो एक प्रदर्शन खेल रहेगा। खेलों का आयोजन इन सात शहरों में होगा: जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर और बीकानेर।

सबसे बड़ा दल पंजाब यूनिवर्सिटी का:- डा. नीरज के.पवन ने बताया कि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब का दल सबसे बड़ा है, जिसमें 148 महिला व 119 पुरूष खिलाड़ियों सहित कुल 267 खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि मेजबान राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा दल है, जिसमें 163 पुरूष व 72 महिला खिलाड़ियों सहित कुल 235 खिलाड़ी शामिल हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ 231 (134 पुरूष व 97 महिला) और गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर के 224 खिलाड़ी (117 पुरूष व 107 महिला) और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी पंजाब 174 (76 पुरूष व 98 महिला) खिलाड़ियों के साथ क्रमषः तीसरे, चैथे और पांचवें बड़े दल के रूप में शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि होंगे। करीब डेढ़ घंटे तक चलने वाले समारोह में प्रधानमंत्री का संदेश पढा जावेगा।

दिसम्बर से सप्ताह में 3 दिन पार्टी मुख्यालय पर जन सुनवाई होगी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अजेमर-बीकानेर संभाग के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली

जयपुर, 23 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर अजमेर एवं बीकानेर संभाग के भाजपा जिला अध्यक्षों एवं मंडल अध्यक्षों सहित

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी पंचायत चुनावों में कार्यकर्ताओं की अहम् भूमिका है। उन्हें जमीनी स्तर पर पूरी मेहनत से काम करना है।**
- **इस बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद सी.पी. जोशी व घनश्याम तिवाड़ी तथा पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी भी शामिल हुए।**

विभिन्न पदाधिकारियों के साथ संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद सी.पी. जोशी, घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर अजमेर एवं बीकानेर संभाग के भाजपा जिला अध्यक्षों एवं मंडल अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों से मिले और संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जहां सब कार्यकर्ता गुलदस्ते के रूप में एकजुट होकर कार्य करते हैं और यहां हर कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता परिवार के काम से ज्यादा पार्टी के काम को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता को इतना सक्रिय होना चाहिए कि उसके क्षेत्र में हर कोई उसे पहचाने। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहकर केन्द्र और राज्य की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी कहते थे कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत से आगे बढ़ी है। हमें जनता के बीच रहकर उनकी सेवा करनी है। कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं पूछे और स्थानीय अधिकारियों की मदद से उनका समाधान निकाले। कार्यकर्ता कार्यों की प्राथमिकता तय कर जिला अध्यक्ष के माध्यम से राज्य सरकार को अवगत कराएं। जिलों में मंडल स्तरीय बैठक नियमित और अनिवार्य रूप से आयोजित करें। आगामी पंचायती चुनावों में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है, उन्हें जमीनी स्तर पर पूरी मेहनत के साथ काम करना है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार दिसम्बर में दो वर्ष का कार्यकाल पूरा करने जा रही है। इस अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में कार्यकर्ता प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कितने कार्य हुए उसके बारे में जनता को विस्तृत रूप से अवगत कराएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अजमेर एवं बीकानेर संभाग की बैठक में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि आगामी माह से हर सप्ताह भाजपा प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं की जनसुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि सप्ताह में तीन दिन-सोमवार, मंगलवार और बुधवार को दो मंत्री भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उपस्थित रहेंगे, और कार्यकर्ताओं की समस्याएं व सुझाव सुनेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पार्टी संरचना मजबूत होगी और ग्राउंड लेवल कार्यकर्ताओं को सीधा प्लेटफॉर्म मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था कार्यकर्ताओं के लिए बूस्टर का काम करेगी और संगठन को और मजबूती देगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में दो वर्ष में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। राज्य सरकार ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से वर्षों से अटके कई कार्य आगे बढ़ाए हैं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को पोलियो दवाई पिलाई

जयपुर, 23 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा पिलाकर राज्यस्तरीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अभियान के लिए जनसहभागिता का आ ान करते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा अवश्य पिलाएं।

शर्मा ने कहा इस अभियान में

- **उन्होंने कहा, अगले दो दिन स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलायेंगे।**

प्रदेशभर में जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा पिलाई जाएगी। दो बूंद दवा ही पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से रक्षा कर सकती है।

उल्लेखनीय है कि रविवार (23 नवम्बर) को प्रदेशभर में पोलियो बूथों पर दवा पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसी कारणवश बूथ पर दवा पीने नहीं वाले बच्चों को अगले दो दिन स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर दवा पिलाएंगे। लगभग 1 करोड़ 8 लाख बच्चों को पोलियो दवा पिलाने के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में 58 हजार 823 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। 6 हजार 741 ट्रांजिट टीमें और 8 हजार 989 मोबाइल टीम की व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री ने 'दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार' पोस्टर का विमोचन भी किया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री ए. राठौड़, बच्चों के अभिभावक सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

वैश्विक संस्थाओं में सुधार अब अनिवार्य हो गया है- मोदी

उन्होंने जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका व ब्राज़ील को एकजुट होकर कदम उठाने का सुझाव दिया

जोहान्सबर्ग, 23 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वैश्विक संस्थाएं 21 वीं सदी की वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं और भारत, ब्राजील तथा दक्षिण अफ्रीका को एक स्वर में दुनिया को संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्थाओं में सुधार अब वैकल्पिक नहीं बल्कि जरूरी है। मोदी ने रविवार को यहां जी 20 शिखर सम्मेलन से इतर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इबसा) की बैठक में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी तीनों देशों को सामंजस्य के साथ एकजुट होकर कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये तीनों देश इस बिखरी और विभाजित दुनिया को एकता, सहयोग और मानवता को संदेश दे सकते हैं।

- **प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद जैसे गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड का कोई स्थान नहीं है।**

मोदी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इबसा केवल तीन देशों का समूह नहीं है, यह तीन महाद्वीपों को जोड़ने वाला, तीन बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियों, तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण मंच है। यह एक गहरा और आत्मीय बंधन भी है, जिसमें विविधता भी है, साझे मूल्य और साझी आकांक्षाएं भी हैं। मोदी ने सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले तीनों देशों को एकजुट होकर वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।

उन्होंने कहा ," सबसे पहले, हम तीनों देश इस बात पर सहमत हैं कि वैश्विक संस्थान 21वीं सदी की वास्तविकताओं से कोसों दूर हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हममें से कोई भी देश स्थायी सदस्य नहीं है। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक संस्थाएँ आज की दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। इसलिए इबसा को एक स्वर में पूरे विश्व को संदेश देना चाहिए कि संस्थागत सुधार अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी हमें करीबी सामंजस्य से आगे बढ़ना होगा। ऐसे गंभीर विषय पर किसी भी प्रकार के दोहरे मापदंड का कोई स्थान नहीं है। वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए, हमें इस विषय पर एकजुट होकर कदम उठाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2021 में भारत की इबसा अध्यक्षता में तीनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पहली बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए हम इसे संस्थागत रूप दे सकते हैं।

केरल के माकपा कार्यकर्ता ने चुनाव कार्यालय में आत्महत्या की

पलक्कड़, 23 नवंबर। केरल के पलक्कड़ जिले में पदालिक्काड स्थित मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी (माकपा) के चुनाव समिति कार्यालय में रविवार को एक कार्यकर्ता का शव फंदे से लटका मिला।

मृतक की पहचान पदालिक्काड निवासी सिवन (40) के रूप में हुई है। पार्टी कार्यकर्ता जब तड़के सुबह कार्यालय पहुँचे, तो उन्होंने शव को लटका हुआ पाया। यह कार्यालय मरूतरोड ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या चार के स्थानीय निकाय चुनाव के लिए अस्थायी रूप से स्थापित किया गया था।

पुलिस ने शव की जाँच की और उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल, मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। बता दें कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव दो चरणों में (9 और 11 दिसंबर को) होने वाले हैं। पलक्कड़ जिले में चुनाव 11 दिसंबर को निर्धारित है।

एसआईआर सुधार नहीं, थोपा हुआ जुल्म है- राहुल

नई दिल्ली, 23 नवंबर। वोटर लिस्ट रिविजन (एसआईआर) पर राहुल गांधी बुरी तरह से बिफर पड़े। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई सुधार नहीं बल्कि थोपा गया जुल्म है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में ये बात कही। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिससे वोटर थक हार जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में बीएलओ की खुदकुशी का मुद्दा भी उठाया। राहुल गांधी ने लिखा- एसआईआर के नाम पर देश भर में अफ़रा-तफ़री मचा रखी है - नतीजा? तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या - एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया ज़ुल्म है।

एसआईआर के जरिए वोट चोरी का आरोप लगाते हुए उन्होंने आगे लिखा- ईसीआई ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची

- **उन्होंने कहा, आयोग चाहता है, वोटर थक जाए व वोट चोरी बेरोकटोक जारी रहे।**

के हज़ारों स्कैन पन्ने पलटने पड़ें। मक़सद साफ़ है - सही मतदाता थककर हार जाए, और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने लिखा-भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है, मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी काग़ज़ों का जंगल खड़ा करने पर ही अड़ा है। अगर नीयत साफ़ होती तो लिस्ट डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती - और ईसीआई 30 दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम ठेलने के बजाय उचित समय ले कर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता।

अमेरिका जी-20 में नहीं आया, द.अफ्रीका ने उसे अध्यक्षता नहीं सौंपी

द.अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने समापन भाषण में भारत की जमकर तारीफ की

जोहान्सबर्ग, 23 नवंबर। दुनिया के सबसे अमीर देशों और शीर्ष विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के संगठन जी20 की बैठक रविवार को अभूतपूर्व तनातनी के बीच समाप्त हो गई। जी20 के अगले अध्यक्ष अमेरिका के बहिष्कार की वजह से मौजूदा अध्यक्ष और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने खुद ही रस्म निभाई और गेवल बजाया। रामफोसा ने अपने समापन भाषण में भारत की भी जमकर तारीफ की।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने कहा कि दो दिवसीय विचार-विमर्श के बाद जी20 शिखर सम्मेलन संपन्न हो गया, जिसकी नींव भारत, ब्राजील और इंडोनेशिया ने रखी थी। उन्होंने कहा कि हमने इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील के कार्यों से बहुत कुछ सीखा। कई मायनों में यहां जो कुछ घटित हुआ है, वह ग्लोबल साउथ के इन तीन देशों द्वारा रखी गई बुनियाद पर आधारित है।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने कहा कि जी20 दक्षिण अफ्रीका का घोषणापत्र

- **अमेरिका ने दूतावास के एक अधिकारी को जी-20 की अध्यक्षता का हैंडओवर लेने भेजा था। द.अफ्रीका ने कहा कि एक जूनियर अधिकारी को राष्ट्रपति का गेवल सौंपना राष्ट्रपति का अपमान होगा।**

महज शब्दों से कहीं बढ़कर है। यह ठोस कार्रवाई के लिये प्रतिबद्धता है जिससे दुनिया के हर हिस्से में लोगों का जीवन बेहतर होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम इस साल महत्वपूर्ण चुनौतियों के बीच मिले और साबित किया कि बड़ी कठिनाइयों के समय में भी बेहतर दुनिया के प्रयास के लिए हम एकजुट हो सकते हैं।

बता दें कि इस जी20 समिट में न तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप आए और न ही उन्होंने अपने किसी अधिकारी को भेजा। यह जी20 के इतिहास में पहली बार है कि अगले अध्यक्ष की गैरमौजूदगी में समिट खत्म हुई है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका पर अपने यहां रहने वाले गोरे अल्पसंख्यकों पर हिंसक अत्याचार का आरोप लगाते हुए समिट का बायकॉट किया था। इसे लेकर काफी समय से तनातनी चल रही थी। 2008 में गठन के बाद से पहला मौका है, जब अमेरिका, रूस और चीन तीनों के नेता जी20 समिट में शामिल नहीं हुए।

व्हाइट हाउस ने समिट खत्म होने से पहले अपने दूतावास के एक अधिकारी को जी20 की अध्यक्षता का हैंडओवर लेने के लिए भेजने की बात कही थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इनकार कर दिया। अफ्रीका का कहना था कि किसी जूनियर अधिकारी को अध्यक्षता का गेवल सौंपना राष्ट्रपति रामफोसा का अपमान होगा। विवाद इतना बढ़ा कि कोई भी अमेरिकी अधिकारी समिट में नहीं पहुंचा। दक्षिण अफ्रीका का कहना है कि हैंडओवर अब बाद में किया जाएगा। हो सकता है कि विदेश मंत्रालय में इसकी रस्म पूरी की जाए।

अल्मोड़ा के स्कूल के पास विस्फोटक मिला

अल्मोड़ा, 23 नवंबर। भारत के पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के अल्मोड़ा में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस ने उत्तराखंड के अल्मोड़ा के एक स्कूल के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक जिलिग्नाइट की छड़ें बरामद की हैं।

स्कूल के पास एक झाड़ी से 161 जिलिग्नाइट की छड़ें और 20 किलो से ज्यादा विस्फोटक ऐसे समय में मिला है जब जांच एजेंसियां दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस की जांच कर रही हैं। डबरा गांव के गवरमैंट हाई सेकेंडरी स्कूल में यह बरामदगी हुई। जल्द ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। उधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों से बम डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया।

सर्च के दौरान पास की झाड़ियों में जिलिग्नाइट स्टिक के कुछ पैकेट मिले, जबकि कुछ पैकेट घटनास्थल से कुछ फीट दूर मिले। यह बरामदगी दिल्ली बम ब्लास्ट केस में जांच एजेंसियों द्वारा हरियाणा में लगभग 3,000 किलो विस्फोटक जब्त करने के बाद हुई है।

पुलिस ने कहा कि जेलिग्नाइट स्टिक को सबसे पहले गुरुवार को स्कूली बच्चों ने देखा। बच्चे अपनी क्रिकेट बॉल को झाड़ियों में ढूंढ रहे थे। इस दौरान उन्हें वहां विस्फोटक रखे हुए

- **स्कूल के पास झाड़ियों में 161 जिलिग्नाइट की छड़ें व 20 किलो विस्फोटक मिला।**

मिले। इस बात की जानकारी उन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल को दी। जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को बताया।

शीतकालीन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोस्ट में कहा गया है, "संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ के लिए सिर्फ केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अभी केंद्र सरकार के स्तर पर विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इस प्रस्ताव में किसी भी तरह से चंडीगढ़ की शासन-प्रशासन की व्यवस्था या चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को परिवर्तित करने की कोई बात नहीं है। चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों से पर्याप्त विचार विमर्श के बाद ही उचित निर्णय लिया जाएगा। इस विषय पर चिंता की आवश्यकता नहीं है।

ट्रक दुर्घटना में सूबेदार की मौत पर 1.1 करोड़ रूपए का मुआवज़ा

नई दिल्ली, 23 नवंबर। दिल्ली की एक मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने 43 वर्षीय सेना के सूबेदार की मौत के मामले में उनके परिवार को एक करोड़ दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह हादसा साल 2021 में हुआ था। अधिकारी सुदीप राज सैनी ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि मृतक शराब के असर में दोपहिया चला रहे थे, इसका मतलब यह नहीं है कि वे हादसे के लिए जिम्मेदार थे।

दिल्ली ट्रिब्यूनल उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे दीपक कुमार के परिजनों ने दायर किया था। पांच जुलाई 2021 को एक ट्रक ने उनकी दोपहिया को टक्कर मारी थी, जिसके

- **दिल्ली की एक मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने 2021 के हादसे पर फैसला दिया।**

बाद उनकी मौत हो गई। अठारह नवंबर को दिए गए आदेश में अधिकरण ने कहा कि यह साबित हो चुका है कि हादसा ट्रक चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण हुआ।

एक चश्मदीद के बयान के आधार पर ट्रिब्यूनल ने कहा कि ट्रक चालक ही लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और ऐसा कोई सबूत नहीं है कि दीपक कुमार ने अपनी दोपहिया गलत तरीके से चलाई थी। इसलिए नशे की स्थिति के आधार पर मृतक को सहदोषी नहीं माना जा सकता। दिल्ली ट्रिब्यूनल ने यह भी कहा कि हादसे के समय मृतक ने हेलमेट नहीं पहना था, लेकिन यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें उन्हें केवल सिर की चोटें आई हों, जिनसे हेलमेट पहनने पर बचाव हो सकता था। अंत में अदालत ने परिवार को कुल एक करोड़ दस लाख रुपये का मुआवजा विभिन्न मदों में देने का आदेश दिया, जिसमें आश्रितों की हानि के लिए लगभग 98.88 लाख रुपये शामिल हैं। अदालत ने ट्रक की बीमा कंपनी नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को पूरी राशि जमा कराने का निर्देश दिया।

विंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोस्टिंग कोयंबटूर के सैलूर में थी। उनकी पत्नी अफशां एयरफोर्स में पायलट हैं और इन दिनों कोलकाता में प्रशिक्षण पर थीं।

स्याल का पार्थिव शरीर दुबई से कोयंबटूर के पास स्थित सुलुर एयर बेस लाया गया, जहां एयर बेस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें अंतिम सम्मान दिया।

भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारतीय वायुसेना विंग कमांडर नमांश स्याल की दुखद क्षित पर गहरा शोक व्यक्त करती है, उन्होंने अटूट प्रतिबद्धता, असाधारण कौशल और कर्तव्य की अविचल भावना के साथ राष्ट्र की सेवा की।"

वायुसेना ने कहा कि उनके गरिमापूर्ण व्यक्तित्व और देश की सेवा के लिए समर्पित जीवन के माध्यम से उन्होंने अपार सम्मान अर्जित किया।

यह सम्मान यूएई के अधिकारियों, सहयोगियों, दोस्तों और भारतीय दूतावास के अधिकारियों द्वारा उन्हें दी गई विदाई में भी दिखाई दिया। वायुसेना दुख की इस गहरी घड़ी में उनके परिवार के साथ एकजुटता से खड़ी है और उनके साहस, समर्पण और सम्मान की विरासत को सलाम करती है।

तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान की संभावना

चेन्नई, 23 नवंबर। रविवार को मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र स्पष्ट रूप से चिह्नित हो गया है और पहले यह तेज दबाव में बदलेगा और फिर चक्रवाती तूफान में परिवर्तित हो जाएगा। दूसरी ओर कावेरी डेल्टा और तमिलनाडु के दक्षिण तटीय जिलों में भारी बारिश हुई है। तमिलनाडु के उत्तरी और उत्तरी तटीय जिलों में भी भारी बारिश हुई जिससे कई इलाके जलमग्न हो गए।

जानकारी के अनुसार, 25 नवंबर को कोमोरन क्षेत्र और श्रीलंका के पास खाड़ी के ऊपर एक और निम्न दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान है, जिससे पूरे राज्य में वर्षा और ज्यादा तीव्र बारिश होगी।

मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर-पूर्वी मानसून दक्षिण तटीय तमिलनाडु में ज़ोरदार रहा और शेष तमिलनाडु में सक्रिय रहा। तमिलनाडु के अधिकांश स्थानों और पुडुचेरी तथा कराईकल क्षेत्र में बारिश हुई।

मलक्का जलडमरूमध्य और समीपवर्ती दक्षिण अंडमान सागर पर कल बना निम्न दबाव क्षेत्र आज उसी क्षेत्र पर एक स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र बन गया।

- **कावेरी डेल्टा व दक्षिण तटीय जिलों में भारी बारीश हुई।**

25 से 29 नवंबर तक तमिलनाडु और पुडुचेरी तथा कराईकल क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है तथा एक-दो स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

तमिलनाडु तट, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र में 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने तथा 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

12 राज्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और निकोबार (99.98 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (99.82 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल (99.75 प्रतिशत) का स्थान रहा। डिजिटाइज़ेशन अभियान में, लक्षद्वीप 88.20 प्रतिशत की दर के साथ सबसे आगे है, जबकि गोवा और राजस्थान क्रमश: 69.38 प्रतिशत और 65.52 प्रतिशत के साथ पीछे हैं।

बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना का प्रत्यार्पण मांगा

ढाका, 23 नवंबर। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नई दिल्ली को एक आधिकारिक पत्र भेजकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। देश के अंतरराष्ट्रीय अपराध

- **मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने भारत को इस संबंध में अधिकारिक पत्र भेजा।**

न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने उन्हें मौत की सजा सुनाई है।

सरकारी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) ने विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन के हवाले से बताया कि यह पत्र बीते शुक्रवार को भेजा गया था। गौरतलब है कि आईसीटी ने 17 नवंबर को शेख हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप में मृत्युदंड सुनाया था। मामले में तीसरे आरोपी पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल मामून को पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई थी।

फ्रांस ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी दावे को मनगढ़ंत बताया

फ्रांस के अधिकारी द्वारा पाकिस्तान की वायु सेना की तारीफ का समाचार झूठा व भ्रामक है- फ्रांस

पेरिस/नई दिल्ली, 23 नवंबर। फ्रांसीसी नौसेना ने रविवार को पाकिस्तान मीडिया की सख्त आलोचना की और उस पर भ्रामक जानकारी और झूठी खबरें फैलाने का आरोप लगाया। दरअसल, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पाकिस्तान के एक मीडिया आउटलेट की ओर से रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एक फ्रांसीसी अधिकारी ने पाकिस्तान की हवाई श्रेष्ठता की पुष्टि की और मई में सीमा पर हुए टकराव में भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को गिराए जाने की बात कही।

मरीन नेशनल ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि रिपोर्ट में टिप्पणी गढ़ी गई थीं और अधिकारी की पहचान भी गलत तरीके से की गई थी। बयान में कहा गया, फेक न्यूज- इन बयानों को कैप्टन लौने से जोड़ दिया गया है, जिन्होंने किसी भी तरह के प्रकाशन की सहमति नहीं दी।

- **फ्रांस की नौसेना ने स्पष्ट किया कि फ्रांस के अधिकारी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कथित तौर पर भारतीय विमानों को गिराने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की।**

यह लेख व्यापक भ्रामक जानकारी और झूठी खबरें फैलाता है।

पाकिस्तान के जिओ टीवी की 21 नवंबर की रिपोर्ट में जैक्स लौने को कथित तौर पर पाकिस्तान की वायु सेना की तारीफ करते दिखाया और यह दावा किया कि भारतीय राफेल विमानों को चीन के समर्थन से गिराया गया। फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि अधिकारी का असली नाम कैप्टन इवान लौने है और उन्होंने वास्तव में कोई भी टिप्पणी नहीं की थी।

नौसेना ने स्पष्ट किया कि नाम का पहला शब्द इवान है, जैक्स नहीं। रिपोर्ट के अनुसार उनकी जिम्मेदारियों में केवल उस नौसैनिक हवाई अड्डे का नेतृत्व करना है, जहां फ्रांसीसी राफेल समुद्री विमान तैनात हैं। बयान के मुताबिक, इवान लौने ने हिंद-प्रशांत सम्मेलन में तकनीकी प्रस्तुति (प्रेजेंटेशन) दी और राफेल लड़ाकू विमान के मिशन, अपने नौसैनिक हवाई अड्डे के संसाधनों और फ्रांसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की जानकारी साझा की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कथित तौर पर भारतीय विमानों के गिरने या चीनी प्रणालियों द्वारा राफेल लड़ाकू विमान को बाधित करने पर कोई टिप्पणी नहीं की।

फ्रांसीसी नौसेना ने दोहराया कि ऐसी कोई टिप्पणियां नहीं की गईं जो पाकिस्तानी आउटलेट द्वारा प्रकाशित दावे के अनुरूप हों, जिसमें कहा गया था कि लौने ने राफेल के प्रदर्शन संबंधी मुद्दों को ऑपरेशनल खामियों की जानकारी दी और इसकी चीनी जे-10सी से तुलना की।

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मलवीय ने फ्रांसीसी नौसेना की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए जिओ टीवी की रिपोर्ट को पुराने, गढ़े हुए दावे करार दिया और रिपोर्टर हामिद मीर पर तंज कसा। उन्होंने एक्स पर लिखा, फ्रांसीसी नौसेना ने पाकिस्तान के जिओ टीवी और उसके संवाददाता हामिद मीर को भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए सार्वजनिक रूप से लताड़ा। उनकी रिपोर्ट में राफेल और मई संघर्ष के पुराने, गढ़े हुए दावे फिर से पेश किए गए और अब यह सार्वजनिक रूप से उजागर हो गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908